हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

Subscribe
Koylanchal samvad news

रांची, शनिवार, 23 अगस्त, 2025 वर्ष : 13 अंक : 94 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

कर्नाटक सीएम ने केरल में आपदा प्रभावितों के लिए मंजूर किए 10 करोड़...
अब तक का सबसे रोचक उपराष्ट्रपति पद का चुनाव?
दावा- एशिया कप में बिना स्पॉन्सर के खेलेगी टीम इंडिया...

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र : सदन में उठी दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने 4296.62 लाख का अनुपुरक बजट सदन में किया पेश, शिक्षा-पेयजल और ग्रामीण विकास पर जारी होगी धनराशि

रांचीः मानसून सत्र के दौरान झारखंड विधानसभा में आज वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 का पहला अनुपूरक व्यय विवरणी प्रस्तुत किया. सरकार की ओर से सदन के पटल पर 4296 करोड़ 62 लाख का अनुपूरक बजट रखते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यह एक संवैधानिक व्यवस्था है जिसपर वाद विवाद सदन में आगे होगा. फिर शोक प्रकाश हुआ। इसके बाद सदन की कार्यवाही सोमवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विधानसभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का गुरुजी शिबू सोरेन के निधन पर शोक प्रकाश के दौरान संबोधन हुआ। मुख्यमंत्री ने शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन और पत्रकार हरिनारायण सिंह के निधन पर दुख जताया। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शोक प्रकाश के दौरान गुरुजी शिबू सोरेन, शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, पत्रकार हरिनारायण सिंह के निधन पर दुख जताया। अनुपूरक बजट में ग्रामीण विकास विभाग के लिए सर्वाधिक राशि का प्रावधान किए जाने पर वित्त मंत्री ने कहा कि इस संदर्भ में मैं शुरू से कहता रहा हूं कि झारखंड की 75% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है.उनकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना अनिवार्य है. जब तक ग्रामीण क्षेत्र मजबूत नहीं होगा तब तक झारखंड का सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र मजबूत नहीं होगा. यही वजह है कि मूल बजट हो या फिर अनुपूरक बजट में फंडिंग दिखेगी.

अनुपूरक में सर्वाधिक ग्रामीण विकास को राशि, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को भी राशि

गुरूजी को भारत रत्न देने के सवाल पर सीएम बोले, यह राज्य की जनता का भाव है

सदन में पक्ष विपक्ष सभी ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग की. कहा कि विधानसभा से प्रस्ताव पारित कर भारत सरकार को भेजा जाए. शुक्रवार को सदन की कार्यवाही समाप्त होने के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि सदन की भावना है. राज्य की जनता का भाव है, उसे सदन में सदस्यों ने रखा. इस पर सदन विचार करेगा. इससे पहले सदन में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, आजसू विधायक निर्मल महतो जदयू विधायक सरयू राय ने भी शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग की. बताते चलें कि इससे पूर्व 26 जुलाई से झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र शुरू हुआ था, लेकिन सत्र के बीच 4 अगस्त को दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन हो गया था। इस कारण सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था।

चालू वित्तीय वर्ष के पहले अनुपूरक बजट में राज्य सरकार ने सर्वाधिक ग्रामीण विकास विभाग को राशि देने का प्रावधान किया है. इसके तहत 96889.72 लाख की राशि दी गई है. वहीं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को 41700 लाख रुपया दिया गया है. अनुपूरक में पंचायती राज विभाग को 9856 लाख रुपये, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग प्राथमिक एवं शिक्षा मद में 42000 लाख रुपये, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग को 6205.87 लाख रुपये, विधि विभाग को 2962.45 लाख रुपये, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को 3024.50 लाख रुपये, गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग को 7915.57 लाख रुपया की राशि दी जाएगी. इसके अलावा स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग को 44863.30 लाख, वित्त विभाग को 83583.48 लाख, मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग को 20243.52 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है. बहरहाल सरकार द्वारा पेश अनुपूरक पर सोमवार 25 अगस्त से सदन में वाद-विवाद होगा तत्पश्चात इसे पारित किया जायेगा. वहीं, यह सत्र 28 अगस्त तक चलेगा। इस सत्र में कुल चार कार्य दिवस होंगे। शनिवार और रविवार के अवकाश के बाद 25 अगस्त को पहली पाली में प्रश्न काल और दूसरी पाली में अनुपूरक बजट पर चर्चा होगी। 26 अगस्त को प्रश्न काल के बाद राजकीय विधेयक पेश किए जाएंगे। फिर 28 अगस्त को राजकीय विधेयक और गैर सरकारी संकल्प लाए जाएंगे। इस सत्र के हंगामेदार होने की संभावना है। क्योंकि विपक्ष ने सूर्या हांसदा एनकाउंटर मामला, अटल क्लीनिक का नाम बदलने और सीजीएल परीक्षा पेपर लीक मामले में सरकार को घेरने की तैयारी की है।

वहीं, सदन में आज पौड़ेयाहाट विधायक प्रदीप यादव ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग विधानसभा से प्रस्तावित करने की अपील की. उन्होंने राज्य के लिए दिशोम गुरु के बलिदानों को याद करते हुए कहा "दूजे के होंठों पर देकर अपनी बात, कोई निशानी छोड़ फिर दुनिया से डोल" यह पंक्ति गुरु जी पर सटीक बैठती है. यह कहते हुए उन्होंने दिशोम गुरु को भारत रत्न देने की मांग रखी.

दिशोम गुरु की जीवनी पाठ्यक्रम में करें शामिल

प्रदीप यादव ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के सराहनीय कामों को याद करते हुए कहा कि ऐसे लोगों को ही भारत रत्न मिलना चाहिए. इसके अलावा विधायक ने सीएम हेमंत सोरेन ने आग्रह किया कि दिशोम गुरु के संघर्ष की गाथा और उनकी जीवनी को राज्य के स्कूलों में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम में शामिल करें.

झारखंड की सबसे ऊंची चोटी पारसनाथ पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन की मूर्ति लगाने की मांग

झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन आज सदन में दिशोम गुरु शिबू सोरेन को स्पीकर रवीन्द्रनाथ महतो, सीएम हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी समेत अन्य विधायकों ने श्रद्धांजलि अर्पित की. इस दौरान डुमरी विधायक जयराम महतो ने झारखंड की सबसे ऊंची चोटी पारसनाथ पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन की मूर्ति लगाने की मांग की. उन्होंने कहा मैं सरकार से मांग करता हूं कि गुरूजी, बिनोद बिहारी महतो, शिवा महतो, निर्मल महतो जैसे वीर सपूतों की मूर्ति हो पारसनाथ की चोटी पर लगायी जाये. सदन में पौड़ेयाहाट के विधायक प्रदीप यादव ने दिशोम गुरु को भारत रत्न देने के लिए विधानसभा से प्रस्ताव पारित करने की भी मांग की. साथ ही सीएम हेमंत सोरेन से आग्रह किया कि गुरु जी की संघर्ष गाथा और उनकी जीवनी को राज्य के बच्चों को स्कूलों में पढ़ाया जाये. स्कूलों के पाठ्यक्रम में दिशोम गुरु की जीवनी को शामिल किया जाये.

संक्षिप्त खबरें

भारत में पहला कार्यालय दिल्ली में खोलेगा ओपनएआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। कृत्रिम मेधा (एआई) तकनीक में अग्रणी अमेरिकी कंपनी ओपनएआई ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह साल 2025 के अंत तक राजधानी दिल्ली में अपना पहला कार्यालय खोलने जा रही है। यह कदम भारत में उसके एआई उत्पादों की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता को ध्यान में रखकर उठाया गया है। भारत, अमेरिका के बाद चैटजीपीटी का दूसरा सबसे बड़ा और तेजी से बढ़ता उपयोगकर्ता आधार बन चुका है। कंपनी ने बताया कि उसने भारत में आधिकारिक रूप से अपनी स्थानीय इकाई स्थापित कर दी है और एक समर्पित भारतीय टीम की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस कार्यालय के जरिए ओपनएआई भारत सरकार, व्यवसायों, डेवलपर्स, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य साझेदारों के साथ मिलकर काम करेगी। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि भारत में एआई को लेकर जोश और संभावनाएं अविश्वसनीय हैं।

आईडीबीआई बैंक का जल्द होगा निजीकरण

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईडीबीआई के निजीकरण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। सरकार और एलआईसी की 95 फीसदी हिस्सेदारी में से लगभग 60.72 फीसदी शेयरों की बिक्री चरणबद्ध तरीके से की जाएगी। वित्त विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि इच्छुक निवेशकों को योग्य घोषित कर दिया गया है और वैल्यूएशन लगभग तय हो चुका है। इस कदम के तहत आईडीबीआई जल्द ही सरकारी नियंत्रण से बाहर आ जाएगा। अगर डील फाइनल होती है तो 2025 की शुरुआत में आईडीबीआई प्राइवेट बैंक बन जाएगा। इस खबर के बाद बैंक के शेयरों में जबरदस्त उछाल देखा गया है, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है।

सीएम हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड सजा पुनरीक्षण पर्षद की 35वीं बैठक संपन्न

सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आयोजित झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की 35वीं बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 51 कैदियों को रिहा किए जाने पर सहमति बनी। बैठक में रिहाई से संबंधित 37 नए मामलों के साथ-साथ 66 वैसे कैदियों के मामलों पर भी पुनर्विचार किया गया जिन्हें झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की पिछली बैठकों में अस्वीकृत किया गया था।

बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग वंदना दादेल, डीजीपी अनुराग गुप्ता, प्रधान सचिव-सह-विधि परामर्शी विधि (न्याय) नीरज कुमार श्रीवास्तव, महानिरीक्षक कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं सुदर्शन प्रसाद मंडल, न्यायिक आयुक्त अनिल कुमार मिश्रा, प्रधान प्रोवेशन पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रिहा हो रहे कैदियों को नया जीवन शुरू करने के लिए करें प्रेरितः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक में समीक्षा के उपरांत राज्य के विभिन्न कारागारों में 14 वर्ष या उससे अधिक समय से सजा काट रहे वैसे कैदी जिनकी उम्र ज्यादा हो गई है तथा जेल में उनका आचरण अच्छा है उन्हें रिहा किया जाता है, अतएव रिहा हो रहे कैदियों को एक बेहतर सामाजिक जीवन शुरू करने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि रिहाई से संबंधित अनुशंसित मामलों में कुछ मामले ऐसे भी हैं जिसमें कैदियों के बीमार होने तथा कुछ की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहने की बात कही गई है, इन सभी मामलों के लिए एक बेहतर कार्य योजना तैयार कर ऐसे कैदियों को शारीरिक एवं मानसिक चिकित्सा प्रदान किए जाएं, चिकित्सा के उपरांत डॉक्टरों द्वारा दिए गए रिपोर्ट के अनुसार वैसे कैदियों की रिहाई पर विचार किया जाना चाहिए ताकि वे अपना जीवन सुचारू रूप से व्यतीत कर सकें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिहा होने वाले कैदियों को हर हाल में सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं से जोड़ें।

-शेष पेज 3 पर

51 कैदियों की रिहाई पर बनी सहमति

बैठक में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की अनुशंसा के आलोक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे कुल 103 कैदियों को कारामुक्त किए जाने के प्रस्ताव पर अधिकारियों के साथ बिंदुवार गहन विचार-विमर्श किया। राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद द्वारा रिहाई हेतु अनुशंसित एक-एक कैदियों की फाइल पर गंभीरता से विचार किया गया। मुख्यमंत्री ने कैदियों के अपराध की प्रवृति तथा न्यायालयों, संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों, जेल अधीक्षक एवं प्रोबेशन अधिकारियों द्वारा दिए गए मंतव्य की पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने रिहाई हेतु अनुशंसित कैदियों की उम्र एवं पारिवारिक, सामाजिक तथा शैक्षणिक स्थिति की भी पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री एवं अधिकारियों के बीच रिहाई हेतु प्रस्तावित सभी मामलों पर गहन विचारोपरान्त कुल 51 कैदियों को रिहा किए जाने के निर्णय पर मुख्यमंत्री ने अपनी सहमति दी।

बेगूसराय में पीएम ने किया 6 लेन ब्रिज का उद्घाटनः गमछा लहराकर लोगों का अभिवादन किया

गयाजीः पीएम ने बेगूसराय में गंगा नदी पर बने 6 लेन औंटा-सिमरिया ब्रिज का उद्घाटन किया। नीतीश कुमार के साथ प्रधानमंत्री पुल पर घूमे। उन्होंने अपने गले से गमछा निकाला और हाथ से घुमाकर लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी मौजूद रहे। ब्रिज के नीचे बने घाट पर प्रधानमंत्री के स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहे। पीएम को देखने के लिए लोगों की भीड़ भी घाटों पर नजर आई। प्रधानमंत्री करीब 37 मिनट तक ब्रिज पर रुके।

गयाजी से 13000 करोड़ की योजनाओं की शुरुआत की

इससे पहले गयाजी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13000 करोड़ की योजनाओं की शुरुआत की। मगध यूनिवर्सिटी के कैंपस में अपने 34 मिनट के भाषण में उन्होंने कांग्रेस और राजद पर निशाना साधा। सरकार की उपलब्धियां गिनवाईं। आतंकवाद और घुसपैठ पर भी बात की। पीएम ने कहा- 'हम घुसपैठियों को देश से निकालकर रहेंगे। इन्हें आपके हक पर डाका नहीं डालने देंगे। कांग्रेस-राजद घुसपैठियों के साथ खड़े हैं।' 'पहले जेल में बैठकर लोग फाइलों पर साइन करते थे। हम ऐसा बिल लेकर आए हैं, जिसके दायरे में पीएम भी है। गिरफ्तारी होते ही पद जाएगा।''पहले बिहार में शाम को कहीं आना-जाना मुश्किल था। गयाजी जैसे शहर लालटेन राज में अंधेरे में डूबे रहते थे। न शिक्षा थी, न रोजगार था। बिहार की कितनी पीढ़ियों को इन लोगों ने पलायन के लिए मजबूर किया।'

प्रधानमंत्री ने कहा- भ्रष्टाचारी जेल भी जाएगा और कुर्सी भी जाएगी

पीएम ने कहा- 'जिसने पाप किया है, वो अपने पाप को दूसरों से छिपाता है, लेकिन खुद तो जानते हैं कि उन्होंने क्या किया है। कोई बेल पर बाहर है, कोई रेल के खेल में कोर्ट के चक्कर लगा रहे हैं।' 'ये लोग कानून का विरोध कर रहे हैं। ये लोग मोदी को भांति-भांति की गाली दे रहे हैं। बाबा साहेब ने कभी कल्पना भी नहीं की होगी कि सत्ता के भूखे लोग भ्रष्टाचार करेंगे और कुर्सी से चिपके रहेंगे। अब भ्रष्टाचारी जेल भी जाएगा और कुर्सी भी जाएगी।'

नीतीश बोले- पहले बिहार का बुरा हाल था

सीएम नीतीश कुमार ने कहा- 'जितना काम हम लोगों ने कर दिया है। पहले बिहार का कितना बुरा हाल था। आज देख लीजिए, पहले कोई कपड़ा ठीक पहन पाता था। हमने महिलाओं-मुस्लिम के लिए काम किया। इन चीजों को याद रखिएगा।'

सीएम नीतीश कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा- 'पहले विधवा को मिलने वाली पेंशन राशि 400 रुपए थे, जिसे हमने बढ़ाकर 11 सौ किया। 2011 में हर घर बिजली पहुंचाया गया। अब इस साल हमने तय किया कि बिजली मुफ्त में दी जाएगी। अब हम बिजली मुफ्त दे रहे हैं।' '2020 में हमने तय किया था, 10 लाख सरकारी नौकरी, 10 लाख रोजगार। नौकरी तो हो गई। जो 10 लाख रोजगार था वो 39 लाख रोजगार हो चुका है। अब हमने तय किया है, 2025 से 2030 के लिए 1 करोड़ युवाओं को नौकरी-रोजगार दिए जाएंगे।'

बिहार वोटर वेरिफिकेशन, सुप्रीम कोर्ट बोला- आधार भी मान्यः हटाए गए वोटर्स लिस्ट में नाम जुड़वाने ऑनलाइन भी आवेदन दे सकेंगे

पटना/नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट में बिहार में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर (सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन) पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह हटाए गए वोटर्स को लिस्ट में अपना नाम जुड़वाने के लिए फिजिकली के अलावा ऑनलाइन आवेदन की अनुमति भी दे। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि आधार कार्ड समेत फॉर्म 6 में दिए गए 11 दस्तावेज में से कोई भी जमा किया जा सकता है, इनमें ड्राइविंग लाइसेंस, पासबुक, पानी का बिल जैसे डॉक्यूमेंट शामिल हैं। कोर्ट ने राजनीतिक पार्टियों को मामले पर चुप्पी साधने के लिए भी फटकार लगाई और पूछा कि मतदाताओं की मदद के लिए आप क्या कर रहे हैं। आपको आगे आना चाहिए। अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पार्टियों से पूछा- आप क्या कर रहे हैं

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने चुनाव आयोग से कई सवाल पूछे। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- राजनीतिक दलों की निष्क्रियता हैरान करने वाली है। राज्य की 12 पॉलिटिकल पार्टियों में से यहां मात्र 3 पार्टियां ही कोर्ट में आई हैं। वोटर्स की मदद के लिए आप क्या कर रहे हैं। कोर्ट ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि राजनीतिक दलों के लगभग 1.6 लाख बूथ लेवल एजेंट होने के बावजूद, उनकी ओर से केवल दो आपत्तियां ही आई हैं।

आधार कार्ड मानना होगाः कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान बड़ा आदेश देते हुए वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अनुमति दी है। फॉर्म को फिजिकली जमा करना जरूरी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि फॉर्म 6 में दिए गए 11 दस्तावेज़((जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, पासबुक, पानी का बिल आदि) में से कोई भी या आधार कार्ड जमा किया जा सकता है। कोर्ट ने आधार कार्ड को भी स्वीकार करने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने दलील दी, 'यह मुद्दा प्रासंगिक नहीं है। सभी को चुनाव आयोग पर भरोसा रखना चाहिए। हमें कुछ समय दीजिए, हम बेहतर तस्वीर सामने रखेंगे और साबित करेंगे कि किसी को भी बाहर नहीं किया गया है।' अधिवक्ता ग्रोवर ने इसका विरोध करते हुए कहा, 'इस पूरी प्रक्रिया को लेकर ज़मीन पर भ्रम फैला हुआ है। आयोग को इस पर प्रेस रिलीज़ जारी करनी चाहिए और समयसीमा बढ़ानी चाहिए ताकि निष्पक्षता बनी रहे।' भूषण ने सवाल उठाया, '7.24 करोड़ मतदाताओं का क्या होगा? 12% को बीएलओ ने 'नॉट रिकमेंडेड' कहा है। रोज़ाना 36 हज़ार फॉर्म की जांच करनी होगी, यह संभव नहीं है। ऐसे में कोई उपाय नहीं बचेगा।' सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पूछा, 'कितने बूथ लेवल एजेंट नियुक्त किए गए हैं, और क्या आपको और एजेंटों की जरूरत है?' चुनाव आयोग की ओर से बताया गया, किसी भी पार्टी ने इस संबंध में कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई है।

एनडीए विधायक दल की बैठकः विपक्ष सूर्या हांसदा एनकाउंटर की सीबीआई जांच पर सदन में अड़ेगा

रांचीः भाजपा प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को एनडीए विधायक दल की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने की. बैठक के बाद भाजपा के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल ने कहा कि झारखंड विधानसभा के छोटे मॉनसून सत्र में एनडीए गठबंधन राज्य के ज्वलंत और बड़े मुद्दों को जोरशोर से उठाएगा. जिसमें राज्य सरकार के इशारे पर पुलिस की बर्बरता ,ध्वस्त विधि गठबंधन के एजेंडे में प्रमुखता से शामिल है.

जायसवाल ने कहा कि भाजपा का स्पष्ट मानना है कि सामाजिक सांस्कृतिक सरोकारों से जुड़कर जनता की सेवा करने वाले राजनीतिक आदिवासी कार्यकर्ता सूर्या हांसदा का एनकाउंटर पूरी तरह से फर्जी है. परिवार के सदस्यों और क्षेत्र की आम जनता की स्पष्ट राय है कि सूर्या हांसदा की साजिशन हत्या हुई है. इसलिए पार्टी इस घटना की सीबीआई जांच कराने के मांग पर अडिग है, जिसे सदन में उठाया जाएगा. लोकतंत्र की बात करने वाले झामुमो,कांग्रेस राजद गठबंधन की राज्य सरकार लोकतांत्रिक अधिकारों,तरीकों की हत्या कर रही है.

प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पूरी तरह से ध्वस्त

राज्य की प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है. विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है, बुनियादी सुविधाओं का अभाव है और अब राज्य सरकार विश्वविद्यालय संशोधन बिल के माध्यम से यूनिवर्सिटी शिक्षा को भी बर्बाद करना चाहती है. राज्य सरकार तानाशाही रवैया अपनाते हुए महामहिम राज्यपाल के अधिकारों को समाप्त करने पर जुटी है. कुलपतियों की नियुक्ति अपने अधिकार में लेना चाहती है.

संक्षिप्त खबरें...

विधायक प्रदीप प्रसाद की पहल पर हाथी के हमले में मृतक परिवार को मिला चार लाख का मुआवज़ा

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के हरली में लगभग तीन माह पूर्व हाथी के हमले से सुरेश विश्वकर्मा की मौत हो गई थी। इस दु:खद घटना के बाद हज़ारीबाग के विधायक प्रदीप प्रसाद के पहल पर मृतक के परिजनों को वन विभाग की ओर से 3.5 लाख का चेक गुरुवार को सौंपा गया।उल्लेखनीय है कि घटना के दिन ही 50,000 रु की तात्कालिक सहायता राशि परिजनों को उपलब्ध कराई जा चुकी थी। इस प्रकार कुल मिलाकर परिवार को 4 लाख की आर्थिक मदद प्रदान की गई है।विधायक प्रदीप प्रसाद ने इस अवसर पर कहा कि यह घटना हमें यह स्मरण कराती है कि हाथियों और ग्रामीणों के बीच सुरक्षित दूरी बनाना अत्यंत आवश्यक है। मेरी गहरी संवेदनाएँ शोकाकुल परिवार के साथ हैं। ऐसे कठिन समय में परिवार को हर संभव सहायता पहुँचाना मेरी जिम्मेदारी और प्राथमिकता है।चेक सौंपने के दौरान वन विभाग के अधिकारी, मंडल अध्यक्ष अशोक कुशवाहा, पूर्व सांसद प्रतिनिधि सुरेश प्रसाद, पूर्व विधायक प्रतिनिधि बलदेव बाबू, रूपनारायण कुशवाहा, बबलू नारायण सहित विधायक टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

सांसद खेल महोत्सव-2025: 9 वें फुटबॉल टूर्नामेंट का दिग़वार फुटबॉल मैदान में हुआ फाइनल, सांडी की टीम बनी विजेता

हज़ारीबाग। सांसद खेल महोत्सव- 2025 के तहत नमो फुटबॉल टूर्नामेंट के 09 वें टूर्नामेंट का फ़ाइनल शुक्रवार को रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के दिग़वार फुटबॉल मैदान में हुआ। इस टूर्नामेंट में कुल 24 टीमों ने भाग लिया था। फाइनल मुकाबला सांडी बनाम सिरका टीम के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच बेहद संघर्षपूर्ण और रोमांचक मुकाबला हुआ और दर्शकों ने भारी बारिश के बीच इस मैच का जमकर मनोरंजन किया। पूरे मैच के खेल समय पर हार- जीत नहीं होने पर प्लेंटी शूटआउट में सांडी की टीम एक गोल से विजेता बनी। विजेता टीम को सांसद मनीष जायसवाल की ओर से 25 हज़ार नगद, आकर्षक नमो मेडल और ट्रॉफी एवं उपविजेता सिरका टीम को 15 हजार नगद, आकर्षक मेडल और ट्रॉफी भेंट किया गया।फाइनल मुकाबले में बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल शामिल हुए और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर, फुटबॉल में किक मारकर और मशाल के समक्ष उपस्थित लोगों को नशामुक्त जीवन जीने का संकल्प दिलाकर फाइनल मुकाबले का आगाज कराया। मौके पर संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से क्षेत्र में नया खेल क्रांति का आगाज हुआ है। आप सबों के सहयोग से नमो फुटबॉल टूर्नामेंट झारखंड प्रदेश का सबसे बड़ा फुटबॉल टूर्नामेंट बन गया है। इस टूर्नामेंट का मकसद युवाओं को मैदान से जोड़ना और ग्रामीण क्षेत्र के खेल प्रतिभा को निखारना है।

हज़ारीबाग में बढ़ते चोरी, लूट, छिनतई, ठगी जैसे अपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अपराध समीक्षा की हुई बैठक

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग एसपी अंजनी अंजन ने शुक्रवार को आवासीय कार्यालय सभागार में जिले में बढ़ते चोरी, लूट, छिनतई, ठगी जैसे अपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अपराध समीक्षा की बैठक किया। एसपी ने बढ़ते अपराध पर विराम लगाने का निर्देश सभी थानेदारों को दिया है। थाना में लंबित कांडो को शीघ्र ही निष्पादन करने के लिए थानेदारों को टास्क दिया है।एसपी ने गैर जमानती वारंट, इश्तेहार एवम कुर्की जल्दी की कार्रवाई विशेष अभियान चलाकर निष्पादित करने का निर्देश दिया है।महिला प्रताड़ना एवम हिंसा, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित मामले को 60 दिनों के अंदर निष्पादन करने का निर्देश दिया है। नशीले पदार्थो की खरीद बिक्री करनेवाले तस्करो को चिन्हित कर गिरफ्तारी और कार्रवाई करने का सख्त निर्देश दिया गया है। साइबर फ्रायड होने से लोगो को बचाने के लिए संबंधित थानेदार जागरूकता अभियान चलाने का भी निर्देश एसपी ने दिया है।क्षेत्र में नियमित गशती करें। अवैध कोयला, बालू एवम पत्थर उत्खनन पर रोक लगाने का निर्देश दिया गया है।शहर और आसपास के क्षेत्रों में संचालित होटलों पर स्थानीय पुलिस पैनी नजर रखे।इसके अतिरिक्त सभी लॉज, खाली फ्लैट के अपार्टमेंट, खाली पुराने भवनों पर पुलिस नजर रखे।बैठक में पिछले माह हुए अपराधिक कांडो का समीक्षा एसपी ने किया। बैठक में मुख्य रूप से सभी एसडीपीओ एवम डीएसपी, सभी इंस्पेक्टर, सभी थानेदार, मेजर, सार्जेंट ,ट्रैफिक प्रभारी समेत अन्य पुलिस अधिकारी शामिल थे।

बिजली चोरी रोक थाम को लेकर चलाया गया छापामारी अभियान

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र में बिजली चोरी रोक थाम को लेकर छापामारी अभियान चलाया गया।इस अभियान में 17 लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है।बरकट्ठा विद्युत कनीय अभियंता अभिषेक आनंद के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। जिसमें प्रखंड क्षेत्र के ग्राम चेचकप्पी निवासी प्रकाश साव पिता जीबलाल साव, समशुद्दीन अंसारी पिता शहादत अंसारी, ग्राम खैरियो निवासी डूमरचंद सिंह पिता रामधन सिंह, वकील सिंह पिता भेखलाल सिंह, ग्राम सोढ़ा खाप निवासी काली सिंह पिता धुजा सिंह, ग्राम कोनहराखुर्द निवासी शायरा बानो पति फारूक अंसारी, ग्राम शिलाडीह निवासी किशुन पंडित पिता स्व डमर कुम्हार, नारायण ठाकुर पिता स्व तुलसी ठाकुर, दशरथ ठाकुर पिता रामेश्वर ठाकुर, गयासुद्दीन अंसारी पिता रफीक अंसारी, मुंशी भुइयां पिता स्व बारी भुइयां, गोविंद भुइयां गणेश भुइयां, संतोष भुइयां पिता महेंद्र भुइयां, पप्पू पांडेय पिता सुरेंद्र पांडेय, टेकलाल भुइयां पिता इतवारी भुइयां, सलमा खातून पति शेखावत अंसारी, सकुर मियां पिता लीलो मियां को बिजली चोरी करते पकड़ा है. इन सभी लोगों पर मीटर बाईपास, बिजली बकाया रहने के बाद विद्युत ऊर्जा की चोरी, कनेक्शन के बाद मीटर बाईपास, नव निर्मित भवन में बिना किसी वैध विद्युत के बाद विद्युत ऊर्जा की चोरी समेत अन्य आरोप लगाए गया है. इस बाबत कनीय अभियंता अभिषेक आनंद ने बरकट्ठा थाना और गोरहर थाना में आवेदन देकर दो अलग-अलग मामले दर्ज कराये गए हैं।

छड़वा डैम में क्षमता से भी अधिक हुआ पानी, डैम के टुटने की आशंका से खोला गया फाटक

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग जिले में इस बार हुई भारी बारिश से जनजीवन काफी प्रभावित हुई है। जून माह में सामान्य वर्षापात से 140 .7 मिली लीटर ज्यादा बारिश हुई है।जबकि जून माह में सामान्य वर्षापात 194 मिली लीटर होना है।लेकिन इस वर्ष जून माह में 334.7 मिली लीटर बारिश हुई है। वहीं जुलाई माह में सामान्य वर्षापात का रिकॉर्ड 132 मिली लीटर है जबकी जुलाई माह में 351.1 मिली लीटर बारिश हो चुकी है। वहीं अगस्त माह में भी 22 अगस्त 345 मिली लीटर पानी हो चुकी है। लगातार हो रहे बारिश से छड़वा डैम का जलस्तर काफी बढ़ गया है।डैम के बांध को बचाने के लिए डैम का फाटक खोल दिया गया है ताकि पानी ओवरफ्लो होकर नहीं बहे और बांध को किसी प्रकार का नुक्सान ना हो इसके लिए फाटक खोल दिया गया है।लोगो का कहना है कि डैम के पुल के पास पानी नापने वाला मीटर से भी ज्यादा पानी जमा हो गया है।31 मीटर डैम का अंतिम नापी है लेकिन पानी उससे भी ज्यादा हो गया है।पुल के पास पानी सड़क के नजदीक पहुंच चुका है।छड़वा डैम से हजारीबाग शहर वासियों के साथ साथ गदोखर और कंचनपुर पंचायत वासियों को भी पानी की आपूर्ति की जा रही है। गर्मी के समय छड़वा डैम में पानी 15 से 16 फ़ीट तक चला गया था।इसके कारण पानी की राशनिंग कर दी गई थी।शहर के लोगों को एक वक्त पानी दिया जा रहा था।वहीं कंचनपुर और गदोखर पंचायत में पानी के अभाव में कई दिनों तक पानी आपूर्ति बाधित रहा।लेकिन फिलहाल छड़वा डैम में 30 फीट पानी है लबालब भर गया है। जबकि डैम में जल संग्रहण की क्षमता 31 फीट है ।

हज़ारीबाग जिले में ई-लॉटरी प्रणाली से 62 खुदरा उत्पाद दुकानों की हुई बंदोबस्ती

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में हजारीबाग जिले के खुदरा उत्पाद दुकानों की बंदोबस्ती ई-लॉटरी प्रणाली के माध्यम से संपन्न कराई।सहायक आयुक्त उत्पाद, हजारीबाग ने जानकारी दी कि हजारीबाग जिले में ऑनलाइन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से कुल 59 कम्पोजिट शराब दुकानों एवं 03 देशी शराब दुकानों की बंदोबस्ती की गई। इन सभी 62 दुकानों को 28 समूहों में विभाजित किया गया है। इनमें से 06 समूहों में तीन-तीन तथा 22 समूहों में दो-दो खुदरा उत्पाद दुकानें शामिल की गई हैं।वित्तीय वर्ष 2025-26 की शेष अवधि के लिए जिले का कुल राजस्व लक्ष्य 139 करोड़ निर्धारित किया गया है। खुदरा उत्पाद दुकानों की अनुज्ञप्तियाँ संचालन प्रारंभ होने की तिथि से लेकर सामान्यतः 31 मार्च 2030 तक की अवधि के लिए दी जाएंगी। हालांकि, अनुज्ञप्तियाँ प्रत्येक उत्पाद वर्ष अथवा उसके भाग के लिए ही प्रभावी होंगी तथा उनका नवीकरण विभाग द्वारा निर्धारित शर्तों की पूर्ति, संतोषजनक संचालन एवं पूर्ववर्ती वर्षों में निर्धारित राजस्व प्राप्ति की पुष्टि के उपरांत ही किया जाएगा। ई-लॉटरी प्रक्रिया में चयनित कुल 28 सफल आवेदकों द्वारा सभी आवश्यक औपचारिकताओं के पूर्ण होने के उपरांत 01 सितम्बर 2025 से जिले के विभिन्न प्रखंडों में खुदरा उत्पाद दुकानों का संचालन प्रारंभ कर दिया जाएगा।इस पूरी प्रक्रिया के दौरान निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं नियमों के अनुपालन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई, जिससे जिले में खुदरा उत्पाद दुकानों के संचालन की प्रक्रिया जनहित में सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

दिव्यांग बच्चों के लिए यंत्र वितरण सह जांच शिविर का आयोजन

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। दिव्यांग बच्चों के लिए प्रखंड संसाधन केंद्र बरकट्ठा में यंत्र वितरण सह जांच शिविर का आयोजन किया गया।झारखंड शिक्षा परियोजना समावेशी शिक्षा अन्तर्गत दिव्यांगता जांच शिविर आयोजित हुआ। मौके पर जिला प्रभारी लालीमा लकड़ा, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी प्रभाकर कुमार एवं बीपीएम धीरज शर्मा मौजूद थे जिनकी देख रेख में शिविर लगाया गया। कार्यक्रम में 35 दिव्यांग बच्चों का जांच किया गया। जिसके पश्चात 20 बच्चों को सहायक सामग्री का वितरण किया गया।।सफल बनाने में बीआरसी कर्मी सदन साव, रिसोर्स शिक्षक मुकेश कुमार फिजियोथेरेपिस्ट विनय कुमार, आसीफ अली, शिक्षक यमुना साव, रुपलाल रविदास, संजय कुमार का सहयोग रहा।

रिम्स-2 के निर्माण को नेमरा की भूमि पर करने के लिए मुख्यमंत्री को विजय शंकर नायक ने लिखा पत्र

रांचीः उपरोक्त जानकारी देते हुए आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने कहा कि नगड़ी के आदिवासी मूलवासी रैयत और झारखंडी समाज रिम्स-2 (रांची इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज-2) के निर्माण के संबंध में एक महत्वपूर्ण और रचनात्मक प्रस्ताव आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं। नगड़ी में प्रस्तावित रिम्स-2 के लिए 110 एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि के अधिग्रहण के खिलाफ स्थानीय रैयतों का आंदोलन चल रहा है। यह भूमि 250 से अधिक आदिवासी परिवारों की आजीविका का आधार है, और इसके अधिग्रहण से उनकी खेती और जीवन पर गंभीर संकट उत्पन्न होगा। शंकर नायक ने आगे कहा कि मेरा मानना है कि रिम्स-2 जैसी महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण होना चाहिए, क्योंकि यह झारखंड के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। लेकिन, यह कार्य आदिवासियों और मूलवासियों की आजीविका की कीमत पर नहीं होना चाहिए।

उपायुक्त ने आपूर्ति विभाग के जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता- सहबाज़ खान

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने शुक्रवार को समाहरणालय परिसर से आपूर्ति विभाग के योजनाओं के जागरूकता हेतु प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं गांवों में भ्रमण कर आमजन को खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखंड सरकार की योजनाओं की जानकारी देगा।

मौके पर उपायुक्त ने कहा कि यह रथ लाभुकों को विभागीय योजनाओं के साथ-साथ अयोग्य लाभार्थियों द्वारा धोखाधड़ी किए जाने की स्थिति में दंडात्मक प्रावधान, वन नेशन-वन राशन कार्ड के तहत सुविधा, ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया, तथा पीजीएमएस पोर्टल के बारे में भी जागरूक करेगा।उन्होंने बताया कि रथ के माध्यम से लोगों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे – झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री नमक वितरण योजना, मुख्यमंत्री दाल वितरण योजना, सोना-सोबरन धोती-साड़ी वितरण योजना, चीनी वितरण योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम की जानकारी दी जाएगी।जिले के विभिन्न प्रखंडों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के योजनाओं का प्रचार किया जा रहा है। प्रचार रथ एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लक्षित यथा पीवीटीजी, आपूर्ति श्रृंखला, दुर्गम एवं पहाड़ी , हाट बाजार, चौक चौराहों एवं चिन्हित स्थलों पर आम जनो को जागरूक किया जा रहा है।

एक बरसात भी नहीं झेल पाया उरेज से तलसवार तक बना सड़क, कई जगहों पर पिच उखड़ा

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।उरेज से तलसवार सोमवार बाजार तक बने सड़क में भारी अनियमितता उजागर हो रही है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्रामीण कार्य विकास कार्य प्रमंडल विभाग हजारीबाग के द्वारा संवेदक पूजा इन्टरप्राइजेज सिमरिया चतरा के द्वारा लगभग 11 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया गया है ।जिसमें कई जगहों पर पीसीसी एवं पिचिंग किया गया है। पीसीसी में कई जगह पर जल जमाव हो रहा है ।वहीं पिच की क्वालिटी एकदम खराब होने की वजह से कई जगहों पर उखाड़ना शुरू हो गया है । वहीं कई जगहों पर सड़क के दोनों ओर फलेंच का मिटटी भी इस बरसात में बह गया है। जानकारी के अनुसार पिचिंग नवंबर दिसंबर के आसपास की गई है। स्थानीय ग्रामीण बताते हैं कि संवेदक मनमानी तरीके से सड़क का निर्माण कर रहा था, संवेदक ना हीं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को तवज्जो देता था और ना ही ग्रामीणों को। उक्त सड़क से प्रत्येक दिन सैकड़ो भारी वाहनों का आवागमन होते रहता है ।जिसमें ओएनजीसी का गैस वाली गाड़ी एवं बालू लदे हाईवा शामिल है। ग्रामीणों ने उक्त सड़क की गुणवत्ता के आधार पर कार्य हुआ है या नहीं इसकी जांच जांच के साथ टूटे हुए सड़क की मरम्मत करने मांग की है।

बड़कागांव मुखिया संघ ने थाना प्रभारी से मुलाकात कर मोहन महतो हत्याकांड मामले में किया गिरफ्तारी की मांग

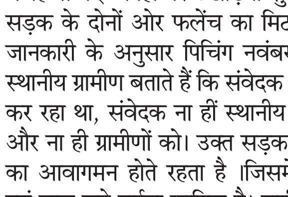

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव मुखिया संघ ने शुक्रवार को बड़कागांव के विभिन्न समस्याओं एवं शांति व्यवस्था दुरुस्त करने को लेकर बड़कागांव थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता से औपचारिक मुलाकात किए। इस दौरान बड़कागांव मुखिया संघ के अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार ने विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते हुए गोंडलपुरा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य मोहन महतो हत्याकांड मामले में अभी तक किसी की कोई गिरफ्तारी न होने मामले से अवगत कराते हुए जल्द से जल्द दोषियों को पड़कर जेल भेजने की मांग की है। थाना प्रभारी ने जनप्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए मामले की जांच कर आगे कार्रवाई करने की बात कही। मौके पर मुख्य रूप से मुखिया संघ के अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, मुखिया अनिकेत नायक, गीता देवी, कविता देवी, बेबी देवी, नीलम मिंज, राजदेव महतो, भाग्यवंती देवी, मुखिया प्रतिनिधि बीगल चौधरी, सनित महतो, राजकुमार साव इत्यादि उपस्थित थें।

उपायुक्त के जनता दरबार में सुनी गईं आमजनों की समस्याएं, दिए गए त्वरित समाधान के निर्देश

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने जनता दरबार का आयोजन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के साथ उपस्थित हुए। उपायुक्त ने प्रत्येक फरियादी की बातों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई हेतु तत्काल निर्देश दिए।

जनता दरबार में मुख्य रूप से पेंशन स्वीकृति, राशन कार्ड त्रुटि सुधार, आवास, पंजी–2 में हेरफेर, आपूर्ति, भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, रोजगार सहित कई अन्य मामले सामने आए। उपायुक्त ने अधिकारियों को आवेदन अग्रसारित करते हुए निर्देशित किया कि सभी मामलों का समाधान संवेदनशीलता के साथ निर्धारित समयसीमा में सुनिश्चित किया जाए। प्रमुख मामले में इचाक के अभिषेक कुमार द्वारा पंजी–2 में हेरफेर कर एलपीसी निर्गत करने की शिकायत पर उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी को जांच कर प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया।इचाक के झनवा तुरी द्वारा भूमिदान जमीन पर अवैध विद्यालय निर्माण की शिकायत पर उपायुक्त ने डीएससी एवं संबंधित सीओ को संयुक्त जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया।दारू प्रखंड के ग्राम लरतांगों के ग्रामीणों द्वारा गैरमजरूआ जमीन हड़पने की शिकायत पर उपायुक्त ने सीओ को जांच करने तथा अनुमंडल पदाधिकारी को जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।विष्णुगढ़ निवासी रामबिलास साव के भूमि नापी एवं दखल कराने संबंधी आवेदन पर उपायुक्त ने विष्णुगढ़ सीओ से दूरभाष पर वार्ता कर त्वरित संज्ञान लेने का निर्देश दिया।दारू की रूबी कुमारी ने मईया सम्मान योजना का लाभ दिलाने हेतु निवेदन की, जिस पर उपायुक्त ने एडीएसएस को लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।अनिल कुमार खंडेलवाल की खाशमहल भूमि के लीज नवीकरण नही करने संबंधी शिकायत पर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को विधि सम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

राणी सती मंदिर में भादी अमावस्या महोत्सव का शुभारंभ, प्रथम दिन हुआ भव्य मंगल पाठ

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग शहर के मालवीय मार्ग स्थित राणी सती मंदिर परिसर में दो दिवसीय भादी अमावस्या महोत्सव के प्रथम दिन शुक्रवार को मंदिर परिसर मे भव्य मंगल पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें कई महिलाओं ने दादी जी का मंगल पाठ किया। मंदिर के प्रधान पुजारी शशीकांत मिश्रा ने राणी सती दादी की पूजा अर्चना करवा कर मंगल पाठ विधिवत रूप से प्रारंभ करवाया। रानीगंज से पधारीं जूली खण्डेलवाल एवं उनकी सहयोगी मीनू दुबे के द्वारा राणी सती दादी की जन्म से लेकर विदाई तक की भजन को प्रस्तुत किया गया। महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर को आकर्षक एवं अद्भुत रूप से सजाया गया है। सुप्रसिद्ध भजन गायिका जूली खण्डेलवाल एवं मीनू दुबे को श्री रानी सती मंदिर कमेटी के द्वारा चुनरी भेंट कर सम्मानित किया गया। पाठ के दौरान जन्मोत्सव, बधाई, चुड़ी उत्सव, हल्दी उत्सव ,सिंदूर उत्सव,मेहंदी उत्सव,चुनरी उत्सव जैसे कई उत्सव महिलाओं ने दादी की जन्म से लेकर विदाई तक में आयोजित की। सभी महिलाएं राजस्थानी परिधान में पाठ में सम्मिलित हुईं। पाठ के दौरान जय दादी की जय कारों की गूंज गूंजती रही, दादी की जन्म के वक्त तमाम महिलाओं के बीच टॉफी का वितरण किया गया। तो वही दादी की विदाई के वक्त महंदी सहित अन्य सामग्री का वितरण किया गया।म्हारो कुन राखेगो..... ध्यान दादी से बढ़कर..... जैसे अनेकों भजन पर दादी भक्तों ने जमकर झूमा। अंत में दादी का भव्य आरती के साथ पाठ समापन हुआ।

सड़क पार कर रहे वृद्ध की दुर्घटना में हुई मौत, आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के ग्राम घंघरी में जीटी रोड पर हुई सड़क दुर्घटना में वृद्ध की मौत हो गई। सड़क हादसे की घटना शुक्रवार को हुई जिसमे सड़क पार कर रहे ग्राम डुमरियाटांड निवासी चुन्नूलाल मांझी 67 वर्ष पिता बिष्णु मांझी को पिकअप गाड़ी नंबर जेएच 10 सीडब्ल्यू 0947 ने चपेट में ले लिया। हादसे में उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मृतक चुन्नूलाल मांझी दवा लेने घंघरी आया था।इस दरम्यान सड़क पार करने के दौरान यह हादसा हुआ।दुर्घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क को जाम कर दिया था जिसे पुलिस ने समझा बुझाकर समाप्त कराया। घटना के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। मामले की सूचना मिलने पर बरकट्ठा थाना प्रभारी पंकज सिन्दुरिया घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मिलाद-उन-नबी धूमधाम से मनाया जाएगा: कमरुल हक रिज़वी

रातू(मोहसिन):मिलाद उन-नबी जिसे ईद-ए-मिलाद-उन-नबी भी कहा जाता है,इस्लाम में एक महत्वपूर्ण दिन है जो पैगंबर हजरत मुहम्मद स.के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है.यह दिन इस्लामिक कैलेंडर के तीसरे महीने रबी-अल-अव्वल की 12वीं तारीख को मनाया जाता है.इस दिन दुनिया भर के मुसलमान पैगंबर मुहम्मद के जीवन और शिक्षाओं का याद कर अपने अपने तरीको से खुशी मनाते हैं.इस साल 4 व 5 सितंबर को मिलादुन्नबी मनाया जायेगा।मालूम हो की मक्का शहर में 571 ईसवी को पैगम्बर हजरत मुहम्मद सल्ल.का जन्म हुआ था। इसी की याद में ईद मिलादुन्नबी का पर्व मनाया जाता है।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय चेचकप्पी में मुखिया रीता देवी ने किया छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय चेचकप्पी में अष्टम वर्ग के 43 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण किया गया। मुख्य अतिथि मुखिया रीता देवी, वार्ड सदस्य जासो देवी,प्रधानाध्यापक बाबूलाल यादव ने विद्यार्थियों के बीच साइकिल का वितरण किया. मुखिया ने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया।कहा कि झारखंड सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना का लाभ छात्र-छात्राओं के लिए साइकिल उपलब्ध कराई जाती है।बताया कि हमारे पंचायत का अधिकांश क्षेत्र पहाड़ी और सुदूरवर्ती इलाकों में है, जहाँ बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है. साइकिल मिलने से उन्हें उच्च विद्यालय आने जाने में काफी सुविधा होगी। इस अवसर पर सहायक शिक्षक रामचंद्र साव, प्रदीप मेहता, राजेंद्र गुप्ता, सुखदेव हांसदा, अध्यक्ष दशरथ सिंह, राजेश साव समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

उत्क्रमित उच्च विद्यालय कलहाबाद में विद्यार्थियों के बीच साइकिल वितरण

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय कलहाबाद में समारोह आयोजित कर विद्यार्थियों के बीच साइकिल बांटा गया। मुख्य अतिथि मुखिया कलावती देवी, पंसस प्रतिनिधि छोटेलाल प्रसाद मेहता, प्रधानाध्यापक शशिभूषण प्रसाद एवं प्रबंधन समिति अध्यक्ष किसुन राम ने वर्ग अष्टम के कुल 59 छात्र छात्राओं के बीच साइकिल वितरण किया।जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ी वर्ग एवं अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चे शामिल हैं. मुखिया कलावती देवी ने बच्चों को प्रतिदिन स्कूल आने और साइकिल की रखरखाव बेहतर ढंग से करने के लिए कहा। इस अवसर पर यशोदा देवी, रेखा देवी, महादेव रविदास, प्रसादी राणा, अजय कुमार, जमीला तबस्सुम, रामचन्द्र प्रसाद, शंकर प्रसाद, मनोज कुमार, प्रेम प्रकाश प्रजापति, सुभान अली, विनोद साव समेत अन्य कई लोग मौजूद रहें।

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION GUMLA

Very Short Notice Inviting E-Quotation (2nd Call)
Reference No.-04BCD/GUMLA/2025-26

क्र. सं.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Construction of Modular O.T. at Sadar Hospital Gumla in Gumla district.	74,28,800.00	3 माह
i	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	29.08.2025	
ii	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय	06.09.2025 को अपराह्न 3.00 बजे।	
iii	निविदा खोलने की तिथि/समय	08.09.2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे।	
iv	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	Office of the Executive Engineer, Building Construction Department Building Division, Gumla	
v	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	8709489994	
vi	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	9990708350	

- E-Quotations are invited from Manufacturers, Vendors, BCD Contractors etc. having similar nature of work experience for the item included in this quotation.
- इस निविदा/कोटेशन से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना/बदलाव/संशोधन का अवलोकन http://jharkhandtenders.gov.inपर किया जा सकता है।

Note : New Updated UCAN Registration is mandatory for all Bidders.

Nodal Officer,e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer,
Building Construction Department,Building Division, Gumla

PR 360188 (Building)25-26*D

पेज 1 का शेष

वर्ष 2019 अबतक रिहा किए गए 470 कैदियों को मिल रहा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ

बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों ने जानकारी दी कि राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक में सहमति के उपरांत वर्ष 2019 से अबतक राज्य के विभिन्न कारागारों से 619 कैदियों को रिहा किया जा चुका है, जिसमें 558 कैदियों का विभाग द्वारा भौतिक सत्यापन भी किया गया है। 61 बंदियों का भौतिक सत्यापन किया जाना बाकी है। यह भी बताया गया कि वर्ष 2019 से अबतक रिहा हुए 619 में से 470 कैदियों को सरकार द्वारा संचालित वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा ई-श्रम कार्ड इत्यादि योजनाओं के लाभ से जोड़ा गया है। रिहा हुए वैसे कैदी जिन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाया है, उन्हें संबंधित योजनाओं से जोड़ने का कार्य प्रक्रियाधीन है, जल्द ही सरकार द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से उन्हें आच्छादित किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

130वें संविधान संशोधन के खिलाफ रांची में झामुमो ने केंद्र सरकार का पुतला फूंका

रांचीः केंद्र सरकार द्वारा 130वें संशोधन के रूप में पीएम-सीएम और मंत्रियों को 30 दिन से अधिक समय न्यायिक हिरासत में रहने पर स्वतः पद विमुक्त हो जाने वाला बिल भले ही जेपीसी के पास चला गया है। लेकिन इस पर विपक्षी दलों का विरोध लगातार जारी है। रांची में इस बिल के खिलाफ सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और कार्यकर्ताओं ने राज्यव्यापी धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान झामुमो ने केंद्र सरकार का पुतला फूंका। राजधानी रांची में जिला झामुमो के कार्यकर्ताओं ने परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक पर प्रदर्शन किया एवं केंद्र सरकार को लोकतंत्र विरोधी बताया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पुतला फूंकने के बाद कहा कि वोट चोरी से बनी केंद्र की बीजेपी सरकार एक ऐसा कानून बनाना चाहती है, जिससे वह विपक्ष की आवाज को दबा सके।

यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत समीक्षा बैठक

संवाददाता रांचीः राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत समीक्षा बैठक का आयोजन अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड शशि प्रकाश झा, भा०प्र०से० के अध्यक्षता में आयोजित की गई। उन्होंने बैठक में सभी जिलों से आए हुए जिला यक्ष्मा पदाधिकारी को निर्देश दिया कि टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में सभी जिलों के मुखिया की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, क्योंकि टीबी मुक्त पंचायत में मुखियाओं की योगदान अहम है। निजी क्षेत्र में इलाज कराने वाले सभी टीबी मरीजों को भी सरकार द्वारा दिए जा रहे मुफ्त जांच, उपचार एवं निक्षय पोषण सहायता राशि की सुविधा उपलब्ध कराने को कहा गया। सभी जिलों में टीबी के प्रचार प्रसार एवं जोखिम वाले समूहों की पहचान कर कैम्प मोड में स्क्रीनिंग करने को कहा साथ ही जिलों को टीबी की जाच दर बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने इलाजरत टीबी मरीजों को निक्षय मित्र अभियान अन्तर्गत निक्षय मित्र बनकर आम जनों, कॉरपोरेट, संस्थानों एवं गैर सरकारी संस्थाओं आदि को आगे बढ़ कर टीबी के मरीजों को गोद लेकर फुड बास्केट उपलब्ध कराने का आग्रह किया, जिससे की टीबी के मरीज पोषण की समस्या से निजात पाते हुए जल्द स्वस्थ हो सके। इस बैठक में राज्य यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ० कमलेश कुमार ने सभी जिलों से योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने को कहा, जिससे की टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के लक्ष्य को ससमय प्राप्त किया जा सके। जिलों को टीबी से संबंधित डेटा का संधारण निक्षय पोर्टल पर ससमय करने का निर्देश दिया। इस बैठक में मुख्य रुप से WHO संगठन के डॉ० सतीश डॉ० निधि सुमित कुमार ए०पी०ओ० के साथ ही अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

पारस हॉस्पिटल में निःशुल्क हेल्थ कैंप 24 को

संवाददाता रांचीः पारस हॉस्पिटल एचईसी में 24 अगस्त रविवार को निःशुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक लगेगा। इस कैंप में सभी विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों को निःशुल्क ओपीडी परामर्श प्रदान किया जाएगा। निःशुल्क सेवाएं के तहत मरीजों को बीपी, आरबीएस, ईसीजी, बीएमडी, पीएफटी आदि की सुविधा प्रदान की जायेगी। इसके अलावा अन्य डायग्नोस्टिक एवं लैब टेस्ट पर 50 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। कैंप का लाभ उठाने के लिए 8080808069 पर पंजीकरण कराना होगा। यह जानकारी पारस हॉस्पिटल के फैसिलिटी निदेशक डॉ नीतेश कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि पारस हॉस्पिटल एचईसी में कटे होठ एवं कटे तालु का इलाज निःशुल्क किया जाता है। पारस हॉस्पिटल का उद्देश्य है कि आम जनता को समय-समय पर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाए और उन्हें प्राथमिक जांच की सुविधाएं दी जाएं, जिससे बीमारियों का समय रहते पता लगाया जा सके। पारस हॉस्पिटल एचईसी के मार्केटिंग हेड मानस लाभ ने बताया कि मरीजों के प्रति अपनी जिम्मेवारी को समझते हुए पारस हॉस्पिटल हमेशा निःशुल्क हेल्थ कैंप का आयोजन करती रहती है। इसी कड़ी में 24 अगस्त रविवार को निःशुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया जा रहा है। आम लोग इस हेल्थ कैंप का लाभ उठा सकते हैं।

झारखंड विस मॉनसून सत्र : स्पीकर ने कहा, दिशोम गुरु का जाना एक युग का अंत, विचार करेंगे मार्गदर्शन

झारखंडी अस्मिता व संस्कृति के प्रमुख ध्वजवाहक थे दिशोम गुरु शिबू सोरेन

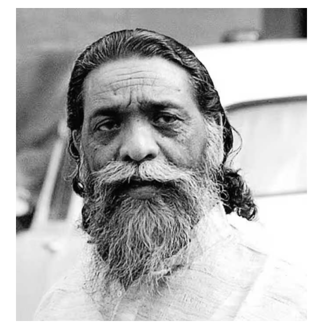

Ranchi : स्पीकर रबींद्र नाथ महतो ने सदन में कहा कि चलते मॉनसून सत्र के दौरान हमारे बीच से दिशोम गुरु शिबू सोरेन, स्कूली शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक सहित कई जाने-माने लोग गुजर गए. दिशोम गुरु का जाना एक युग का अंत है. लेकिन जो राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना उन्होंने झारखंड को प्रदान की है, वह झारखंड के समतामूलक नवनिर्माण को सदा दिशा देता रहेगा.उनकी अनुपस्थिति में उनके विचार हमारा मार्गदर्शन करेंगे.

छह बार दुमका से लोकसभा सदस्य रहे गुरु जीः स्वर्गीय गुरु जी वर्ष 1989, 1991, 1996, 2004, 2009 और 2014 में दुमका से लोकसभा सदस्य रहे. वे वर्ष 1998, 2002 और 2020 में राज्य सभा के सदस्य थे. वर्ष 2005, 2008 और 2009 में दिशोम गुरु ने झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश की सत्ता की बागडोर संभाली.

वर्ष 2004, 2005 और 2006 में केंद्रीय मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री के कार्यभार को संभाला. गुरु जी झारखंड राज्य आंदोलन के दौरान झारखंड स्वायत शासी परिषद के अध्यक्ष रहे. पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन का निधन एक युग का अंत है. लेकिन उनके साथ खड़ा हुआ महान जन आंदोलन उस जन आंदोलन के विचार और उस जनआंदोलन से उपजे झारखंड बाबा के अमर होने का प्रमाण दे रहा है.

झारखंडी अस्मिता व संस्कृति के प्रमुख ध्वजवाहक : दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड व देश के एक बड़े राजनेता ही नहीं बल्कि झारखंडी अस्मिता और संस्कृति के सबसे प्रमुख ध्वजवाहक थे. 1972 में झारखंड मुक्ति मोर्चा के रूप में जिस राजनैतिक संगठन को उन्होंने जन्म दिया और जिस राजनैतिक संगठन ने कालांतर में राज्य सत्ता के माध्यम से झारखंड के निर्माण व विकास का बीड़ा अपने कंधों पर उठाया है, उसकी शुरूआत बहुत पहले एक सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक आंदोलन के रूप में हो चुकी थी. मैं समझता हूं कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन को केवल एक राजनेता मान लेना, उचित नहीं होगा और इसकी व्यापकता को समझे बिना झारखंड राज्य निर्माण आंदोलन के व्यापक परिपेक्ष्य को समझना असंभव है.

टुंडी आश्रम की स्थापना कीः गुरुजी ने कोयलानगरी धनबाद में 'टुंडी आश्रम' की स्थापना कर झारखंडी अस्मिता, समाज सुधार, महिला सशक्तिकरण, शराब-निषेध और आर्थिक स्वायतता की आधारशिला पर सोनोत संथाल समाज की स्थापना की. टुंडी आश्रम में उन्होंने 19 सूत्री कार्यक्रम की घोषणा की, जिसमें स्वरोजगार, आर्थिक स्वतंत्रता सहित आदिवासियों और गैर-आदिवासियों के बीच किसी भी प्रकार के विवाद के निबटारे के लिए 'चेताबबैसी' का निर्माण और जगह-जगह पर विचारबैसी का गठन शामिल था.

उनका साहचर्य जो मुझे प्राप्त हुआ है, उसमें मैंने यही पाया है कि दिशोमगुरु एकसमग्र, स्वायत, विकासोन्मुखी झारखंड की बात करते हैं, जिसकी आधारशिला मूल झारखंडी संस्कृति की बनी है. गुरूजी समावेशी विकास, सह-अस्तित्व और प्रकृति के बहुत बड़े पक्षधर थे.

झारखंड आंदोलन के सच्चे योद्धा थे रामदास सोरेनः कोल्हान क्षेत्र की राजनीति में विशिष्ट पहचान रखने वाले स्कूली शिक्षा एवं निबंधन मंत्री रामदास सोरेन सहज, सरल, सौम्य और सामाजिक व्यक्तित्व के धनी थे. स्वर्गीय रामदास सोरेन ने वर्ष 2009, 2019 और 2024 में घाटशिला विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था.

झारखंड आंदोलन के एक सच्चे योद्धा के रूप में वे मजदूर और विस्थापितों की आवाज बनकर सदैव अग्रिम पंक्ति में संघर्षरत रहे. इनके असामयिक निधन से झारखंड की राजनीति में एक बड़ी शून्यता आई है, जिसकी भरपाई होनी असंभव है.

इन दिवंगत हस्तियों को भी दी गई श्रद्धांजलिः सदन में भारतीय वायुसेना के वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध के नायक ग्रुप कैप्टेन डीके पारूलकर, प्रसिद्ध नाटककार, कवि व गीतकार पद्मश्री विनोद कुमार पसायत, गोवा, बिहार, मेघालय व जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे और पूर्व राज्यसभा सांसद सत्यपाल मलिक और वरिष्ठ पत्रकार हरिनारायण सिंह को भी श्रद्धांजलि दी गई. जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बादल फटने से जान गंवाने वालों को भी सदन में श्रद्धांजलि दी गई.

आन्तः महाविद्यालय बिग ऑरेंज बास् बास्केटबॉल लीग

किट को हराकर श्री श्री विश्वविद्यालय चैंपियन

संवाददाता रांचीः ओड़िशा के कटक स्थित श्री श्री विश्वविद्यालय की पुरुष बास्केटबॉल टीम ने आन्तः महाविद्यालय बिग ऑरेंज बास् बास्केटबॉल लीग–2025 का फाइनल जीतकर चैंपियन का खिताब हासिल किया। यह चार दिवसीय टूर्नामेंट भुवनेश्वर स्थित मदर्स पब्लिक स्कूल के मैदान में 18 अगस्त से शुरू हुआ था। इसमें कुल आठ टीमों ने हिस्सा लिया था, जिन्हें दो ग्रुपों में बाँटा गया था। श्री श्री विश्वविद्यालय ग्रुप–ए में सेंचुरियन विश्वविद्यालय, आईआईटी–भुवनेश्वर और ओयूटीआर–भुवनेश्वर के साथ शामिल था। इसने अपने पहले मैच में सेंचुरियन विश्वविद्यालय को हराया, दूसरे मैच में आईआईटी–भुवनेश्वर को पराजित किया और तीसरे व ग्रुप के अंतिम मैच में ओयूटीआर–भुवनेश्वर को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में इसने प्रबल दावेदार किट विश्वविद्यालय को 60–57 अंकों से हराकर चैंपियनशिप अपने नाम की। विजेता टीम के अमृत गौरव राय को मैन ऑफ द फाइनल घोषित किया गया। इस सफलता पर श्री श्री विश्वविद्यालय की स्पोर्ट्स मैनेजमेंट कमेटी ने विजेता टीम को बधाई दी।

नैशनल जेसीआई स्कॉलरशिप व एप्टीट्यूड टेस्ट 2025 का आयोजन

संवाददाता रांचीः जेसीआई रांची ने 22 अगस्त को शारदा ग्लोबल स्कूल, बुकरू में नैशनल जेसीआई स्कॉलरशिप व एप्टीट्यूड टेस्ट 2025 का आयोजन किया। इस स्कॉलरशिप परीक्षा में कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के 100 से ज्यादा छात्रों ने हिस्सा लिया। इस परीक्षा में उत्तीर्ण अंकों को हासिल करने पर जेसीआई इंडिया की ओर से विजेता को 1 लाख व उपविजेता को 50 हजार की स्कॉलरशिप दी जाएगी। बच्चों ने इस परीक्षा में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

नई उत्पाद नियमावली के तहत रांची जिले में 150 खुदरा उत्पाद दुकानों की ई-लॉटरी के माध्यम से सफल बंदोबस्ती

सरकार को छह करोड़ अठारह लाख का राजस्व प्राप्त

संवाददाता राँचीः उपायुक्त सह बंदोबस्त पदाधिकारी राँची, मंजुनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में 22 अगस्त को समाहरणालय सभागार में नई उत्पाद नियमावली (2025) के अंतर्गत राँची जिले की 150 खुदरा उत्पाद दुकानों की बंदोबस्ती प्रक्रिया ई-लॉटरी के माध्यम से सफलतापूर्वक संपन्न की गई। इस दौरान अपर समाहर्ता, राँची, रामनारायण सिंह एवं सहायक उत्पाद आयुक्त, राँची, अरुण कुमार मिश्रा एवं सम्बंधित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे। इस प्रक्रिया में दुकानों को 87 ग्रुपों में विभक्त किया गया था।

बंदोबस्ती प्रक्रिया की शुरुआत जिले की उन तीन खुदरा उत्पाद दुकानों से की गई, जिनके लिए सर्वाधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। इन दुकानों की लॉटरी डेमो के माध्यम से की गई। इसके पश्चात सभी आवेदकों की उपस्थिति में शेष दुकानों की बंदोबस्ती ऑनलाइन ई-लॉटरी प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी ढंग से संपन्न की गई। प्रत्येक दुकान के लिए प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेता घोषित किए गए। यदि प्रथम विजेता निर्धारित राशि जमा करने में असफल रहता है, तो क्रमशः द्वितीय और तृतीय विजेता को अवसर प्रदान किया जाएगा।

इस लॉटरी प्रक्रिया में कुल 150 दुकानों के लिए 1752 आवेदकों ने भाग लिया। इस प्रक्रिया से सरकार को आवेदन शुल्क के रूप में 6,18,86,280 रुपये (छह करोड़ अठारह लाख छियासी हजार दो सौ अस्सी रुपये) का राजस्व प्राप्त हुआ। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राँची जिले में उत्पाद राजस्व के रूप में 736 करोड़ रुपये का लक्ष्य न्यूनतम गारंटी राजस्व (MGR) के रूप में निर्धारित किया गया है। 01 सितंबर 2025 से 31 मार्च 2026 तक की शेष अवधि में 449 करोड़ रुपये MGR के रूप में उत्पाद राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है।

यह प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी और निष्पक्ष रही, जिसमें ऑनलाइन ई-लॉटरी प्रणाली ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर संबंधित अधिकारियों और आवेदकों की उपस्थिति में बंदोबस्ती प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराया गया।

मूल्य संग्रह सर्वेक्षण हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया

भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (क्षेत्र संकाय प्रभाग) द्वारा आर्थिक सलाहकार का कार्यालय (OEA), DPIIT, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सौजन्य से आधार वर्ष 2022-23 के लिए WPI, PPI और IIP के मूल्य संग्रह सर्वेक्षण हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम थोक मूल्य सूचकांक दिनांक 10-01-1942 (आधार वर्ष 1939) को प्रकाशित हुआ था। थोक मूल्य सूचकांक को आधार वर्ष 1952-53, 1961-62, 1970-71, 1981-82, 1993-94, 2004-05 में संशोधित किया गया। थोक मूल्य सूचकांक की वर्तमान श्रृंखला (आधार वर्ष 2011-12) मई 2017 में शुरू की गई एवं हर महीने की 14 तारीख को अन्यथा छुट्टी होने पर अगले कार्य दिवस पर WPI का डाटा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय DPIIT द्वारा प्रकाशित किया जाता है। ये सूचकांक भारत की आर्थिक विकास नीति निर्धारण की आधारशिला बनाती हैं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सटीक और विश्वसनीय आँकड़ा संकलन द्वारा इन सूचकांकों की मजबूती और नीति-निर्माण में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा |

झारखंडी अस्मिता के शिल्पी पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा की जयंती पर भावपूर्ण नमनः अभिषेक शुक्ला

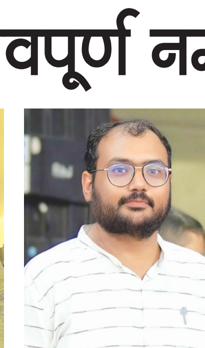

रांचीः रांची विश्वविद्यालय के संयोजक एवं अबुआ अधिकार मंच के सक्रिय कार्यकर्ता अभिषेक शुक्ला ने आज पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा की जयंती के अवसर पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डॉ. मुंडा न केवल एक महान शिक्षाविद्, साहित्यकार और समाज चिंतक थे, बल्कि झारखंडी अस्मिता, संस्कृति और पहचान के सशक्त शिल्पी एवं वाहक भी थे।

अभिषेक शुक्ला ने अपने वक्तव्य में कहा कि डॉ. रामदयाल मुंडा का जीवन एवं कार्य झारखंड की सांस्कृतिक चेतना, भाषाई गौरव और राजनीतिक जागरूकता के लिए मील का पत्थर है। उन्होंने आदिवासी भाषाओं, लोककला, लोकसंगीत और पारंपरिक ज्ञान को न केवल संरक्षित किया, बल्कि उन्हें वैश्विक मंच पर पहचान दिलाई। उनका योगदान यह साबित करता है कि स्थानीयता और वैश्विकता का अद्भुत संगम संभव है, बशर्ते हम अपनी जड़ों से जुड़े रहें।

उन्होंने आगे कहा कि रांची विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में डॉ. मुंडा ने शिक्षा को स्थानीय संस्कृति और लोकज्ञान से जोड़ने का ऐतिहासिक प्रयास किया। उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय सिर्फ एक शैक्षणिक संस्था नहीं रहा, बल्कि वह सांस्कृतिक पुनर्जागरण का केंद्र बन गया। उनके कार्यकाल में आदिवासी और झारखंडी संस्कृति को शैक्षणिक विमर्श में सम्मानजनक स्थान मिला।

अभिषेक शुक्ला ने कहा कि झारखंड आंदोलन के दौरान डॉ. मुंडा का योगदान राजनीतिक और सांस्कृतिक दोनों मोर्चों पर प्रेरणादायी रहा। उन्होंने आंदोलन को सांस्कृतिक दृष्टिकोण दिया, जिससे झारखंड केवल एक भूगोल नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक पहचान के रूप में स्थापित हुआ। उनकी सोच ने राज्य के राजनीतिक विमर्श को नई दिशा दी और आदिवासी समाज में आत्मविश्वास जगाया।

उन्होंने कहा, "डॉ. रामदयाल मुंडा का जीवन हमें यह संदेश देता है कि अपनी जड़ों से जुड़े रहकर भी हम विश्व पटल पर अपनी पहचान बना सकते हैं। उन्होंने दिखाया कि शिक्षा और संस्कृति, दोनों मिलकर समाज को सशक्त बना सकते हैं। उनकी शिक्षाएं और विचार आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं।"

कॉरपोरेट कंपनियां सरकार की योजनाओं पर सीएसआर फंड का करें इस्तेमाल : सुजीत कुमार

संवाददाता रांचीः उड़ीसा के राज्यसभा सांसद सुजीत कुमार ने कहा कि समाज के उत्थान में कॉरपोरेट वर्ल्ड का भी बड़ा योगदान है। कॉरपोरेट कंपनियां धन और रोजगार दोनों का निर्माण करती है। इन कंपनियों के सीएसआर फंड के इस्तेमाल से समाज में एक बड़ा बदलाव आ सकता है। कॉरपोरेट कंपनियां अगर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के साथ समवन्य बनाकर अपने सीएसआर फंड का सही इस्तेमाल करें, तो इसका लाभ अपेक्षित लोगों तक पहुंच सकता है। इससे संसाधनों का अधिकतम उपयोग होगा और ज़मीनी स्तर पर लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। श्री सुजीत कुमार शुक्रवार को स्थानीय होटल में आयोजित दो दिवसीय झारखंड सीएसआर कॉन्क्लेव में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इस कॉन्क्लेव का आयोजन मिशन ब्लू फाउंडेशन, आईडिएट इंस्पायर इग्नाइट (आई3) फाउंडेशन और पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। कॉन्क्लेव का थीम "सीएसआर फॉर सस्टेनेबल ग्रोथः ब्रिजिंग इंपैक्ट एंड इनोवेशन" है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि कॉरपोरेट कंपनियां लोकल प्रोडक्ट को भी प्रमोट करें। लोकल फॉर वोकल के तहत बने प्रोडक्ट को बढ़ावा मिलेगा, तो इसका फायदा स्थानीय लोगों को होगा।

विशिष्ट अतिथि रांची के विधायक सीपी सिंह ने कहा कि झारखंड में सीएसआर फंड का इस्तेमाल सही ढंग से नहीं हो पा रहा है। केंद्र सरकार के दबाव में कंपनियां सीएसआर फंड के तहत काम कर रही है, लेकिन यह प्रर्याप्त नहीं है। कंपनियों से आग्रह है कि नियम के तहत सीएसआर फंड का इस्तेमाल करें।

विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद समीर उरांव ने कहा कि सीएसआर फंड का इस्तेमाल योजना बना कर करेंगे, तो बेहतर होगा। साथ ही समाज के उत्थान और प्रगति में सीएसआर फंड सही कारगार साबित हो सकता है। पूर्व विधायक शिवशंकर उरांव ने सभी लोगों का स्वागत करते हुए कॉन्क्लेव के उद्देश्य की जानकारी देते हुए कहा कि इस दो दिवसीय कॉन्क्लेव का उद्देश्य सीएसआर को झारखंड के विकास प्राथमिकताओं से जोड़ना और समाज के सबसे निचले पायदान तक प्रभाव पहुंचना है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में योगदा सत्संग के स्वामी कृष्णा दास, सीएमपीडीआइ के सीएसआर हेड संदीप भगत, जेयूटी के वीसी डॉ डीके सिंह ने भी अपने विचार रखे। वहीं, कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने वाले एनजीओ को अ‍ॅवार्ड देकर सम्मानित किया गया। तकनीकी सत्र में जेएसपीएल के सीएसआर हेड प्रशांत होता, रिटायर्ड आइएस बी उरांव, ट्राइबल पॉलिसी मेकर अजमेरा बॉबी, रिटायर्ड आइपीएस राजकुमार लकड़ा, जैन धर्म गुरू देवेंद्र, एनटीपीसी के प्राजेक्ट डायरेक्टर रविंद्र कुमार समेत अन्य वक्ताओं ने अपने बातों को रखा। कार्यक्रम में कई एनजीओ और कॉरपोरेट कंपनियों ने पावर प्वांइट के माध्यम से अपने कार्यो के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा बी2बी के तहत कॉरपोरेट कंपनियों के प्रतिनिधियों एवं एनजीओ के प्रतिनिधियों ने एक दूसरे से मुलाकात कर अपने प्रस्ताव रखें।

डॉ पंकज सोनी ने कहा कि कॉनक्लेव के पांच मुख्य फोकस क्षेत्र रिसर्च और इन्क्यूबेशन, नवाचार और स्टार्टअप्स को सीएसआर से जोड़ना, आदिवासी सामुदायिक विकास, आदिवासी समाज की आजीविका और सशक्तिकरण, खेल एवं कला-संस्कृति, स्थानीय प्रतिभा और परंपरा को बढ़ावा, स्वास्थ्य और शिक्षा गुणवत्तापूर्ण जीवन और शिक्षा तक पहुंच तथा इंडस्ट्री, अकादमिक, गवर्नमेंट इंटरफेस, साझेदारी और नीति संवाद करना है।

इस अवसर पर पीएचडी चैंबर के वीसी एसपी अग्रवाल, पद्मश्री मधु मंसूरी, पद्मश्री चामी मुर्मू, पद्मश्री मुंकुद नायक, पद्मश्री जमुना टूडू, पंकज सोनी, राजीव कुमार गुप्ता, पूर्व विधायक गंगोत्री कुजुर, बीएसएनएल के जीएम उमेश प्रसाद साह समेत 500 से अधिक कॉर्पोरेट हाउस, एनजीओ, विश्विद्यालयों के प्रतिनिधिमंडल शामिल थे। शनिवार 23 अगस्त को कॉन्क्लेव का समापन होगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अन्नपुर्णा देवी मौजूद रहेंगी।

शराब घोटाला : कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया व IAS अमित प्रकाश को मिली बेल

रांचीः शराब घोटाला से जुड़े केस में झारखंड एसीबी द्वारा गिरफ्तार किए गए छत्तीसगढ़ के चर्चित कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया और झारखंड के आईएएस अधिकारी अमित प्रकाश की जमानत याचिका पर शुक्रवार को एसीबी की विशेष कोर्ट ने फैसला सुना दिया है. कोर्ट ने सिद्धार्थ सिंघानिया को जमानत की सुविधा देते हुए उनकी याचिका स्वीकार कर ली है. 21 अगस्त की सुनवाई के दौरान एसीबी और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. सिद्धार्थ को एसीबी की टीम ने छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार किया था. जिसके बाद से वह न्यायिक हिरासत में है. इस केस के कई अभियुक्तों को चार्जशीट दाखिल नहीं होने के कारण डिफॉल्ट बेल मिल चुकी है. सिद्धार्थ सिंघानिया की ओर से अधिवक्ता कुंदन कुमार वर्मा ने पक्ष रखा.

संक्षिप्त खबरें...

इरबा कोईलारी में बिजली पोल लगाने से बिजली विभाग के कर्मियों को ग्रामीणों ने रोका, बुलानी पड़ी पुलिस

ओरमांझी(मोहसिन): ओरमांझी प्रखंड क्षेत्र के चकला पंचायत इलाके में शुक्रवार को सुबह 10 बजे से लगभग रात 9 बजे तक बिजली गुल होने से दिन भर ग्रामीण काफ़ी परेशान रहे,इससे पेयजल आपूर्ति बाधित रही,बिजली नहीं रहने से घरों में पानी की काफ़ी किलत देखने को मिला,लोगों को हाथ से पानी भरना पड़ रहा था,बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई रुकी हुई थी.घरों में अंधेरा छा गया था.और मोबाइल चार्ज नहीं हो पा रही थी। बरसात के समय में बिजली नहीं रहने से सड़कों से गुजरना लोगों को काफी परेशानी हो रही थी,छोटी गाड़िया गड्ढों में ही फंस जा रही थी.इस संबंध में बिजली विभाग के एसडीओ सुनील कुमार से बात करने पर उन्होंने बताया कि इरबा कोईलारी में ग्रामीणों द्वारा बिजली खंभा नहीं लगाने दिया जा रहा है था जिसके कारण लंबे समय से बिजली काट दी गई. ग्रामीणों द्वारा बिजली विभाग के कर्मियों को परेशानी की जा रही थी जिससे देखते हुए पुलिस प्रशासन को बुलाई गई और ग्रामीणों से वार्ता करके बिजली पोल लगाया गया,और बिजली की समस्या दुरुस्त की गई,तब जाकर लोगों की बिजली की परेशानी दूर हुई.वहीं दूसरी और ग्रामीणों का कहना था कि बिजली बिल सरकार लेती है लेकिन काफी समय तक बिजली काट कर रखती है जिससे लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता हैं।

गिद्धौर के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में घुसा पानी उपायुक्त ने दौरा कर लिया स्थिति का जायजा

चतरा : जिले में दो दिनों से लगातार हो रही वर्षा से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है साथ ही जिले की सभी नदियां मूसलाधार बारिश के कारण उफान पर हैं। जिले के कई भागों से बाढ़ जैसे हालात की खबर है।

इटखोरी प्रखंड में बारिश ने मचाया कहर कई घर हुए जलमग्न नदियां उफान पर

इटखोरी (चतरा) प्रखंड में लगातार हो रही वर्षा से आमजन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। प्रखंड के कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। इटखोरी प्रखंड के नगवां पुल के समीप चेतो दांगी के व अशोक पासवान के घर में पूरी तरह से पानी भर गया, पानी इतना भयावह था कि अशोक पासवान घर से किसी तरह परिजनों के साथ अपनी जान बचाकर निकले जहां पानी में डूबने लगे, जिसे देख कर एक युवक उन्हें बचाने के लिए कूद पड़ा लेकिन वो भी पानी में डूबने लगा वहां मौजूद लोगों ने बड़े हीं मस्सकत के बाद बांस के सहारे से सुरक्षित निकाल लिया गया।

सिमरिया पुलिस की नशे के सौदागरों के विरुद्ध बड़ी करवाई

पिकअप बोलेरो से 42 बोरा अफीम डोडा बरामद, कई वाहन जब्त

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा : जिला पुलिस अधीक्षक सुमीत अग्रवाल को मिली गुप्त सूचना के आधार सिमरिया पुलिस के द्वारा चलाए गए अभियान में अफीम तस्करी का बड़ा भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान ग्राम गागंपुर से एक बोलेरो पिकअप वाहन को रोका गया, जिसमें 42 बोरा अवैध अफीम डोडा (कुल वजन लगभग 1081.5 किग्रा) पुलिस द्वारा बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार किया।
गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान जुबेश गंझू (20 वर्ष), ग्राम– चोर बोरा लालदेव गंझू, थाना–सिमरिया जिला–चतरा के रूप में हुई है। गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर मुख्य सरगना तक पहुंचने की पुलिस कर रही है प्रयास जल्द ही बड़े तस्कर पुलिस के गिरफ्त में होंगे।

जब्त वाहन और सामान

बोलेरो पिकअप (बीआर-26जीए 6828) – जिसमें 42 बोरा अफीम डोडा लदा हुआ था।
पल्सर मोटरसाइकिल (जे एच01एफ एम 4600) – ब्लू रंग की ।
अपाचे मोटरसाइकिल – लाल रंग की चेसिस नंबर एमडी 634 एई 83 एम 2 ए149385।
होंडा सी डी डीलक्स जेएच 02बीएन 2634।
विलो कंपनी का मोबाइल फोन – सिम नं. 9942008075 इस अभियान में पुलिस टीम की सक्रिय भूमिका निभाने वाले में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शुभम कुमार खंडेलवाल के नेतृत्व में थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह, एसआई सतीश कुमार सोनी, एसआई रामकुमार टुड्डू, एसआई अजित कुमार, एएसआई अजय कुमार, एएसआई अखिलेश कुमार, सशस्त्र बल प्रभारी राजीव
रंजन, सशस्त्र बल प्रभारी विनोद कुमार तथा अन्य पुलिस बल की अहम भूमिका रही। पुलिस कप्तान सुमित कुमार अग्रवाल ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और तस्करों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

चतरा जिले में मूसलाधार बारिश से जनजीवन हुआ अस्त व्यस्त नदियों का बढा जलस्तर

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा : जिले में दो दिनों से लगातार हो रही वर्षा से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। लगातार हो रही बारिश के कारण जिले के विभिन्न प्रखंडों में बहने वाली नदियां अपने पूरे उफान पर हैं। जिले के टंडवा, सिमरिया, पत्थलगड़ा गिद्धौर, लावालौंग, हंटरगंज, इटखोरी, कान्हाचट्टी मयूरहंड समेत चतरा जिला के कई क्षेत्र हुए जलमग्न। जिले की लगभग सभी नदियां उफान पर हैं। दर्जनों गांवों का प्रखंड मुख्यालय और थाना से संपर्क कटा हुआ है ।
*कान्हाचट्टी प्रखंड के दो प्रमुख गहरी नदी के पुल से ऊपर पहुंचा बाढ़ का पानी कई पशुओं के भी बहने की खबर है इटखोरी प्रखंड के पितिज गांव में बाढ़ का पानी कई घरों में घुस गया लोग सुरक्षित स्थानों की ओर शरण लेने के लिए घरों से निकलकर भागने लगे। इटखोरी प्रखंड मुख्यालय में नगवा पुल का पानी आसपास के घरों में घुस गया। यहां एक घर के ध्वस्त होने की भी खबर है। पत्थलगड़ा प्रखंड में भी एक प्रसिद्ध मंदिर के जलमग्न होने की खबर है। जिले में प्रवाहित होने वाली लगभग सभी नदियां उफान पर हैं। नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नदी के किनारो से सटे घरों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील लगातार की जा रही है। लगातार मूसलाधार बारिश से बढ़ रहे जलस्तर को ध्यान में रखते हुए प्रशासन के द्वारा लोगों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है साथ ही प्रशासन द्वारा अपील की गई है की लोग नदियों और अन्य जल स्रोतों के आसपास ना जाएं।

जुगसलाई राणी सती दादी मंदिर में भादी मावस उत्सव 23 अगस्त को

जमशेदपुर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जुगसलाई गर्ल्स स्कूल रोड स्थित श्री राणी सती दादी मंदिर में भादी मावस उत्सव धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन शनिवार, 23 अगस्त को होगा। सुबह 6.30 बजे आरती से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। रात 11 बजे तक पूजा एवं जात का आयोजन चलता रहेगा। सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ेगी जो देर रात तक बनी रहेगी।

चतरा सांसद ने लोकसभा क्षेत्र के विकास के संबंध में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को सौंपा प्रस्ताव पत्र

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा : चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर चतरा लोकसभा क्षेत्र को झारखंड, बिहार और बंगाल की मुख्य सड़कों से जोड़ने का प्रस्ताव पत्र सौंपा। उन्होंने चतरा लोकसभा क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्गों और नई सड़क परियोजनाओं के त्वरित विकास हेतु स्वीकृति का अनुरोध किया।
सांसद कालीचरण सिंह ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात करते

हुए कहा कि आपके दूरदर्शी नेतृत्व में पूरे देश में सड़क अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए जो कार्य किया जा रहा है, वह अत्यंत सराहनीय है। विशेषकर झारखंड के पलामू, लातेहार और चतरा जिलों में एनएच द्वारा किए गए कार्यों से आम जनता को काफी लाभ हुआ है और क्षेत्र के विकास को एक नई दिशा मिली है।
उन्होंने कहा कि क्षेत्र की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए उन्होंने महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं की शीघ्र स्वीकृति का आग्रह किया है। जिसमें (1) चंदवा (एनएच-39) स्थित लुकिया मोड़ से प्रारंभ होकर चंदवा दक्षिणी बाईपास, बालूमाथ दक्षिणी बाईपास और हंटरगंज होते हुए डोभी (गया, बिहार) तक एनएच-22 और वाराणसी-रांची-कोलकाता एक्सप्रेसवे (एनएच-2) को जोड़ने वाले हाई स्पीड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर का निर्माण क्षेत्र को विकास की नई दिशा देगा। (2) रांची (रातू, काठीटांड़) से डोभी (बिहार) तक राष्ट्रीय राजमार्ग-39 को राष्ट्रीय राजमार्ग-19 से जोड़ने के लिए एलिवेटेड सड़क का निर्माण किया जाए। सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि प्रस्तावित मार्ग हमारे क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों जैसे नगर भगवती मंदिर (चंदवा), कौलेश्वरी मंदिर (चतरा) और भद्रकाली मंदिर (चतरा) के साथ-साथ एनटीपीसी पकरी बरवाडीह, हिंडाल्को, डीवीसी, टीवीएनएल और अन्य कोयला परियोजनाओं को जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि उक्त सड़क परियोजनाओं के निर्माण से चतरा लोकसभा क्षेत्र की सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों का समुचित विकास होगा।

वज्रपात से हुए तीन मासूम शवो को नम आँखों से अंतिम संस्कार किया गया

अंतिम संस्कार में पहुंचे भाजपा नेता सन्नी टोप्पो

चान्हो: चान्हो प्रखंड के होंदपिड़ी गांव में कल हुई एक दुखद घटना में आकाशीय बिजली गिरने से तीन नाबालिग बच्चियों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है। इन बच्चियों का आज नम आँखों से अंतिम संस्कार किया गया,अंतिम संस्कार में पहुंचे *भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने दी सांत्वना।
आज होंदपिड़ी गांव में बच्चियों का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान, गांव के सैकड़ों लोग और आसपास के क्षेत्रों से आए लोग मौजूद थे। इस दुख की घड़ी में, भाजपा नेता सन्नी टोप्पो भी पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और उन्हें ढांढस बंधाया।
टोप्पो ने कहा, "यह एक बहुत ही दुखद घटना है। मैं इस मुश्किल समय में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा हूँ। हर संभव मदद का आश्वासन देता हूँ।" उन्होंने पीड़ित परिवारों को भरोसा दिलाया कि वे इस कठिन समय में अकेले नहीं हैं और उन्हें हरसंभव सहायता दी जाएगी।साथ ही जिप सदस्य आशुतोष तिवारी भी शामिल होकर पीड़ित परिवार को ढांढस दिया।
पूरे गांव के लोगों ने नम आँखों से बच्चियों को अंतिम विदाई दी। इस घटना ने एक बार फिर प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के उपायों की जरूरत को सामने ला दिया है।
यह दुखद घटना गांव में शोक का कारण बन गई है। हर कोई इन मासूमों की अकाल मृत्यु से स्तब्ध है।

वज्रपात से गई इन मासूमों की जान

यह दर्दनाक हादसा कल हुआ, जिसमें वज्रपात की चपेट में आने से तीन बच्चियों की जान चली गई। मृतकों में: परी उरांव, 5 वर्ष, पिता सुखदेव उरांव, बसंपती उरांव, 11 वर्ष, पिता शिवनाथ भगत, अंजलिका उरांव, 10 वर्ष, पिता सतीश उरांव, इसी घटना में एक 3 वर्षीय बच्चा, अयांश उरांव (पिता प्रकाश भगत), घायल हो गया है, जिसका इलाज चल रहा है। सभी बच्चे हों गांव के रहने वाले है।

श्री राधे कृष्ण यूथ संगम गणेश पूजा समितिः असम से मंगाए गए बांस से हो रहा गणपति के पंडाल का निर्माण

रात्रि में पंडाल का कलर बदलता हुआ नजर आएगा श्रद्धालुओं को

बेडो : श्री राधे कृष्ण यूथ संगम गणेश पूजा समिति बेड़ो की ओर से इस वर्ष भव्य पूजा पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है ।पूरे पूजा पंडाल को टेराकोटा के घोड़ो जिसे बांकुड़ा घोड़ा भी कहते हैं जो अपनी लंबी गर्दन, सुंदर मुद्रा, और अनूठी अमूर्तता के लिए जाना जाता है का प्रारूप दिया जा रहा है। बप्पा का दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को पूरे पूजा पंडाल में पारंपरिक टेराकोटा हस्तशिल्प, लोक कला का अनूठा संगम देखने को मिलेगा पूजा पंडाल के निर्माण में विशेष रूप से असम से मगाये गए बांस जिसे फराठा बांस कहा जाता है उसे विभिन्न प्रकार के आकृति, डिजाइन, बनाया जा रहा है इसके साथ ही पंडाल के निर्माण में झोला, मिट्टी के बर्तन, कुल्हड़ का उपयोग भी किया जा रहा है , साथ ही पंडाल में विशेष प्रकार की लाइटिंग की जा रही है जिससे पंडाल का कलर रात्रि में श्रद्धालुओं को लगातार बदलता हुआ नजर आएगा जो श्रद्धालुओं को अपनी और आकर्षित

करेगा जिसकी भव्यता रात्रि में देखते ही बनेगी। पूजा पंडाल की लंबाई 90फीट व चौड़ाई 55 फीट होगी इसके निर्माण कार्य में बांकुड़ा के 45 कारीगर दिन-रात लगे हुए हैं। पंडाल के अंदर गणपति बप्पा का दर्शन करने के बाद, श्रद्धालु चलित मूर्ति का अवलोकन कर सकेंगे। समिति की ओर से इस वर्ष भव्य विद्युत सज्जा भी की जा रही है पूजा पंडाल आने वाले मार्गों पर कई तोरण द्वार जिसमें एफिल टावर, ड्रैगन, तितली द्वार, लोगों को अपनी और आकर्षित करेगाऔर साथ ही रंग बिरंगे लाइटों से विद्युत सज्जा भी की जा रही है। बप्पा की भव्य मूर्ति का निर्माण पंकज पाल और बिल्टन पाल कर रहे हैं, गणेश पूजा का प्रारंभ 27 अगस्त को कलश स्थापना के साथ,29अगस्त को 1001 माता बहनों के द्वारा महाआरती व भंडारा , 30 अगस्त को खिचड़ी भोग, 31अगस्त को 501 किलो दूध से बने खीर का महाभोग लगाया जाएगा और 1 सितंबर को हवन पूर्णाहुति के बाद संध्या मे गणपति की भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी पूजा के सफल आयोजन हेतु समिति के शिवेंद्र सौरभ, अंकित सोनी, अविनाश कश्यप, उत्तम कुमार,अमन गुप्ता ,अभिनव गुप्ता,उत्तम सोनी , विभाकर सिंह,राकेश साहू,आशीष महतो, प्रेम गुप्ता, अमित कुमार, (चीकू), अजय साहू,आशीष सोनी,शुभम गुप्ता, लव कुमार, विवेक कुमार,सौरभ खन्ना, अभिजीत राज, सुशांत राय, खदी उरांव, आदित्य गुप्ता संदीप कुमार,आकाश रक्षित,संकित मंगल, रविंद्र, विकास कुमार, प्रीतम महतो, प्रिंस पांडे, गौतम गोप, राज,ऋतिक, राजा, विकास रौनक, रोशन,सहित सभी सदस्य लगे हुए हैं.

टाटा स्टील के एलडी-टू में आयोजित रक्तदान महादान शिविर में 189 लोगों ने रक्त देकर निभाई सामाजिक जिम्मेदारी

जमशेदपुर । टाटा स्टील के एलडी-2 में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. यह आयोजन डिपार्टमेंट के कॉन्फ्रेंस हाल में हुआ. रक्तदान शिविर का उद्घाटन टीएमएच सर्जरी विभाग के हेड डाक्टर राहुल भारती, एल डी-2 के चीफ हितेश साह एवं जेडीसी चेयरमैन आरके झा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया. इस अवसर पर चीफ के द्वारा उपस्थित लोगों का स्वागत किया गया. डाक्टर राहुल भारती ने रक्तदान के महत्व एवं उसकी उपयोगिता पर विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने समस्त रक्त दाताओं को बधाई एवं शुभकामना दी. रक्तदान शिविर में कुल 189 लोगों ने सामाजिक कल्याण के लिए रक्तदान किया. कार्यक्रम का संचालन आर के झा एवं धन्यवाद ज्ञापन टाटा वर्कर्स यूनियन के कोषाध्यक्ष आमोद दुबे ने किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में कमेटी मेम्बर गुरशरण, रफीक, अनिल झा, राहुल, गुंजन, सुभाष, एस के पाण्डे, मंगल महतो, धर्मेन्द्र उपाध्याय के संग बृजेश, पी पी त्रिवेदी, विजय तिवारी एवं मयुरी का योगदान रहा. वहीं एच आर मैनेजर आकांश्रा प्रिया ने धन्यवाद ज्ञापन की और सभी के प्रति आभार जताया.

झारखंड प्रांत अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष बनने पर उमेश शाह का भव्य सम्मान समारोह आयोजित

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन (अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की सक्रिय इकाई) के तत्वावधान में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ समाजसेवी उमेश शाह को झारखंड प्रांत अग्रवाल सम्मेलन का प्रांत अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुशील अग्रवाल ने की। समारोह में श्री शाह का स्वागत फूलों की माला, गुलदस्ते और शॉल भेंट कर किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अग्रवाल समाज के गणमान्य और सक्रिय सदस्य उपस्थित थे। सभी ने गर्व व्यक्त किया कि झारखंड प्रांत का नेतृत्व अब पूर्वी सिंहभूम से हुआ है और वह भी एक ऐसे प्रतिष्ठित समाजसेवी के हाथों में, जिन्होंने अपना जीवन समाज सेवा के लिए समर्पित किया है। समारोह में प्रमुख रूप से बजरंग लाल अग्रवाल, शंभू खन्ना, भोलानाथ चौधरी, आलोक चौधरी, विवेक चौधरी, अनंत मोहनका, अजय चेतानी, कमल लड्ढा, प्रमोद चेतानी, प्रमोद खन्ना, कमल चौधरी, पप्पू बंसल, अमर डांगबाजिया, नरेश सिंघानिया, बजरंग अग्रवाल (साकची शाखा) श्याम मोदी, नरेश खंडेलवाल, गिरधारी खेमका आदि उपस्थित थे।

बिहार सरकार

समाहरणालय, बाँका
(मद्य निषेध शाखा)
अल्पकालीन आम नीलामी सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि बाँका जिलान्तर्गत विभिन्न थाना काण्डों / उत्पाद वादों में राजसात किये गये वाहनों को बिहार मद्य निशेध एवं उत्पाद अधिनियम, 2016 के सुसंगत प्रावधानों के तहत् आम नीलामी (Public Auction) **दिनांक–06.09.2025 एवं आवश्यकतानुसार अगले कार्य दिवस को अधीक्षक मद्यनिषेध, महेशाडीह, बाँका के कार्यालय वेश्म में 11.30 बजे पूर्वाह्न से की जायेगी।** एतद् द्वारा निम्नांकित वाहन के स्वामियों को भी सूचित किया जाता है कि यदि वे निम्नांकित वाहनों के लिये अपील / रिवीजन / प्रपत्र IV दायर किये हों तो इसकी सूचना साक्ष्य सहित नीलामी की तिथि के पूर्व नीलामी समिति को उपलब्ध करा देंगे।

क्र0 सं0	न्यायालय, बांका का ज्ञापांक / दिनांक	उत्पाद / थाना नाम	उत्पाद / थाना कांड सं0	वाहन का प्रकार	पंजीयन संख्या	चेचिस सं0	इंजन सं0	मूल्यांकन राशि (रूपया में)	अग्रधन की राशि (20%)	वाहन स्वामी का नाम व पता	वाहन निर्माण का वर्ष (मॉडल)	वाहन की भौतिक उप स्थिति	नीलामी समय बीमाकृत मूल्य (वाहन की बीमाकृत मूल्य)	वाहन जहाँ पर है
	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1	583/DPRO 29.08.24	उत्पाद (बाँका)	440/23	टी0वी0एस0 रेडॉन मोटरसाईकिल	JH15AA3150	MD625BK27L1H03500	BK2HL1106841	48000	9600	नाम–संजय यादव, पे0–बासुदेव यादव, सा0–एच नं0–18 नियर गौरा स्कूल, थाना–देवघर, जिला–देवघर, राज्य–झारखंड	2020			उत्पाद (बाँका)
2	585/DPRO 29.08.24	उत्पाद (बाँका)	764/23	पैसन प्रो0 मोटरसाईकिल	JH17H9027	MBLHA10BJFHD09979	HA10ETFHD10007	32000	6400	नाम–शम्भु प्रसाद यादव, पे0–नेवानी यादव, सा0– माधोपुर, थाना–बौंसी, जिला– बाँका	2015			उत्पाद (बाँका)
3	599/DPRO 29.08.24	उत्पाद (बाँका)	356/23	हीरो स्पेलेंडर प्लस मोटरसाईकिल	JH17A2196	02B20F09599	02B18E05263	4000	800	नाम–अजय कुमार, पे0–नकुल दास, सा0–करकाघाट, पथरगामा, थाना–पथरगामा, जिला–गोड्डा, राज्य–झारखंड		Scrap		उत्पाद (बाँका)
4	600/DPRO 29.08.24	उत्पाद (बाँका)	111/24	हीरो एच0एफ0 डिलक्स मोटरसाईकिल	JH17L7735	MBLHAR200HGE14693	HA11ENHGE19447	42000	8400	नाम–लखन यादव, पे0–नंदलाल यादव, सा0–मकुंदी दिकवानी, थाना–गोड्डा, जिला–गोड्डा, राज्य–झारखंड	2017			उत्पाद (बाँका)
5	603/DPRO 29.08.24	उत्पाद (बाँका)	100/24	हीरो ग्लैमर मोटरसाईकिल	JH17K0774	MBLJA06AMGGJ23362	JA06EGGJ28820	42000	8400	नाम–मो0 शकिल, पे0–मो0 सहुल, सा0–कैथाटीकर, थाना–बाराहाट, जिला–बाँका	2016		56903	उत्पाद (बाँका)
6	609/DPRO 29.08.24	उत्पाद (बाँका)	452/23	टी0वी0एस0 स्पोर्ट मोटरसाईकिल	JH17G1255	MD625MF50F1A61285	DF5AF1139024	28000	5600	नाम–मदन पंडित, पे0–सुरेश पंडित, सा0–बेलटिकरी, थाना–पथरगामा, जिला–गोड्डा, राज्य–झारखंड	2014			उत्पाद (बाँका)
7	612/DPRO 29.08.24	उत्पाद (बाँका)	860/23	यूनिकार्न मोटरसाईकिल	JH15B5539	ME4KC095E58016861	KC09E7017212	4000	800	नाम–डॉ अशोक कुमार सिन्हा, पे0–स्व0 प्रदुमन सिन्हा, सा0–ज्वाईट हॉस्पीटल, थाना–देवघर, जिला–देवघर, राज्य–झारखंड		Scrap		उत्पाद (बाँका)
8	613/DPRO 29.08.24	उत्पाद (बाँका)	11/24	एच0एफ0 डिलक्स मोटरसाईकिल	JH17H9104	MBLHA11AYF9K03197	HA11EJF9K21662	38000	7600	नाम–रामचरण सौरेन, पे0–दरोगा सौरेन, सा0–लौगनियॉ, थाना–पथरगामा, जिला–गोड्डा, राज्य–झारखंड	2015			उत्पाद (बाँका)
9	614/DPRO 29.08.24	उत्पाद (बाँका)	910/23	हीरो स्पेलेंडर मोटरसाईकिल	JH04V0565	MBLHAW110LHK12512	HA11EVLHK13977	42000	8400	नाम–बिबेकानंद सिंह, पे0–हलधन प्रसाद सिंह, सा0–बैजनाथपुर, थाना–बाँका, जिला–बाँका	2020			उत्पाद (बाँका)
10	617/DPRO 29.08.24	उत्पाद (बाँका)	850/23	स्पेलेंडर मोटरसाईकिल	JH17S8538	MBLHAR070JHMD3964	HA10AGJHME6137	22000	4400	नाम–नीलम कुमारी, पे0–अशोक दास, सा0–मदुआवरण, थाना–बौंसी, जिला–बाँका	2018			उत्पाद (बाँका)
11	618/DPRO 29.08.24	उत्पाद (बाँका)	915/23	टी0वी0एस0 मोटरसाईकिल	JH17E9415	MD625SF4XD1C42810	CF4CD1042962	18000	3600	नाम–जिछो दास, पे0–बट्टन दास, सा0–करोतवाली, थाना–बाँका, जिला–बाँका	2013			उत्पाद (बाँका)
12	620/DPRO 29.08.24	उत्पाद (बाँका)	69/24	ग्लैमर मोटरसाईकिल	JH17V1138	MBLJAW155L9G14835	JA07ACL915140	4000	800	नाम–मो0 अबरार, पे0–मो0 ईकबाल, सा0–माखनपुर, थाना–बाराहाट, जिला–बाँका		Scrap		उत्पाद (बाँका)
13	622/DPRO 29.08.24	उत्पाद (बाँका)	874/23	हीरो पैसन प्रो0 मोटरसाईकिल	JH10AA5572	MBLHA10EUBGF00924	HA10ECBG05882	22000	4400	नाम–प्रदीप कुमार मिश्रा, पे0–जामुन मिश्रा, सास0–ब्राइट कुसुण्ड, धनसार, थाना–धनबाद, जिला–धनबाद, राज्य–झारखंड	2011			उत्पाद (बाँका)
14	624/DPRO 29.08.24	उत्पाद (बाँका)	830/23	हीरो पैसन प्रो0 मोटरसाईकिल	JH04H3267	MBLHA10BJEHM27900	HA10ETEHM24457	26000	5200	नाम–जिवन मिर्धा, पे0–मसुदन मिर्धा, सा0–कुरावा रामगढ़, थाना–दुमका, जिला–दुमका, राज्य–झारखंड	2014			उत्पाद (बाँका)
15	632/DPRO 29.08.24	उत्पाद (बाँका)	114/24	होण्डा मोटरसाईकिल	JH02K8117	ME4JC366D881006	JC36E918701	4000	800	अज्ञात		Scrap		उत्पाद (बाँका)
16	1992/SDO 17.10.24	पंजवारा	88/23	बजाज डिस्कवर मोटरसाईकिल	JH17G8139	MD2A57BZ3ERM71017	PAZREM15829	26000	5200	नाम–पवन कुमार साह, पे0–स्व0 भगवान साह, सा0+पो0–सरौनी बाजार, थाना व जिला–गोड्डा, राज्य–झारखंड, पिन नं0–814156	2014			पंजवारा
17	2167/SDO 28.10.24	बेलहर	157/24	ग्लैमर मोटरसाईकिल	JH15AA9512	MBLJAW218M9H02179	JA07APM9H03038	52000	10400	नाम–रोहित कुमार मंडल, पे0–भीम मंडल, सा0+पो0–इनारावरण, थाना–कटोरिया, जिला–बाँका, पिन नं0–814131	2021			बेलहर
18	06/R 11.09.24	धोरैया	28/23	मोटरसाईकिल	JH17N5805	MD634BE43H2L98032	BE4LH2996512	36000	7200	नाम–विक्की कुमार साह, पे0–कैलाश प्रसाद साह, सा0+पो0–सरौनी बाजार, थाना व जिला–गोड्डा, राज्य–झारखंड, पिन नं0–814156	2017		74131	धोरैया
19	08/R 11.09.24	धनकुण्ड	119/23	मोटरसाईकिल	JH17F2884	MBLHA10ASDHH43666	HA10ELDHH27526	22000	4400	नाम–सुमन कुमार, पे0–धनेश्वर प्रसाद सिंह, सा0–राजाबर, थाना–रजौन, जिला–बाँका, पिन नं0–	2013			धनकुण्ड
20	12/R 11.09.24	रजौन (नवादा बाजार)	529/23	मोटरसाईकिल	JH17T2022	MBLJAN100KGH01685	JA06ERKGH01677	36000	7200	नाम–जयचन्द हेम्ब्रम पे0–प्रमेश्वर हेम्ब्रम सा0–महुआसोल पो0–गोंधीग्राम, थाना–पथरगामा, जिला–गोड्डा, राज्य–झारखंड	2019			रजौन (नवादा बाजार)
21	14/R 11.09.24	धनकुण्ड	106/23	मोटरसाईकिल	JH17D1679	MD625NF18B1E69773	AF1EB1408957	16000	3200	नाम–गणेश साह पे0–श्यामसुन्दर साह, सा0–कठौन, थाना–पोड़ैयाहाट, जिला–गोड्डा, राज्य–झारखंड	2011			धनकुण्ड
22	6010/R 23.10.24	धनकुण्ड	93/23	कार	JH01N4426	–	–	45000	9000	नाम–निरंजन साह, पे0–कानदेव साह, सा0–तिलकनगर वार्ड नं0–20 थाना वा जिला–गोड्डा, राज्य–झारखंड, पिन नं0–814133	2006	Scrap		धनकुण्ड
23	6031/R 23.10.24	धोरैया	33/23	चार पहिया	JH05S2212	–	–	45000	9000	नाम–प्रभात कुमार, पे0–राजकिशोर सिंह, सा0–कोरठा पटना c/o Krishna ch das gurudwara road mgm mango purbi singhbhum jharkhand pin no.-811012	2007	Scrap		धोरैया
24	4446/R 22.11.24	जयपुर	04/24	मोटरसाईकिल	JH15D7899	MD2DSPAZZSPE34069	JBUBSF20765	4000	800	नाम–मो0 नसीम पे0–मो0 रमजान सा0–नवीबक्स रोड बेल पार पो0–मधुपुर, जिला–देवघर, राज्य झारखंड	-	Scrap		जयपुर
25	4451/R 22.11.24	रजौन (नवादा बाजार)	406/22	अपाची मोटरसाईकिल	JH17D7191	MD634KE40D2N23754	OE4MB2345209	28000	5600	अज्ञात				रजौन (नवादा बाजार)
26	4457/R 22.11.24	रजौन (नवादा बाजार)	623/23	मोटरसाईकिल	JH18D9955	MBLJA06AME9L01408	JA06EJE9L01544	28000	5600	नाम–महेश राम, पे0–झुलन प्रसाद राम, सा0–बघैया, थाना–मेहरमा, जिला–गोड्डा	2014			रजौन (नवादा बाजार)
27	4493/R 30.11.24	जयपुर	03/24	मोटरसाईकिल	JH04G0705	MBLHA10AWDHE11832	HA10ENDHE26880	26000	5200	नाम–महेन्द्र यादव, पे0–तानी यादव, सा0–धबौनी भोराबाजार थाना–चांदन जिला–बाँका	2013			जयपुर
28	6032/R 23.10.24	रजौन (नवादा बाजार)	514/23	एटलस साईकिल	N/A	–	–	200	40	नाम–मुन्ना कुमार साह, पे0–श्याम लाल साह, सा0–मलहारा, पो0–मुफसिल, जिला–गोड्डा, राज्य–झारखंड				रजौन (नवादा बाजार)

विस्तृत जानकारी वेबसाइट **state.bihar.gov.in/prdbihar.gov.in** पर देखा जा सकता है।
PR. No.0 11885 (Excise) 2025-26

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

समाहर्त्ता,बाँका

संक्षिप्त खबरें...

विशेष राज्य की बात करने वालों के मुंह पर तमाचा लगा; मोदी के काम गिनाकर बोले जीतनराम मांझी

पटना. हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा- सेकुलर (हम) के नेता और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में इतना ज्यादा काम किया है कि विशेष राज्य के दर्जा की बात करने वालों के मुंह पर तमाचा लगा है। पीएम मोदी बिहार में हजारों करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने शुक्रवार को गयाजी पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मंच पर मौजूदगी के बीच एक सरकारी समारोह में मांझी का स्पेशल स्टेटस की बात करने वालों को तमाचा लगने की बात कहना राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ सकता है, क्योंकि नीतीश के जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने लंबे समय तक इस मुद्दे पर राजनीति की है। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में सबसे पहले भाषण का मौका गयाजी के सांसद और केंद्रीय मंत्री मांझी को मिला। उन्होंने मगध इलाके में प्रचलित बोली मगही में भाषण करते हुए पीएम मोदी के काम की तारीफ की और कहा- "इतना काम ये किए हैं, सब जगह, भारत में और बिहार के लिए विशेष कर। बिहार के लिए इतना ज्यादा काम किए हैं कि बिहार के लिए स्पेशल राज्य का दर्जा देने वाली बात करने वाले लोगों के मुंह पर एक तरह से तमाचा लगा है। उससे ज्यादा आज काम हुआ है।" पीएम नरेंद्र मोदी गयाजी की सभा में खुली जीप पर सीएम नीतीश, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ वहां बड़ी संख्या में आए लोगों का अभिवादन करते हुए मंच तक पहुंचे। मंच पर इन सबके अलावा राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, चिराग पासवान समेत राष्ट्रीय जनातंत्रिक गठबंधन (एनडीए) के कई नेता मौजूद हैं। पीएम गया के बाद बेगूसराय भी जाएंगे जहां वो गंगा नदी पर बने नए सड़क पुल का उद्घाटन करेंगे।

नौबतपुर में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलटी कारः तीन यात्री सुरक्षित

पटना. पटना-औरंगाबाद मार्ग स्थित नौबतपुर प्रखंड के लख में शनिवार को एक फॉरच्यूनर कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पटना से औरंगाबाद जा रही कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई।

गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि कार में सवार तीनों लोग सुरक्षित बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार से जा रही गाड़ी से अचानक अजीब आवाज आने लगी। इसके बाद चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। गाड़ी सड़क से उतरकर गड्ढे में पलट गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मदद के लिए दौड़कर कार में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। कार में सवार औरंगाबाद निवासी मयंक सिंह ने बताया कि वह अपने दो साथियों के साथ पटना से औरंगाबाद लौट रहे थे। रास्ते में प्रेशर पाइप लीक हो जाने से वाहन अनियंत्रित हो गया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद कुछ पल के लिए सभी की सांसें थम गईं। किसी को कोई चोट नहीं आई।

पटना में 857 अपराधी और 101 नक्सली गिरफ्तारः 8 महीने में 23 बार पुलिस के साथ मुठभेड़

पटना. पुलिस मुख्यालय की ओर से एडीजी मुख्यालय कुंदन कृष्णन ने आज जनवरी से लेकर अगस्त तक का ब्योरा जारी किया। जारी आंकड़ों के मुताबिक 8 महीने में 23 बार मुठभेड़ हुई है, जो वर्ष 2024 में हुई मुठभेड़ से अधिक है। साल 2024 में सिर्फ 8 मुठभेड़ हुई थी। इस बार 857 अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है। 101 नक्सली भी पकड़े गए हैं। एडीजी मुख्यालय कुंदन कृष्णन ने बताया कि 17 राज्यों से बाहर 64 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें वहां की पुलिस का भी सहयोग रहा है। दिल्ली से 14, पश्चिम बंगाल से 9, उत्तर प्रदेश से 7, गुजरात से 7, झारखंड से 6, हरियाणा से 5, महाराष्ट्र से 4, मध्य प्रदेश से 4, हिमाचल प्रदेश से 2, पंजाब से 2, राजस्थान से 1, गोवा से 1, उड़ीसा से 1, उत्तराखंड से 1, कर्नाटक से 1, जम्मू कश्मीर से 1, मणिपुर से 1 गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने बताया कि इस बार अगस्त तक 12176 कारतूस बरामद किए गए हैं। एक करोड़ 3 लाख 82 हजार चालीसा रुपए भी बरामद हैं। संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई के लिए एसओजी की संख्या बढ़ाई गई है। 15 एसओजी काम कर रहे हैं। संगठित अपराधियों के विरुद्ध 4 नए सेल नारकोटिक्स, सोशल मीडिया, ईआईओ और सुपारी किलर निगरानी सेल बनाए गए हैं।

राहुल की वोटर अधिकार यात्राः मुंगेर में आंबेडकर की मूर्ति का उद्घाटन नहीं होने पर लोगों का विरोध

भागलपुर. बिहार में वोटर अधिकार यात्रा का छठा दिन राहुल गांधी का काफिला मुंगेर से निकल कर भागलपुर के सुल्तानगंज पहुंचा है। यहां से यात्रा अकबरनगर की ओर बढ़ेगी। जहां करीब दो घंटे का ब्रेक होगा। इससे पहले मुंगेर के घोरघट में स्थानीय लोगों में राहुल-तेजस्वी को लेकर नाराजगी देखी गई। दरअसल, घोरघट में 20 फीट ऊंची भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण होना था। इसकी तैयारी भी की गई। राहुल-तेजस्वी का काफिला उद्घाटन स्थल होते हुए आगे बढ़ गया। प्रतिमा का उद्घाटन नहीं होने से लोग खफा दिखे, जिसके बाद पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने शिलापट्ट का उद्घाटन किया। शुक्रवार सुबह यात्रा के दौरान मुंगेर में राहुल-तेजस्वी ने खानकाह रहमानी के मौलाना से करीब 20 मिनट तक मुलाकात की। मुंगेर के शहरी इलाके में राहुल गांधी-तेजस्वी यादव का रोड शो हुआ। यात्रा मुस्लिम और यादव बहुल इलाकों से गुजरी। मुंगेर में राहुल गांधी की ये पहली यात्रा है।

लीची बगान में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

मुजफ्फरपुर. मुजफ्फरपुर में लीची के बगान में शुक्रवार सुबह युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान महेश सहनी के बेटे 40 साल के संजय सहनी का शव पेड़ से लटकता मिला। शव देखते ही परिजन और ग्रामीणों की मौके पर भीड़ उमड़ पड़ी। परिवार के लोग शव को देखकर रोने लगे। मामला रामपुरहरी थाना क्षेत्र के कोईली गांव का है। मृतक के बहनोई राहुल ने बताया कि विजय सहनी के बेटे रमेश सहनी ने संजय को अपने मुर्गा फॉर्म पर बुलाया। वहां उसकी बेरहमी से पिटाई की । इसके बाद हाथ-पैर बांधकर लीची बगान में लटका दिया गया। उन्होंने कहा कि रमेश पूर्व में भी धमकी देता था और कुछ दिन पहले घर तोड़ दिया था। थानाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक युवक पर मुर्गा चोरी का आरोप लगाया जा रहा है। इसी विवाद में मारपीट कर हत्या करने की बात सामने आ रही है। परिजनों के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया और तुरंत कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। गांव में तनाव का माहौल है और पुलिस कैंप कर रही है।

समस्तीपुर में छत पर सो रही महिला की हत्याःगला रेतकर मार डाला; चचेरे देवर पर आरोप

समस्तीपुर. समस्तीपुर में छत पर सो रही महिला की गला रेतकर हत्या कर गई है। शक के आधार पर पुलिस ने पूछताछ के लिए चचेरे देवर विनोद राय को हिरासत में लिया है। मृतका की पहचान उदय राय की पत्नी रीना देवी के तौर पर हुई है। घटना हरपुर भिंडी वार्ड नंबर-12 की है। पति उदय राय ने बताया कि गर्मी के चलते रीना रात में छत पर सोई हुई थी। देर रात मैं शौच के लिए नीचे आया था। मोबाइल चार्ज भी नहीं था। इस वजह से मोबाइल चार्ज लगाकर नीचे ही सो गया। सुबह मेरी पत्नी काफी देर तक नीचे नहीं उतरी। मेरे चाचा राम पुकार उसे उठाने के लिए छत पर गए। जहां उन्होंने देखा कि गला रेतकर उसकी हत्या कर दी गई है। शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। मृतका के पति उदय राय ने बताया कि गुरुवार को गर्मी अधिक थी। रात में खाना खाने के बाद दोनों छत पर सोने के लिए चले गए थे। 11:00 बजे के करीब शौच के लिए नीचे उतरा था। मोबाइल डाउन था। चार्ज में लगाकर नीचे ही सो गया। सुबह करीब 5:00 बजे मेरी मां बहू को जगाने के लिए छत पर गई। देखा कि उसका गला रेता हुआ है और आसपास खून पसरा हुआ है। इसके बाद शोर मचाते हुए परिवार के लोगों को जानकारी दी।

गया से पीएम का ऐलान... जब तक हर जरूरतमंद को पक्का घर नहीं मिल जाता, मोदी चैन से नहीं बैठेगा

गया. बिहार के गया जी की सभा से पीएम मोदी ने ऐलान किया कि जब तक हर जरूरतमंद को पक्का घर नहीं मिल जाता मोदी चैन से बैठने वाला नहीं है। इसी सोच के साथ पिछले 11 साल में 4 करोड़ से अधिक गरीबों को पक्के घर बना कर दे दिए गए हैं। सिर्फ बिहार में 31 लाख से अधिक आवास बनाए गए हैं। गया जिले में भी 2 लाख से अधिक परिवारों को पक्का घर मिला है जिनमें शौचालय की व्यवस्था की गई है। इसके साथ बिजली, पानी और गैस कनेक्शन की सुविधा भी दी गई है। पीएम के मंच पर सीएम नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री, जीतनराम मांझी, चिराग पासवान समेत एनडीए के कई बड़े चेहरे मौजूद थे। पीएम ने कहा कि गरीब परिवारों की भी सुविधा और सम्मान से जीने की गारंटी मोदी सरकार दे रही है। इसी सिलसिले को आगे बढ़ते हुए आज बिहार के मगध क्षेत्र के 16000 से ज्यादा परिवारों को पक्का घर दिया है। इन घरों में दिवाली और छठ पूजा के रौनक और ज्यादा हो जाएगी। पीएम ने अपना घर पाने वाले सभी लाभार्थी परिवारों को बहुत बधाई दी और कहा कि जो लोग पीएम आवास योजना के लाभ से छूट गए हैं उन्हें विश्वास दिलाना है कि पीएम आवास अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक हर गरीब को अपना पक्का घर नहीं मिल जाता। पीएम ने कहा कि एनडीए की डबल इंजन सरकार बिहार समेत देश भर में रेलवे के विकास के लिए तेजी से कम कर रही है। अमृत भारत योजना के तहत गया जी रेलवे स्टेशन को विकसित किया गया है। यहां यात्रियों को एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं मिलेंगी। यहां राजधानी, शताब्दी, वंदे भारत ट्रेनों की सुविधा मिलेगी। गयाजी, सासाराम, प्रयागराज, कानपुर, होते हुए दिल्ली तक सीधा कनेक्शन बिहार के युवाओं को बिहार के किसानों को व्यापारियों के लिए नई संभावनाएं बना रहा है। बिहार का तेजी से विकास केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। बिहार चौतरफा विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। बिहार नई प्रगति के रास्ते पर बढ़ रहा है। इसके लिए हमारी सरकार पूरी ताकत से काम कर रही है।

सामा चकेवा गीत पर डांस; पीएम सिमरिया में छठ और देशप्रेम की छटा देख झूम उठे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को गया जी में जनसभा को संबोधित करने के बाद बेगूसराय पहुंचे। पीएम ने सीएम नीतीश कुमार, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह समेत अन्य नेताओं की मौजूदगी में गंगा नदी पर बने औंटा-सिमरिया छह लेन पुल का लोकार्पण किया। इसे देश का सबसे चौड़ा रीवर ब्रिज बताया जा रहा है। इस दौरान पीएम के स्वागत में बिहार की कला संस्कृति और देश प्रेम का अद्भुत नजारा पेश आया जिसे देखकर पीएम भी झूम उठे। उन्होंने गमछा लहरा-लहरा कर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो को खूब देखा जा रहा जिसमें पीएम मोदी और सीएम नीतीश की बेजोड़ केमिस्ट्री भी साफ नजर आ रही है।

बेगूसराय में गंगा नदी के तट पर स्थित सिमरिया घाट देश के धार्मिक महत्व के नामचीन घाटों में एक है। बिहार सरकार द्वारा इसे बनारस के घाट की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। शुक्रवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पीएम नरेंद्र मोदी औंटा-सिमरिया 6 लेन पुल का उद्घाटन करने पहुंचे। इस दौरान पीएम ने रोड शो में भाग लिया। सिमरिया घाट पर पीएम के स्वागत में भव्य आयोजन किया गया था। करीब तीन किलोमीटर में घाट को दुल्हन की तरह सजाया गया था। सीएम के स्वागत में छठ गीत पर कलाकारों ने डांस किया। खासकर जब पीएम पुल पर पहुंचे तो घाट पर सामा चकेवा गीत पर दर्जनों महिला कलाकार डांस कर रहे थे। वहीं सैंकड़ों की संख्या में लोग हाथों में तिरंगा झंडा लहरा कर अपनी खुशी का इजहार कर रहे थे। सीएम नीतीश के साथ पुल पर पहुंचे नरेंद्र मोदी यह नजारा देखकर झूम उठे। नीतीश कुमार के हाथ में हाथ डालकर सीएम कलाकारों को वेव करने लगे। इसी बीच पीएम ने सीएम का हाथ छोड़ दिया और कंधे पर रखा गमछा हाथ में ले लिया। ठेठ बिहारी अंदाज में पीएम मोदी गमछा लहराने लगे तो कलाकारों और मौजूद लोगों का उत्साह कई गुना हो गया। यह देखकर पीएम भी रोमोंचित हो गए और काफी देर तक गमछा लहराते रहे। पीएम को रोमांचित देख घाट पर मौजूद लोगों ने हाथ हिलाकर पीएम को रिस्पॉन्ड किया।

बिहार में नरेंद्र मोदी के मंच पर दिखे दो राजद विधायक, जेडीयू या बीजेपी में जाने की अटकलें

बिहार में चुनावी मौसम के बीच गया जी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली के दौरान मंच पर आरजेडी के दो विधायक दिखे। जिसमें नवादा से पूर्व विधायक रहे राजबल्लभ यादव की पत्नी सह मौजूदा एमएलए विभा देवी और रजौली से राजद विधायक प्रकाशवीर शामिल हैं। इस मंच पर सीएम नीतीश कुमार के अलावा एनडीए के सहयोगी दलों के मंत्री, सांसद, विधायक और नेता मौजूद रहे। जिसके बात से सियासी गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। माना जा रहा है, कि दोनों विधायकों के जदयू या फिर बीजेपी में शामिल होने के कयास हैं। आपको बता दें नवादा की मौजूद राजद एमएलए विभा देवी जेल से हाल ही में नाबालिग से रेप मामले में रिहा हुए बाहुबली राज बल्लभ यादव की पत्नी हैं। राजबल्लभ की आरजेडी से दूरी के बाद से हाल ही में नवादा से जेडीयू के पूर्व विधायक रहे कौशल यादव और उनकी पत्नी पूर्णिमा यादव राजद में शामिल हुए थे। तेजस्वी ने दोनों को पार्टी की सदस्यता दिलाई थी।

वहीं इस पूरे मामले पर रजौली से विधायक प्रकाशवीर ने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि पीएम मोदी ने बीते 11 सालों में बिहार के लिए बहुत कुछ किया है। उन्हें प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए न्योता मिला था। पीएम मोदी और सीएम नीतीश की तारीफ करते हुए प्रकाशवीर ने कहा कि दोनों ने बिहार के विकास के अभूतपूर्व काम किया है। गरीबों के लिए जितना काम हुआ है, इससे पहले कभी नहीं हुआ। प्रकाशवीर ने कहा कि टिकट मिलना या न मिलना अलग बात है, हम लोग जनता के सेवक हैं। इस बीच तेजस्वी यादव की वोट अधिकार यात्रा का वीडियो भी वायरल हो रहा है। जिसमें तेजस्वी से प्रकाशवीर को पार्टी से हटाने के बात कहते सुना जा रहा है।

पटना में सुपरिटेंडेंट इंजीनियर के घर से मिले 55 लाखःईओयू ने की रेड, नोटों को जलाकर प्लास्टिक में डाला; करोड़ों की जमीन के पेपर जब्त

पटना. पटना में आर्थिक अपराध इकाई की टीम ने ग्रामीण कार्य विभाग के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर के विनोद कुमार राय के ठिकाने पर छापेमारी की है। भूतनाथ रोड में इनका 4 मंजिला घर है। इसी घर को खंगाला जा रहा है। विनोद की पोस्टिंग सीतामढ़ी में है और मधुबनी के अतिरिक्त प्रभार में हैं। इनके खिलाफ अवैध कमाई की सूचना ईओयू को मिली थी। ईओयू के अनुसार छापेमारी के लिए टीम गुरुवार की रात ही गई थी। घर में अकेली महिला होने की बात कह उन्हें अंदर जाने से रोका गया।

काफी सारे जले हुए नोट मिले

शुक्रवार को टीम घर के अंदर जा पाई। अब तक की छापेमारी बड़े स्तर पर नोट जले हुए पाए गए हैं। जो करोड़ों में हो सकती है। नोटों को जलाकर बहाने की कोशिश की गई। इसे बरामद करने के लिए ईओयू ने नगर निगम की टीम को बुलाया है। साथ ही जांच में सबूत जुटाने के लिए FSL की टीम को भी मौके पर बुला लिया है।

55 लाख रुपए कैश बरामद

छापेमारी के दौरान करीब 55 लाख रुपए कैश बरामद किए गए हैं। सरकारी महकमे में भ्रष्टाचार के खिलाफ पिछले 36 घंटे में ईओयू की यह तीसरी बड़ी कार्रवाई है। विनोद कुमार के घर से करोड़ों की जमीन के दस्तावेज, 12 से अधिक बैंक अकाउंट के डिटेल, लाखों रुपए के सोने-चांदी की ज्वेलरी जब्त की गई है।

नवादा में खेलने निकला बच्चा किडनैपः30 लाख की मांगी फिरौती, वीडियो भेजकर दी धमकी

नवादा. नवादा में एक किशोर के अपहरण का मामला सामने आया है। वारसलीगंज थाना क्षेत्र के फतहा गांव निवासी पवन सिंह का बेटा सूरज कुमार उर्फ सुंदरम (14) 19 अगस्त की शाम को घर से खेलने के लिए निकला था। वह राधा भट्ठा के पास जाने की बात कहकर गया था। जब किशोर रात तक घर नहीं लौटा, तो अगले दिन सुबह 4 बजे उसके मोबाइल से उसके बड़े भाई शुभम कुमार को मैसेज आया। मैसेज में भैया जी गैंग ने अपहरण की जिम्मेदारी ली और 30 लाख रुपए की फिरौती मांगी। अपहरणकर्ताओं ने एक वीडियो भी भेजा, जिसमें किशोर को जमीन पर लिटाकर पीटा जा रहा है। उन्होंने धमकी दी है कि अगर पैसे नहीं दिए गए या कोई चालाकी की गई तो किशोर की जान ले ली जाएगी। मैसेज में साइबर क्राइम से जुड़े पैसों का भी जिक्र किया गया है। किशोर के पिता ने वारसलीगंज थाने में केस दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सूरज के पिता ने FIR में इस बात का जिक्र किया है कि उसका बेटा सूरज कुमार 29 दिसंबर 2024 को साइबर थाना में दर्ज FIR 81/24 में ऑब्जरवेशन होम में जा चुका है और फिलहाल जमानत पर वह मुक्त है।धमकी भरे मैसेज से पूरा परिवार भय में है।

बिना एसटेट पास किए बन गए बीपीएससी टीचर, प्रमाणपत्रों की जांच में खुलासा; नौकरी से बर्खास्त

अररिया. बिहार के शिक्षा विभाग में अजब-गजब खुलासे हो रहे हैं। अररिया जिले में जांच के दौरान ऐसा ही दिलचस्प मामला सामने आया है जिसमें एक अभ्यर्थी शिक्षक पात्रता परीक्षा पास किए बिना ही बीपीएससी टीआरई-2 के शिक्षक बन गए। यही नहीं नियुक्ति पत्र लेकर उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक के रूप में योगदान भी दे दिए। लेकिन जब शैक्षणिक और प्रशैक्षणिक प्रमाणपत्रों की जांच हुई तो खुलासा हुआ कि ये अभ्यर्थी गलत तरीके से नियुक्त हुए हैं। जांच में एसटीईटी 2023 में निर्गत प्रमाणपत्र में 74 अंक मिले थे, जिसमें साफ लिखा था नोट क्वालिफायड। इसके बावजूद शिक्षक के रूप में नियुक्ति पत्र मिलना अपने आप में हैरतअंगेज है।

हालांकि डीईओ संजय कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शिक्षक की सेवा समाप्त कर दी है। बर्खास्त किये गये शिक्षक शैलेश मिश्रा की नियुक्ति कुर्साकांटा प्रखंड के उमावि चिकनी में 11-12वीं कक्षा के लिए भौतिकी विषय के शिक्षक के रूप में हुई थी। सेवा समाप्ति के साथ ही डीईओ ने इस संबंध में कार्यालय आदेश भी जारी किया है। बीपीएससी के विज्ञापन संख्या 27/2023 के आलोक में शैलेश मिश्रा की भी पदस्थापना की गयी। इसके बाद इनके शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक प्रमाणपत्रों का पुनरावलोकन और सत्यापन किया गया तो पाया गया कि ये बीपीएससी टीआरई-2 पास तो किये हैं लेकिन शिक्षक पात्रता परीक्षा हेतु निर्धारित उर्तीणांक नहीं ला पाये हैं।

इसके बाद स्थापना डीपीओ द्वारा स्पष्टीकरण भी पूछा गया था। स्पष्टीकरण में उन्होंने स्वीकार किया कि नियुक्ति के लिए प्रकाशित विज्ञापन एवं विभागीय अधिसूचना के आलोक में शिक्षक पात्रता के लिए निर्धारित अहर्ता पूरा नहीं करते हैं। इसी क्रम में शैलेश मिश्रा का एसटीईटी 2023 द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र में 74 अंक के साथ नोट क्वालिफायड पाया गया। इस कारण शैलेन्द्र मिश्रा की सेवा समाप्त की जाती है।

खेल विभाग ने निकाली 824 पदों पर बंपर बहालीःस्पोर्ट्स क्लर्क से लेकर अधिकारी तक की वैकेंसी, स्पोर्ट्स ट्रेनर के 379 पद पर सीधे मिलेगी जॉब

पटना. खेल में नौकरी के इंतजार में बैठे युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। राज्य सरकार ने खेल विभाग में बंपर बहाली का रास्ता खोल दिया है। ऐसा पहली बार है कि खेल विभाग में 824 पदों पर बहाली होने जा रही है। स्पोर्ट्स ट्रेनर से लेकर स्पोर्ट्स सर्विस कैडर में अधिकारी, स्पोर्ट्स क्लर्क और अन्य पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। खेल विभाग ने इन नियुक्तियों के लिए बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी), बिहार कर्मचारी चयन आयोग (बीएसएससी) और बिहार तकनीकी सेवा आयोग को सिफारिश भेज दी है।

इन पदों पर होगी बहाली

स्पोर्ट्स सर्विस कैडर के अधिकारी में 33 पद, स्पोर्ट्स ट्रेनर में 379 पद, निम्नवर्गीय लिपिक में 53 पद, राजगीर खेल अकादमी में 81 पद (स्पोर्ट्स ट्रेनर और क्लर्क दोनों), बिहार राज्य खेल प्राधिकार पटना में 301 पदों पर बहाली होगी। वहीं, खेल विभाग की ओर बिहार खेल अधीनस्थ सेवा संवर्ग में 380 पद स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से 379 पद अभी खाली हैं। इन सभी पदों पर बहाली के लिए खेल विभाग ने बीएसएससी को प्रस्ताव भेज दिया है। जल्द ही इन पर सीधी बहाली की जाएगी।

स्पोर्ट्स ट्रेनर के 379 पद होगी सीधी बहाली

स्पोर्ट्स ट्रेनर के 379 पद सीधी बहाली होगी। वहीं, बिहार स्पोर्ट्स सर्विस कैडर में भी 33 अधिकारियों के लिए 44 नए पदों का सृजन किया गया है। इनमें से 11 पद प्रोन्नति के लिए हैं, जबकि 33 पदों पर सीधी भर्ती होगी है। खेल विभाग में क्लर्क सेवा संवर्ग का भी गठन कर दिया गया है। इसके लिए 80 पदों की स्वीकृति भी मिल गई है। इनमें से 53 रिक्त पद ऐसे हैं जिस पर जल्द बहाली होनी है। वहीं, निम्नवर्गीय लिपिक के 10 पद और विभिन्न खेलों के प्रशिक्षकों के 48 पद पूरी तरह खाली हैं।

पटना में बिहार का पहला मॉडर्न श्मशान घाटःमोक्ष और बैकुंठ द्वार का धौलपुर पत्थर से बनेगा गेट, 46.58 फीट ऊंचा होगा

पटना. बिहार का पहला मॉडर्न श्मशान घाट पटना के बांस घाट में बन रहा है। पटना स्मार्ट सिटी और बुडको द्वारा 89.40 करोड़ रुपए की लागत से इस श्मशान घाट का निर्माण किया जा रहा है। इसका संचालन ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु करेंगे। इसके लिए कोयंबटूर से टीम विजिट करने भी आई थी। परिसर को विजिट करने के बाद उन्हें आकर्षक लगा। वहीं, अब श्मशान घाट में दो द्वार भी बनाए

जाएंगे, जिसमें से एक मोक्ष और दूसरा बैकुंठ द्वार होगा। श्मशान घाट के मुख्य द्वार का डिजाइन तैयार कर लिया गया है। दोनों द्वार में कांसे से बना ओम चिन्ह भी स्थापित किया जाएगा। मोक्ष द्वार को धौलपुर पत्थर से तैयार किया जाएगा। यह द्वार करीब 46.58 फीट ऊंचा रहेगा। इसके अलावा पूजा के लिए शिवा स्टेच्यू भी लगाया जाएगा। यहां चार इलेक्ट्रिक क्रीमेसन ओवन इंस्टॉल कर दिया गया है। परिसर में अस्थियों को विसर्जित करने व स्नान करने के लिए दो तालाब तैयार किए जा रहे हैं, जिसमें फाउंटेन लगेगी। बता दें कि यह श्मशान घाट 4.5 एकड़ में फैला है, जो पिछले श्मशान घाट से तीन गुना बड़ा है, जो केवल 1.24 एकड़ में फैला था। इसमें दो वेटिंग हॉल, दो प्रार्थना कक्ष, दो पूजा कक्ष, एक प्रशासनिक कार्यालय, एक कैंटीन, एक मंदिर और स्टाफ क्वार्टर होंगे। अन्य सुविधाओं में छह ब्लॉक शौचालय, दो चेंजिंग रूम, 40 वर्ग मीटर का सब-स्टेशन, एक शवगृह, पार्किंग स्थल, आंतरिक सड़कें और एक सार्वजनिक घोषणा प्रणाली शामिल हैं।

पत्नी मंगलसूत्र देकर पति से बोली- दूसरी शादी कर लो' मैं तुम्हे अपना पति नहीं मानती

पटना. 'मेरी पत्नी ने अपना मंगलसूत्र खोलकर मेरे हाथों में रख दिया। उसने कहा-मैं आपको अपना पति नहीं मानती हूं। आप दूसरी शादी कर सकते हैं।' ये बातें उस पति ने कही, जिसने शादी के बाद अपनी पत्नी को पढ़ाया-लिखाया, बीए, एमए, बीएसआईएस, बीएड की डिग्री दिलाई। पति का कहना है, 'अब पत्नी टीचर बनी गई है तो किसी दूसरे व्यक्ति के कारण मुझे छोड़कर चली गई है। तलाक देने की बात कह रही है।' यह मामला अब बिहार राज्य महिला आयोग पहुंचा है। अपनी पत्नी की हरकत से परेशान पति की सास ने गुरुवार को अपनी बेटी के खिलाफ शिकायत की है। समस्तीपुर के सरायरंजन प्रखंड के राजेश कुमार (काल्पनिक नाम) ने बताया कि 'हमारी शादी किरण (काल्पनिक नाम) से 10 फरवरी 2013 को हुई थी। हम अपने

ससुर को पहले से जानते थे। दोनों एक साथ स्कूल में पढ़ाते थे। फिर दोनों ने मिलकर एक कॉन्वेंट स्कूल शुरू किया था।'' 'इस दौरान हम अपने ससुर के साथ लड़का देखने भी गए थे, लेकिन बात न बनी। बाद में ससुर ने अपनी बेटी के लिए मुझे पसंद किया और बात आगे बढ़ी। हालांकि, यह अरेंज मैरिज थी।' दोनों शादी काफी धूमधाम से हुई थी। किरण को पढ़ने-लिखने का काफी शौक था। इसलिए राजेश ने अपनी कमाई से उसे बीए करवाया, फिर बीए, एमए, बीएसआईएस, बीएड की डिग्री दिलाई। बाद में जब किरण को बैंकिंग का शौक चढ़ा तो राजेश ने उसे एक बैंकिंग कोचिंग में दाखिला दिलवाया। राजेश रोजाना किरण को अपने घर से 15 किलोमीटर दूर कोचिंग छोड़ता था और उसे वापस भी लाता था। पति राजेश ने कहा-'शादी के 10 साल तक सब कुछ ठीक था। जैसे ही किरण की जॉब लगी, उसके बाद से चीजें बिगड़ने लगी। हम और किरण ने STET का फॉर्म भरा और क्वालीफाई होने के बाद मेरिट लिस्ट में भी नाम आ गया।' 'समस्या यह थी कि दोनों का अलग-अलग ब्लॉक मिला। दरभंगा के बिरौल में पत्नी और हाया घाट में मेरा नाम था। हमने फरवरी 2022 में जॉइन किया। हम दोनों बहेरी ब्लॉक में किराए का घर लेकर साथ रहने लगे, ताकि अपने-अपने स्कूल में जाने-आने में परेशानी ना हो।' पति ने आगे कहा, 'मैं अपनी पत्नी को स्कूल के लिए बस स्टैंड छोड़ने जाता था तो रविकांत भी वहीं खड़ा रहता था। किरण रात-रात भर रविकांत से बात करती थी। इसको लेकर विवाद शुरू हो गया।' 'मार्च 2023 से हमारा बेड अलग हो गया और किरण अलग सोने लगी थी। जून 2023 में किरण ने मुझसे काशी घूमने जाने की बात कही। मैंने मना किया तो उसने चोरी-छिपे अपना टिकट बनवा लिया और कहा कि उसके स्कूल से टीचर जा रही हैं।' 'मैंने टिकट को कैंसिल करवाने को कहा तो वह नहीं मानी। मेरा कंफर्म टिकट नहीं था फिर भी हम गए। स्टेशन पर मैंने देखा कि रविकांत भी मौजूद है और उसके साथ कुछ अन्य टीचर भी हैं। उन्होंने कहा कि हमारी बोगी अलग थी, लेकिन किरण ने कभी भी मेरा हाल चाल जानने की कोशिश नहीं की। वह रविकांत के साथ ही थी।' 'हैरानी की बात यह है कि वापसी में किरण ने अपना टिकट जमुई का कराया था, जहां रविकांत का घर है।'। वहीं, राजेश की पत्नी किरण का कहना है कि 'राजेश काफी मारपीट करता था। वह अपने फैसले को हमारे ऊपर थोपता था। पहली बच्ची बेटी हुई थी, इसका भी उसने काफी विरोध किया। वह बेटा चाहता था। इन्हीं सब बातों से विवाद होता था और यही वजह से अलग होना चाहती हूं।' महिला आयोग की अध्यक्ष अप्सरा मिश्रा ने कहा कि 'आवेदन सास ने दिया है। इसलिए हम पहले पति-पत्नी की काउंसलिंग करेंगे। अगली सुनवाई की तारीख 9 सितंबर है।'

अब तक का सबसे रोचक उपराष्ट्रपति पद का चुनाव?

संसद का मानसून सत्र शुरू होने के तुरंत बाद राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा हो गया। जिसके कारण रिक्त पद पर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव होने जा रहा है। इस्तीफा देने के बाद से पूर्व उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ अज्ञातवास में है। इस्तीफा के कारणों को लेकर भी तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इसी बीच उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई। संसद के दोनों सदनों में पहले ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद एसआईआर को लेकर दोनों सदनों में हंगामा होता रहा। सरकार ने बिना चर्चा के एक दर्जन से ज्यादा बिल हंगामा के बीच पास कर दिये। ऑपरेशन सिंदूर में दोनों सदनों में लगभग 16-16 घंटे की चर्चा हुई। इसके अलावा संसद में कोई कामकाज नहीं हुआ। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में जिस तरह की तनातनी चल रही है। इस बीच सरकार ने एक नया बिल पेश किया। इस बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया है। यदि यह बिल पास हो जाता है, तो केंद्र में जो भी सरकार होगी। वह विपक्षी दलों की राज्य सरकारों को या किसी भी प्रदेश की राजनीति को अपने ढंग से चलाने में सक्षम हो जाएगी। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय द्वारा विपक्षी दलों के नेताओं पर 5000 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनकी जांच चल रही है। कई नेता और अधिकारी जो नया बिल सरकार लेकर आ रही है उसके अनुसार 30 दिन कोई भी मुख्यमंत्री, मंत्री अथवा प्रधानमंत्री हिरासत में रहता है। ऐसी स्थिति में उसे उसके पद से हटाया जा सकता है। ईडी का जो कानून है, उसके अनुसार न्यायालय से जमानत मिलने का कोई प्रावधान नहीं है। ईडी के पास असीमित शक्तियां हैं। पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों के नेताओं के ऊपर जिस तरीके की कार्रवाई हुई है। उन्हें न्यायालय से जमानत नहीं मिल पाई। कई राज्यों में ईडी के कारण विपक्षी दलों की सरकार गिर गई या राजनीतिक अस्थिरता फैल गई। इस बिल को सभी क्षेत्रीय राजनीतिक दलों और विपक्षी दलों में इस बात का भय उत्पन्न हो गया है। यह बिल पास हो जाएगा, उसके बाद देश में विपक्षी राजनीतिक दलों और क्षेत्रीय दलों का कोई काम नहीं रह जाएगा। ऐसे विषम स्थिति पर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव होने जा रहा है। सत्ता पक्ष की ओर से महाराष्ट्र के राज्यपाल राधाकृष्णन को चुनाव मैदान में उतारा गया है। वह संघ एवं भाजपा से कई दशकों से जुड़े हुए हैं। झारखंड में हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री रहते हुए राजभवन से गिरफ्तार किया गया था। तब वह झारखंड के राज्यपाल थे। जगदीप धनखड़ भी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे। उन्हें प्रधानमंत्री मोदी ने उपराष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ाकर राज्यसभा का सभापति बना दिया था। राज्यसभा में उन्होंने किस तरीके से काम किया है। यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष जिस तरह से सरकार के ही इशारे पर संसदीय कार्य करते हैं। उससे संसदीय परंपरा में विपक्ष मरणासन्न अवस्था में पहुंच गया है। वर्तमान स्थिति में मोदी सरकार गठबंधन की सहायता से चल रही है। राहुल गांधी ने लोकसभा 2024 और विधानसभाओं के चुनावों में जिस तरह की गड़बड़ियां हुई हैं। इसको उजागर कर चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। सभी विपक्षी राजनीतिक दल, चुनाव आयोग के खिलाफ एकजुट है। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चल पा रही थी। इसी बीच सरकार द्वारा जो बिल संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किया गया है। उसमें 30 दिन तक कोई भी मुख्यमंत्री अथवा मंत्री गिरफ्तार किया जाता है, 30 दिन हिरासत में रहता है। ऐसी स्थिति में उसे बर्खास्त किया जा सकता है। इसको लेकर एनडीए गठबंधन में शामिल राजनीतिक दल भी सरकार के इस बिल को लेकर कहीं ना कहीं संशय में आ गए हैं। सत्ता पक्ष ने तमिलनाडु के सीपी राधा कृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में उम्मीदवार बनाया है। इंडिया गठबंधन में फूट डालने और सत्ता पक्ष ने तमिल की राजनीति में एक दांव चला था। विपक्ष ने उसको पहचाना, विपक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जो आंध्र प्रदेश से आते हैं। उन्हें उम्मीदवार बनाकर सत्ता पक्ष को कड़ी चुनौती दे दी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में शह और मात का जो खेल शुरू हुआ है, उसका परिणाम क्या होगा, कहना मुश्किल है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के दोनों उम्मीदवार एक दूसरे को कड़ी प्रतिस्पर्धा दे रहे हैं। जिस तरह का संघर्ष सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच देखने को मिल रहा है वह रोमांचकारी है। विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ सीधी लड़ाई में जनता की अदालत में लड़ाई लड़ रहा है। सत्ता पक्ष अभी तक संवैधानिक संस्थाओं और अदालतों के पीछे छिपकर जो खेल खेल रहा था, उसे विपक्ष ने समझ लिया है। विपक्ष जनता की अदालत में जाकर आर-पार की लड़ाई लड़ने की तैयारी में जुट गया है। चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर को लेकर जो नियम और कानून बनाए थे। राहुल गांधी ने कर्नाटक की एक लोक सभा सीट के एक विधानसभा सीट में चुनाव आयोग द्वारा की गड़बड़ी उजागर किया है। संविधान और लोकतंत्र बचाने की एक लड़ाई बन गया है। इस लड़ाई में उपराष्ट्रपति पद का चुनाव देश के भविष्य को तय करेगा। इसमें कोई संदेह नहीं है। विपक्षी एक जुटता ने सरकार के सामने कई चुनौतियां खड़ी कर दी है। खुदा ना खास्ता विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी यह चुनाव जीत जाते हैं, या बहुत कम वोटो से हारते हैं। ऐसी स्थिति में सरकार के लिए भविष्य में परेशानी खड़ी हो जाएगी। केन्द्र की अल्पमत की सरकार कितने दिन चलेगी। यह कहना मुश्किल होगा। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से जिस तरह से इस्तीफा लिया गया है। उसको लेकर भी सांसदों में एक डर और भय देखने को मिल रहा है। भविष्य में इसकी परणति किस रूप में होगी, कहना मुश्किल है। इतना तय है, सत्ता पक्ष और विपक्ष अपने अस्तित्व की अंतिम लड़ाई लड़ने जा रही है।

आध्यात्मिकता में माता-पिता का सर्वश्रेष्ठ स्थान

वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता में आस्था जग प्रसिद्ध है। अपने माता- पिता और बड़े बुजुर्गों का जितना सम्मान भारतीय संस्कृति में सदियों से प्रवाहित हो रहा है, शायद दुनियाँ में कहीं नहीं देखने को मिलेगा। परंतु दुर्भाग्य से कहना पड़ रहा है कि माता-पिता बड़े बुजुर्गों के सम्मान की इतनी धारदार कट्टरता अभी कुछ वर्षों से तीव्रता से कम होती जा रही है। याने पाश्चात्य संस्कृति की छाया भारतीय समाज में तीव्रता से बढ़ती जा रही है। आज माता-पिता अपने बच्चों को अपना पेट काटकर ऊंचे से ऊंची शिक्षा दिलाकर डॉक्टर इंजीनियर सीए सहित अनेक प्रोफेशनल डिग्रियां दिलाकर उच्च मुकाम पर पहुंचा रहे हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि कुछ अपवादों को छोड़कर उन्हीं नवयुवकों द्वारा अपने अपने माता-पिता को छोड़कर अपने भविष्य, अपनी जिंदगी,अपनी लाइफ स्टाइल के नाम पर बड़े शहरों, विदेशों में जॉब के नाम पर जाकर वहीं सेट हो जाते हैं। अनेक युवा वहीं शादी कर लेते हैं तो कुछ अपने नाटिव स्थान पर शादी करके फैमिली सहित वापस बड़े शहर या विदेश में चले जाते हैं और बेचारे मां-बाप वहीं अपनी तंगी हालत में जीते हैं। ऐसे अनेक हकीकत किस्से हर शहर, गांव में आम होते जा रहे हैं हमारी कॉलोनी में भी कई किस्से मेरी नजरों के सामने हैं जो बेचारे फटी पेंट या धोती पहन कर गुजारा कर रहे हैं और उनके बच्चे ब्रांडेड चीजों को वापरकर अपनी पाश्चात्य लाइफ स्टाइल जी रहे हैं जिसका कोई फायदा नहीं है। मेरा मानना है कि ऐसे युवक इस नाइंसाफी का बीज बो रहे हैं जो आगे चलकर अपने बच्चों से वटवृक्ष के रूप में परेशानियों से भरा पाएंगे। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे आओ अपने माता-पिता बड़े बुजुर्गों वृद्धजनों का सम्मान और उनकी देखभाल करें। हम लोग पूजा-पाठ बहुत करते हैं, लेकिन हमें सकारात्मक फल नहीं मिल पाते हैं। मेरा मानना है कि सिर्फ पूजा से जीवन में सुख-शांति नहीं मिल सकती है। अपना आचरण भी अच्छा बनाए रखना जरूरी है। हम लोग माता-पिता का सम्मान नहीं करते हैं और सिर्फ पूजा-पाठ करते हैं, तो हमें सुख शांति नहीं मिल पाती है। देवी-देवता भी उन्हीं लोग पर कृपा करते हैं जो अपने माता-पिता का पूरा सम्मान करते हैं और उनके सुख-दुख का ध्यान रखते हैं। बात अगर हम माता पिता वृद्धजनों की अवहेलना की करें तो, एक पेड़ जितना ज्यादा बड़ा होता है, वह उतना ही अधिक झुका हुआ होता है, यानें वह उतना ही विनम्र और दूसरों को फल देने वाला होता है। यही बात समाज के उस वर्ग के साथ भी लागू होती है,जिसे आज की तथाकथित युवा तथा उच्च शिक्षा प्राप्त पीढ़ी बूढ़ा कहकर वृद्धाश्रम में छोड़ देती है। वह लोग भूल जाते हैं कि अनुभव का कोई दूसरा विकल्प दुनिया में है ही नहीं। अनुभव के सहारे ही दुनिया भर में बुजुर्ग लोगों ने अपनी अलग दुनिया बना रखी है। जिस घर को बनाने में एक इंसान अपनी पूरी जिंदगी लगा देता है, वृद्ध होने के बाद उसे उसी घर में एक तुच्छ वस्तु समझ लिया जाता है। बड़े बूढ़ों के साथ यह व्यवहार देखकर लगता है जैसे हमारे संस्कार ही मर गए हैं। बुजुर्गों के साथ होने वाले अन्याय के पीछे एक मुख्य वजह सामाजिक प्रतिष्ठा मानी जाती है। सब जानते हैं कि आज हर इंसान समाज में खुद को बड़ा दिखाना चाहता है और दिखावे की आड़ में बुजुर्ग लोग उसे अपनी सुंदरता पर एक काला दाग़ दिखते हैं। बड़े घरों और अमीर लोगों की पार्टी में हाथ में छड़ी लिए और किसी के सहारे चलने वाले बुढ़ों को अधिक नहीं देखा जाता, क्योंकि वह इन बूढ़े लोगों को अपनी आलीशान पार्टी में शामिल करना तथाकथित शान के ख़िलाफ़ समझते हैं। यही रुढ़िवादी सोच उच्च वर्ग से मध्यम वर्ग की तरफ चली आती है। आज के समाज में मध्यम वर्ग में भी वृद्धों के प्रति स्नेह की भावना कम हो गई है।

अमेरिका, भारत-रूस और तेल व्यापार : इसे इस नजरिए से भी दखिए!

> भारत सरकार ने अमेरिका की इस नीति का विरोध भी किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत की तेल खरीद जरूरत के हिसाब से है, और पश्चिमी देश खुद भी रूस से कुछ व्यापार जारी रखे हुए हैं। यानी, जो काम अमेरिका और यूरोप खुद करें तो सही, लेकिन भारत करे तो गुनाह। भारत ने साफ कर दिया है कि वह अपनी जनता को सस्ता ऊर्जा स्रोत देने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। यही भारत का अधिकार है और यही किसी भी संप्रभु राष्ट्र की स्वतंत्रता का हिस्सा है। आज जिस तरह के आंकड़े सामने आ रहे हैं, उससे पता चलता है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज और अन्य निजी कंपनियाँ भी रूस से तेल खरीदकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पाद बेच रही हैं। इससे भारत को विदेशी मुद्रा आय हुई है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

आज की दुनिया में ऊर्जा सिर्फ एक वस्तु नहीं है, बल्कि हर देश की आर्थिक रीढ़ और सामरिक शक्ति का आधार है। तेल और गैस वैश्विक राजनीति के सबसे अहम औज़ार बन चुके हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए, लेकिन इसने रूस को रोकने के बजाय उसे नए बाज़ारों की ओर मोड़ दिया। भारत और चीन जैसे बड़े उपभोक्ता देशों के लिए यह एक अवसर बनकर आया। भारत, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, उसने रूस से रिकॉर्ड स्तर पर सस्ता कच्चा तेल खरीदना शुरू किया। आज यही बात अमेरिका को खटक रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25% से बढ़ाकर 50% तक अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, सिर्फ इसलिए कि भारत अपनी जनता और उद्योग को रूस से सस्ता तेल खरीदकर राहत दे रहा था। जबकि चीन, जो रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है, उस पर अमेरिका ने अपेक्षाकृत नरमी बरती। यही नहीं, चीन के रिफाइनर रूस से पश्चिमी हिस्से का यूराल तेल खरीदकर और भी फायदा उठा रहे हैं। अगस्त 2025 के आँकड़ों के अनुसार, चीन ने लगभग 75,000 बैरल प्रतिदिन यूराल तेल खरीदा, जबकि उसका औसत पहले 40,000 बैरल था। दूसरी तरफ, भारत का आयात घटकर 4 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जबकि पहले यह 11.8 लाख बैरल प्रतिदिन था।

आज भारत के लिए रूस से तेल खरीदने के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। पहला, कीमत। जब पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए, तो रूस ने तेल पर भारी छूट देनी शुरू की। 2022–23 में रूस भारत को 20 लाख बैरल प्रतिदिन तक तेल बेच रहा था, और यह तेल मध्य पूर्व की तुलना में 20–30 डॉलर प्रति बैरल सस्ता था। दूसरा कारण है ऊर्जा सुरक्षा। भारत की कुल ऊर्जा खपत का 85% हिस्सा आयात से आता है। ऐसे में सस्ती सप्लाई पाना भारत के लिए सिर्फ विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता थी। अगर अमेरिका यह कहता है कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर मुनाफा कमा रहा है, तो इसमें गलत क्या है? क्या अमेरिका की तेल कंपनियाँ केवल मानव सेवा के लिए काम करती हैं? क्या अमेरिकी शेल ऑयल इंडस्ट्री सिर्फ घाटे में चलाने के लिए बनाई गई है? बिल्कुल नहीं। दुनिया का हर देश और हर कंपनी मुनाफे के लिए ही काम करती है, फिर भारत के मुनाफे पर अमेरिका की आपत्ति क्यों? व्हाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो ने भारत की तेल खरीद को "OPPORTUNISTIC AND VERY BAD" कहा। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने तो यहाँ तक कह दिया कि भारत रूसी तेल खरीदकर सिर्फ अमीर भारतीय परिवारों को फायदा पहुँचा रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारत ने 16 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त मुनाफा कमाया है। लेकिन अगर यही तर्क मान लिया जाए, तो अमेरिका की शेल गैस कंपनियाँ, तेल निर्यातक, हथियार निर्माता और फार्मा कंपनियाँ भी तो मुनाफा ही कमा रही हैं। तो फिर भारत के मुनाफे पर इतनी तकलीफ क्यों? असलियत यह है कि अमेरिका दुनिया की ऊर्जा राजनीति पर अकेले अपना दबदबा बनाए रखना चाहता है। यहाँ यह भी समझना जरूरी है कि भारत की रूस पर निर्भरता कोई स्थायी नहीं है, बल्कि व्यावहारिक है। भारत 2021 तक रूस से अपनी ज़रूरत का केवल 1% से भी कम तेल खरीदता था। लेकिन पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद रूस ने डिस्काउंट देना शुरू किया और भारत ने इसका फायदा उठाया। इससे भारतीय जनता को महंगे पेट्रोल-डीज़ल से कुछ राहत मिली और रिफाइनरी कंपनियों को भी प्रतिस्पर्धी बढ़त मिली। लेकिन जैसे ही अमेरिका ने दबाव बनाया और टैरिफ बढ़ाया, भारत की खरीद कम हो गई। परिणाम यह हुआ कि चीन ने यह अवसर तुरंत लपक लिया और रूस से ज्यादा तेल खरीदना शुरू कर दिया। क्या अमेरिका को इस पर आपत्ति है? नहीं। क्यों? क्योंकि चीन से टकराने की अमेरिका की हिम्मत नहीं है। अमेरिका की नीति का एक और पहलू यह है कि वह भारत पर दबाव डालकर अपने तेल को बेचने का रास्ता साफ करना चाहता है। आंकड़े बताते हैं कि 2025 की पहली छमाही में भारत का अमेरिका से तेल आयात 51% बढ़कर 2.71 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुँच गया था, सबसे बड़ी बात यह है कि यह वृद्धि 2024 की पहली छमाही में 1.8 लाख बैरल प्रति दिन की तुलना में काफी अधिक है, फिर भी उसका मन नहीं भर रहा है। यानी, अमेरिका चाहता है कि भारत किसी भी सूरत में रूस से तेल न खरीदे और मजबूरी में उससे खरीदे। यह एक प्रकार का आर्थिक ब्लैकमेल है। भारत को सस्ते विकल्प छोड़कर महंगे विकल्प अपनाने के लिए मजबूर करना किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता।

भारत सरकार ने अमेरिका की इस नीति का विरोध भी किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत की तेल खरीद जरूरत के हिसाब से है, और पश्चिमी देश खुद भी रूस से कुछ व्यापार जारी रखे हुए हैं। यानी, जो काम अमेरिका और यूरोप खुद करें तो सही, लेकिन भारत करे तो गुनाह। भारत ने साफ कर दिया है कि वह अपनी जनता को सस्ता ऊर्जा स्रोत देने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। यही भारत का अधिकार है और यही किसी भी संप्रभु राष्ट्र की स्वतंत्रता का हिस्सा है। आज जिस तरह के आंकड़े सामने आ रहे हैं, उससे पता चलता है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज और अन्य निजी कंपनियाँ भी रूस से तेल खरीदकर अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में पेट्रोलियम उत्पाद बेच रही हैं। इससे भारत को विदेशी मुद्रा आय हुई है। अगर चीन यही काम करे तो उसे "व्यापारिक चतुराई" कहा जाता है, लेकिन भारत करे तो उसे "खतरनाक" कहा जाता है। यह भेदभाव अब दुनिया की नज़र से छिपा नहीं है। वस्तुतः अमेरिका यह चाहता है कि ऊर्जा संसाधनों का उपयोग उसकी विदेश नीति के औज़ार के रूप में हो। रूस को कमजोर करना, चीन को नियंत्रित करना और भारत को अपने खेमे में बनाए रखना, यह उसकी रणनीति है। लेकिन नया विश्व, जिसे हम GLOBAL SOUTH कहते हैं, अब इस दबाव को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका जैसे देश अब बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं।

विधेयक पर हंगामा क्यों, जब मुद्दा है राजनीतिक शुचिता का

> भारतीय लोकतंत्र में पिछले कुछ वर्षों से राजनीति और अपराध के गठजोड़ को लेकर गहरी चिंता लगातार उठती रही है। जनता बार-बार यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वे संसद और विधानसभा भेजते हैं, वे न केवल ईमानदार और पारदर्शी हों बल्कि उनके चरित्र और आचरण पर कोई दाग न हो। किंतु बार-बार यही देखने को मिलता है कि गंभीर आपराधिक मामलों में फंसे नेता भी उच्च पदों पर बने रहते हैं और शासन-सत्ता का उपयोग अपने बचाव के लिए करते हैं। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार द्वारा संसद में पेश किया गया नया विधेयक (संविधान का 130वां संशोधन) एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है, केन्द्र सरकार इन विधेयकों को भ्रष्टाचार एवं अपराध विरोध बता रही है, जबकि विपक्ष इससे सहमत नहीं।

ललित गर्ग

गंभीर आपराधिक आरोपों में घिरे नेता चाहे वे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं मंत्री ही क्यों न हो, उनकी गिरफ्तारी या हिरासत के बाद एक निश्चित अवधि बीत जाने पर हटाने की व्यवस्था वाले विधेयक को जब केन्द्र सरकार ने लोकसभा में प्रस्तुत किया तो जरूरत से ज्यादा हंगामा एवं विरोध समझ में नहीं आया। इस तरह ईमानदार, अपराधमुक्त राजनीति एवं चरित्रसम्पन्न-पवित्र राजनेताओं की पैरवी वाले विधेयक पर हंगामा लोकतंत्र की गरिमा को आहत करता है। गृहमंत्री अमित शाह ने सूझबूझ का परिचय देते हुए अपनी ओर से इन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वीकार भी कर लिया, अब तो विपक्ष को विरोध एवं हंगामें को विराम देते हुए इस पर विचार करना चाहिए कि आखिर ऐसी ईमानदार, समानतापूर्ण एवं आदर्श व्यवस्था क्यों नहीं बननी चाहिए, जिससे उच्च पदों पर बैठे नेताओं के गंभीर अपराधों में गिरफ्तारी अथवा हिरासत में लिये जाने पर उनके लिये पद छोड़ना आवश्यक हो जाये? आखिर इस आदर्श व्यवस्था में समस्या क्या है? क्यों विपक्ष नैतिक एवं आदर्श राजनीतिक व्यवस्था में अवरोधक बनकर अपने नैतिक चरित्र पर प्रश्न खड़े कर रहा है? क्या इस विधेयक का असर सत्तापक्ष के नेताओं पर नहीं होगा? आजादी के बाद से कतितय राजनीतिक विसंगतियों के चलते राजनीति में अपराधी तत्वों का वर्चस्व बना रहा है। जनता यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वह अपना प्रतिनिधि चुनती है, वे अपराधमुक्त, निष्कलंक, ईमानदार और चरित्रवान हों। परन्तु स्थिति इसके विपरीत दिखती रही है। एक ओर जनप्रतिनिधि अपराधों में संलिप्त पाए जाते हैं, दूसरी ओर वे पद से इस्तीफा देने या सार्वजनिक जीवन से दूर रहने के बजाय सत्ता की कुर्सी से चिपके रहते हैं। यही प्रवृत्ति जनता के विश्वास को तोड़ती है और राजनीति को संदेह के घेरे में डाल देती है। यह प्रश्न अब और गंभीर हो उठा है कि क्या ऐसे व्यक्तियों को शासन और सत्ता के उच्च पदों पर बने रहने का अधिकार होना चाहिए? क्या लोकतंत्र का आधार अपराध और भ्रष्टाचार पर खड़ा किया जा सकता है? निश्चित ही नहीं। जब तक राजनीति से अपराधी तत्वों का निष्कासन नहीं होगा, तब तक न तो सुशासन स्थापित हो सकता है न ही नया भारत, विकसित भारत एवं आदर्श भारत बन सकता है और न ही राजनीति के प्रति जनता का भरोसा लौट सकता है।

आज समय आ गया है कि नए कानून बनाकर राजनीति को अपराधमुक्त बनाने की दिशा में ठोस एवं कारगर कदम उठाए जाएं। यह केवल चुनाव सुधार का मामला नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने का प्रश्न है। ऐसे प्रावधान होने चाहिए कि जिस क्षण कोई जनप्रतिनिधि गंभीर अपराध में आरोपित होकर जेल भेजा जाए या आरोप सिद्ध होने तक हिरासत में रहे, वह स्वचालित रूप से अपने पद से मुक्त हो जाए। इस्तीफे की प्रतीक्षा या राजनीतिक दबाव की आवश्यकता ही न रहे। अनेक नेताओं ने ऐसा आदर्श प्रस्तुत भी किया, लेकिन आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा आदि अनेक पार्टियों के नेताओं ने जेल से सरकारें चलाने एवं मंत्री पद पर बने रहने के काले अध्याय रचे हैं, इसी के चलते इस नये विधेयक की अपेक्षा सामने आई।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में स्वच्छ राजनीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। जब सत्ता और शासन के केंद्र में अपराधी मानसिकता के लोग बैठते हैं, तो वे शासन को अपने स्वार्थ और अपराधों की ढाल बना लेते हैं। इससे न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था खोखली होती है, बल्कि आम जनता का जीवन भी संकट में पड़ता है। भ्रष्टाचार, धनबल, बाहुबल, भाई-भतीजावाद, हिंसा और अनैतिकता का वातावरण उसी समय पनपता है, जब राजनीति अपराधियों के कब्जे में जाती है। ईमानदार और स्वच्छ छवि वाले नेताओं की मांग आज पहले से अधिक बढ़ गई है। जनता ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो अपने आचरण से उदाहरण प्रस्तुत करे। राजनीति यदि सेवा और त्याग का माध्यम बनेगी तो ही समाज का कल्याण होगा। जिन नेताओं पर जरा भी संदेह का धुंधलका हो, उन्हें स्वयं स्वेच्छा से पद छोड़ देना चाहिए। यही परंपरा राजनीति को उच्चता और गरिमा प्रदान कर सकती है।

अपराधमुक्त राजनीति केवल नैतिक अपेक्षा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूरी है। जब तक राजनीति में शुचिता और नैतिकता का स्थान नहीं बनेगा, तब तक सुशासन और ईमानदार प्रशासन की कल्पना अधूरी ही रहेगी। नए कानूनों का निर्माण कर अपराधियों के लिए राजनीति के दरवाजे बंद करना समय की सबसे बड़ी मांग है। यह कदम न केवल लोकतंत्र को सुदृढ़ करेगा, बल्कि जनता के भीतर यह विश्वास भी जगाएगा कि राजनीति वास्तव में लोककल्याण के लिए है, न कि अपराधियों की शरणस्थली। यही अपराधमुक्त राजनीति का दर्शन है, जहां सत्ता अपराधियों का आश्रय-स्थल न होकर समाज की नैतिक ऊर्जा का केंद्र बने। यही उसकी सबसे बड़ी उपयोगिता है कि वह लोकतंत्र को उसकी वास्तविक आत्मा लौटाए और राजनीति को सेवा, शुचिता और ईमानदारी का प्रतीक बनाए।

भारतीय लोकतंत्र में पिछले कुछ वर्षों से राजनीति और अपराध के गठजोड़ को लेकर गहरी चिंता लगातार उठती रही है। जनता बार-बार यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वे संसद और विधानसभा भेजते हैं, वे न केवल ईमानदार और पारदर्शी हों बल्कि उनके चरित्र और आचरण पर कोई दाग न हो। किंतु बार-बार यही देखने को मिलता है कि गंभीर आपराधिक मामलों में फंसे नेता भी उच्च पदों पर बने रहते हैं और शासन-सत्ता का उपयोग अपने बचाव के लिए करते हैं। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार द्वारा संसद में पेश किया गया नया विधेयक (संविधान का 130वां संशोधन) एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है, केन्द्र सरकार इन विधेयकों को भ्रष्टाचार एवं अपराध विरोध बता रही है, जबकि विपक्ष इससे सहमत नहीं। उनकी असहमति अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रही है कि आखिर विपक्ष दागियों की वकालत करते हुए वह स्वयं भी दागी क्यों बन रही है? आशंका जताई जा रही है कि यदि यह संशोधन पारित हो गया तो विपक्ष-शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और मंत्री अस्थिर हो सकते हैं, उनके पद संकट में पड़ सकते हैं। दरअसल यह विरोध केवल विधेयक का नहीं बल्कि अपनी राजनीतिक सुविधा, अपनी सत्ता बचाने और सुरक्षा का है। प्रश्न यह उठता है कि क्या विपक्ष वास्तव में अपराधमुक्त राजनीति नहीं चाहता? क्या केवल सत्ता में बने रहने के लिए राजनीति को अपराधियों का अड्डा बनाए रखना आवश्यक है? विपक्ष का तर्क है कि सरकार इस विधेयक का दुरुपयोग कर सकती है, और केवल आरोप लगाकर भी नेताओं को पद से हटाया जा सकता है। लेकिन सच्चाई यह है कि लोकतंत्र में जब तक कानून कठोर और स्पष्ट नहीं होगा, तब तक राजनीति से अपराध का सफाया संभव नहीं है। यदि किसी निर्दोष व्यक्ति पर आरोप गलत सिद्ध होता है तो उसके लिए पुनः प्रतिष्ठा अर्जित करने के रास्ते खुले रहेंगे, परंतु गंभीर आरोपियों को शासन की कुर्सी पर बने रहने देना लोकतंत्र के साथ अन्याय है, उसकी मूल आत्मा को ध्वस्त करना है। ऐसा अरविन्द केजरीवाल ने पहली बार किया और जेल से ही सरकार चलाने का दम भरते रहे। आज देश 'विकसित भारत' के संकल्प की ओर बढ़ रहा है। विकसित भारत का सपना केवल तकनीकी प्रगति या आर्थिक मजबूती से पूरा नहीं होगा, बल्कि इसके लिए स्वच्छ, ईमानदार और पारदर्शी राजनीति आवश्यक है।

इंदौर : अधूरे वादे और जनता की मुश्किलें

इंदौर जो अपनी तेज विकास गति के लिए जाना जाता है, आज भी कुछ बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसी ही एक समस्या सिंगापुर टाउनशिप रेलवे क्रॉसिंग पर है, जहां सालों से एक ओवरब्रिज की मांग की जा रही है। यह सिर्फ एक पुल का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह शासन-प्रशासन के अधूरे वादों और जनता की वास्तविक जरूरतों के बीच के अंतर को दर्शाता है। बारिश के मौसम में इस अंडरपास में पानी भर जाता है, जिससे 80 हजार से अधिक निवासियों का जीवन थम सा जाता है। यह एक वार्षिक समस्या है, जिसका हर बार केवल तात्कालिक समाधान किया जाता है। मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री तक ने ओवरब्रिज बनाने की घोषणा की, 41 करोड़ की राशि की बात हुई और रेलवे से भी स्वीकृति मिली, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। अब रेलवे ने अंडरपास को ही चौड़ा करने की योजना बनाई है, जो जनता की मांग के विपरीत है। यह कैसा समाधान है? जब जरूरत ओवरब्रिज की है, तो अंडरपास को चौड़ा करने से क्या समस्या का स्थायी हल निकल पाएगा? यह निर्णय यह भी दिखाता है कि प्रशासन अक्सर सबसे आसान रास्ता चुनता है, भले ही वह जनता के लिए दीर्घकालिक समाधान न हो। निवासियों द्वारा लोक निर्माण विभाग के सर्वे पर सवाल उठाना भी जायज है। जब ओवरब्रिज बनाने के लिए खाली जमीन उपलब्ध है, तो सघन क्षेत्र के बीच से प्रस्ताव क्यों लाया गया, जिससे अतिक्रमण और इमारतों को खतरा हो? यह कदम यह दर्शाता है कि प्रशासन जनता की राय को गंभीरता से नहीं लेता है। इंदौर को अगर सच में एक स्मार्ट सिटी बनना है, तो उसे ऐसी सतही सोच से बाहर निकलना होगा। समस्याओं को जड़ से खत्म करने के लिए ठोस और दूरगामी योजनाएं बनानी होंगी, न कि सिर्फ तात्कालिक राहत पर ध्यान देना होगा। सिंगापुर टाउनशिप का यह अधूरा ओवरब्रिज सिर्फ एक निर्माण परियोजना नहीं, बल्कि प्रशासन की प्राथमिकताओं और कार्यशैली पर एक बड़ा सवाल है।

किशमिश का पानी है कई रोगों का इलाज

किशमिश के पानी सेहत के लिए बेहद लाभकारी होता है। इससे पेट की एक-दो नहीं बल्कि कई बीमारियां दूर हो जाती है। किशमिश में मौजूद तत्व शरीर की पूरी गंदगी को बाहर निकाल देते हैं और इससे आपका पेट पूरी तरह साफ हो जाता है और कब्ज, गैस आदि की दिक्कत नहीं होती है। सुबह खाली पेट पानी पीने से शरीर को कई तरह के फायदे होते हैं, लेकिन किशमिश का पानी सेहत के लिए और भी फायदेमंद होता है। किशमिश में कुछ ऐसे गुण होते हैं जो कि पानी के साथ मिलकर ज्यादा असरदार हो जाते हैं। इसके लिए रात के समय एक गिलास पानी में 8 से 10 किशमिश भिगोकर रख दें और सुबह इसे अच्छी तरह पीस लें। अगली सुबह किशमिश छान कर पानी को पीने लायक गरम करें और इसे खाली पेट पिएं। किशमिश का पानी पीने के बाद 30 से 35 मिनट तक इंतजार करें और फिर नाश्तात करें। किशमिश का पानी लीवर में बायोकैमिकल प्रोसेस शुरु करता है, जिससे खून तेजी साफ से होने लगता है। इसके अलावा किशमिश में आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसलिए इसे स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है। किशमिश में प्राकृतिक शुगर भी प्रचुर मात्रा में पाई जाती है। किशमिश का पानी पीने के और भी फायदे।

दांतों के लिए : किशमिश में ऑलियानॉलिक एसिड होता है जो कि फाइटोकेमिकल्स में से एक है और यह दांतों को केविटी और कई दिक्कतों से बचाता है। साथ ही किशमिश दांतों में बैक्टिरिया फैलने से रोकता है और दांतो को सुरक्षित रखता है। इसमें केल्शियम की मात्रा बहुत अधिक होती है और यह आपके दांतो को टूटने से बचाता है।

स्किन के लिए : किशमिश के पानी में फ्लेवेनॉइड्स एंटी ऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो स्किन पर होने वाली झुर्रियों को तेजी से कम करने में सहायक है। यह बढ़ती उम्र के निशान को कम कर आपको जवां दिखने में मदद करता है।

सांसों की बदबू के लिए: किशमिश में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। इससे बैक्टीरिया से लड़ने में सहायता मिलती है और मुंह से आने वाली बदबू दूर होती है। इसके अलावा इसका उपयोग कई हेल्थ टॉनिक में भी किया जाता है।

पेट संबंधी रोगों के लिए: किशमिश के पानी से पेट की एक-दो नहीं बल्कि कई बीमारियां दूर हो जाती है। किशमिश में मौजूद तत्व शरीर की पूरी गंदगी को बाहर निकाल देते हैं और इससे आपका पेट पूरी तरह साफ हो जाता है और कब्ज, गैस आदि की दिक्कत नहीं होती है। साथ ही इसके नियमित सेवन से थकान भी दूर रहती है और पाचन तंत्र मजबूत होता है।

हार्ट प्रॉब्लम के लिए: हर रोज किशमिश का पानी उन लोगों के लिए बहुत अधिक फायदेमंद है जो अधिक कोलेस्ट्रॉल लेवल की वजह से परेशान हैं और उन्हें कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दरअसल किशमिश का पानी शरीर में ट्राईग्लिसेराइड्स के स्तर को कम करने में मददगार है। इससे आपके शरीर में हर्ट संबंधी बीमारियां होने का खतरा कम हो जाता है।

आंखों के लिए : किशमिश में पॉलीफेनॉलिक फायटोन्यूट्रिंस होते हैं जो कि एंटी ऑक्सिडेंट होते हैं और यह आंखों की आई साइड को ठीक रखने में मदद करती है। इसमें कई तरह के एंटी बॉयटिक और एंटी ऑक्सौडेंट फिनॉलिक पायथोन्यूट्रियंट तत्व होते हैं जो कि बुखार को भी ठीक कर देते हैं।

संक्रमण से होती है आंखें लाल

आंख लाल होने की समस्या तब होती है जब आंख की सतह पर मौजूद रक्त वाहिकाएं फैलती हैं या चौड़ी होती हैं। ऐसा तब होता है जब आपकी आंख में कोई बाहरी चीज चली जाती है या कोई संक्रमण होता है। आंख आमतौर पर कुछ समय के लिए लाल हो जाती हैं। इसके साथ आंख में दर्द, आंखों में खुजली, रिसाव, आंखों की सूजन और धुंधला दिखना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। आंख लाल होने में या तो आंखों का पूरा सफेद हिस्सा लाल दिखने लगता है या कुछ रक्त वाहिकाएं सूज कर लाल हो जाती हैं। अगर आपकी आंख ठीक नहीं होती और लाली बढ़ती है, तो अपने डॉक्टर के पास जाएं।

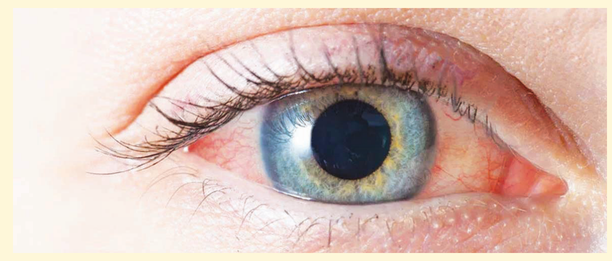

लक्षण

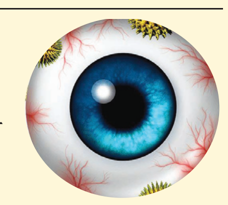

- आंख में खुजली होना
- आंख से ज्यादा आंसू आना
- आंख से रिसाव होना
- प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता
- धुंधला दिखना
- नजर कमजोर होना
- एक या दोनों आंखों में किरकिराहट महसूस होना
- देखने या पढ़ने के बाद असहजता महसूस होना

कारण

इन कारणों से लाल होती हैं आंखें

- सूखे बाल
- मिट्टी
- ऐलर्जी

ऐसी स्थिति में डॉक्टर को दिखाएं

- आंख में हाल ही में चोट लगी है
- अगर आप नजर में बदलाव, प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता,
- तेज सिरदर्द जैसे लक्षण अनुभव कर रहे हों।
- ज्यादा दर्द हो रहा हो।
- सिर पर चोट लगी हो।
- किसी रसायन से आंख में चोट पहुंची हो

बचाव

- आंखों को न मलें। आंखें मलने से इंफेक्शन व ऐलर्जी करने वाले बैक्टीरिया चले जाते हैं।
- जोर से आंख मलने से कॉर्निया में खरोंच और सबकन्जंक्टिवाईटल हेमरेज हो सकता है।
- धुएं, भाप, पराग, मिट्टी और क्लोरीन जैसे उत्तेजक पदार्थो से दूर रहें।
- अपने कॉन्टैक्ट लेंस की सही से देखभाल करें।
- कॉन्टैक्ट लेंस को ज्यादा समय तक न पहनें.

खाली पेट इनका इस्तेमाल होता है घातक

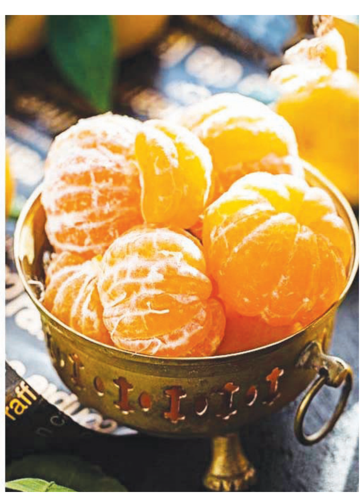

सुबह-सुबह ऑफिस भागने की जल्दबाजी में हम कुछ भी खाली पेट खाकर ऑफिस के लिए निकल जाते हैं। आपकी यह आदत सेहत पर भारी पड़ सकती है. विशेषज्ञ कुछ चीजों को खाली पेट खाने से मना करते हैं. हालिया शोध में अब इस बात को साबित भी कर दिया गया है। आइये जानते हैं कौन सी वो चीजें हैं, जिन्हें कभी भी खाली पेट नहीं खानी चाहिए...

मसालेदार खाना

सुबह-सुबह ब्रेकफास्ट में कभी भी स्पाईसी या बहुत मीर्च वाली चीजें नहीं खानी चाहिए. इससे पूरे दिन पेट में एसिडिटी बनती है और यह अल्सर की वजह भी बन सकता है.

सॉफ्ट ड्रिंक

सॉफ्ट ड्रिंक्स खास तौर से कोल्ड ड्रिंक्स खाली पेट कभी न पीयें. इनमें उच्च मात्रा में कार्बोनेट एसिड होता है. यह पेट के एसिड से मिलकर गंभीर परेशानी का कारण बन सकते हैं. इसके अलावा आपको गैस और उल्टी की समस्या भी झेलनी पड़ सकती है।

ठंढ़े पेय पदार्थ

खाली पेट गलती से भी ठंढ़े पेय पदार्थ, जिन्हें हम कोल्ड बेवरेज कहते हैं, नहीं पीने चाहिए. जैसे कि कोल्ड कॉफी या कोल्ड ड्रिंक्स आदि. यह आपके पेट के मुकस मेम्ब्रेन यानी कि पेट की उस झिल्ली को नुकसान पहुंचाता है, जो पाचन क्रिया में मददगार होती है. खाली पेट ठंढ़े पेय पीने से डायजेशन धीमा हो जाता है. इसकी जगह आप गर्म ग्रीन टी या हल्का गर्म पानी पी कर अपने दिन की शुरुआत कर सकते हैं।

खट्टे फल

खीली पेट खट्टे फल ना खायें. जैसे कि संतरा, नींबू, अमरूद आदि खाली पेट न खायें. इससे पेट में एसिड बनती है. ये बात ठीक है कि इससे आपको फाइबर और फ्रुक्टोज भी मिलेगा, लेकिन इससे आपका पाचन तंत्र भी धीमा हो जाएगा. इसलिए इन्हें खाली पेट न खायें।

कॉफी

खाली पेट कॉफी पीना भी आपकी सेहत पर भारी पड़ सकता है. इसकी वजह से आपको एसिडिटी हो सकती है. दरअसल, कॉफी हाइड्रोक्लोरिक एसिड के स्राव को रोकता है, जिसकी वजह से हमारा डायजेस्टिरव सिस्टम ठीक चलता है और गैस्ट्रिइक की समस्या रहने लगती है।

कॉफी पीने से दिल की बिमारियों का खतरा होता है कम

अगर आप कॉफी पीते हैं तो आपको दिल की बिमारियों का खतरा कम होता है। एक अध्ययन रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि दिन में चार कप कॉफी पीने से दिल की बीमारियों की वजह से होने वाली मौत का खतरा दो तिहाई कम किया जा सकता है। शोधकर्ताओं ने यह अध्ययन 20,000 लोगों पर किया है.

शोधकताओं ने अध्ययन के दौरान पाया कि कॉफी पीने से शरीर की प्रतिरोधकत क्षमता बढ़ती है। यह दिल की सेहत के लिए अच्छा है और कैंसर से बचाव करती है।

शोधकर्ता और कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अडेला नावोरों ने बताया कि मैं यह सलाह दूंगा कि लोगों को खूब कॉफी पीनी चाहिए। इससे उनका दिल सेहतमंद रहेगा और कैंसर का खतरा भी कम होगा।

यह अध्ययन 20,000 लोगों पर 10 साल तक किया गया1 इसके अलावा पिछले महीने 5,20,000 लोगों पर हुए एक अध्ययन में पाया गया कि कॉफी लीवर की सेहत सुधारने में भी कारगर है।

कॉफी में दरअसल, कई तरह के यौगिक पाए जाते हैं, जो शरीर के संपर्क में आते ही एक एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करने लगते हैं हालांकि शोधकर्ताओं ने बहुत ज्यादा कॉफी पीने से भी मना किया है। शोधकर्ताओं के अनुसार दिन में अधकितम 4 कप कॉफी काफी है. इससे ज्यादा कॉफी पीने से नुकसान पहुंच सकता है।

यूरोपियन फूड सेफ्टी एजेंसी की सलाह मानें तो रोजाना किसी भी व्यक्तित को 0.4 ग्राम से ज्यादा कैफीन का सेवन नहीं करना चाहिए. यानी कि आप अगर एस्प्रेस्सो कॉफी पीते हैं तो दिन में 5 कप और अगर इंस्टेंट कॉफी पीते हैं तो 4 कप से ज्यादा कॉफी ना पीयें।

शुगरफ्री मिठाई से कम रहता है डायबिटीज का खतरा

मिठाईयां और मीठे व्यंजन सभी को पसंद होते हैं पर इसके अधिक सेवन से उन्हें डायबिटीज जैसी बीमारी होने का खतरा भी बना रहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे में लोगों को शुगर-फ्री मिठाई का सेवन करना चाहिये।

बेसन लड्डूः बेसन, घी और ढेर सारी चीनी से बना बेसन का लड्डू कार्फी लोगों को पसंद होता है, हालांकि आजकल इसका शुगर-फ्री विकल्प भी उपलब्ध है, जिसमें चीनी बिल्कुल नहीं होती और खाने में यह अच्छा होता है।

खजूर रोलः कैलोरी को लेकर सचेत रहने वाले लोगों के लिए खजूर अच्छा विकल्प है1 आप बादाम के टुकड़ों के साथ खजूर रोल खा सकते हैं, जो आपके स्वास्थ्य के लिए भी बढ़िया है।

अंजीर बर्फीः अंजीर को दुनियाभर में काफी हेल्दीव माना जाता है। यह पाचन में सुधार कर मधुमेह को नियंत्रित करता है। इस फल को अंजीर की बर्फी के रूप में भी खाया जा सकता है, जिसमें रिफाइंड शुगर बिल्कुल नहीं होता है। यह मिठाई काजू, बादाम, पिस्ता, अंजीर, घी और शहद से बनाई जाती है, जो बच्चों और बड़ों दोनों के लिए स्वास्थ्यवर्धक है।

फिनीः फिनी एक पारंपरिक राजस्थानी मिठाई है. यह मुख्य रूप से राजस्थान के बीकानेर में मिलती है. इसे आटे, चीनी और शुद्ध घी से बनता है, लेकिन आजकल शहद से तैयार शुगर-फ्री फिनी भी मिलने लगी है, जिसका आप लुत्फ ले सकते हैं।

लौकी का हलवाः आप इसका सेवन भी कर सकते हैं. इसे सिर्फ एक छोटा चम्मच घी, लौकी, कम वसा वाले दूध, इलायची पाउडर और स्टेविया डालकर बनाया जाता है। खजूर नारियल रोलः यह रोल खजूर, बादाम और एक कप ग्रेट किए हुए नारियल से बनाया जाता है, जिसमें दो ग्राम फाइबर होता है।

खजूर व सेब खीरः यह शुगर फ्री खीर बनाने के लिए आपको बस एक मैश किया हुआ सेब, खजूर और एक छोटा चम्मच अखरोट की जरूरत है।

महिलाओं को जरूर पीनी चाहिए अमरूद के पत्ते की चाय, कई तरह से मिलते हैं फायदे

अमरूद विटामिन सी, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर एक बेहद हेल्दी और टेस्टी फ्रूट है। यह इम्युनिटी बढ़ाने, पाचन सुधारने और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके पत्तों में भी एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। जी हां, ये सच है अमरूद की तरह ही, इसकी पत्तियां भी बहुत ही गुणकारी होती हैं, जिससे बनी चाय हाई ब्लड शुगर से लेकर हार्मोनल असंतुलन जैसी कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में सहायक होती हैं, जो इसे महिलाओं के लिए विशेष रूप से फायदेमंद बनाती है। तो आइए जानते हैं इसके फायदों के बारे में-

पीरियड्स के दर्द में राहत : अमरूद के पत्तों की चाय में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाया जाता है, जो पीरियड्स के दौरान होने वाले ऐंठन और दर्द को कम करने में मदद करते हैं।

पाचन में सुधार करें : यह चाय गैस, अपच और डायरिया जैसी समस्याओं में राहत देती है। इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण पाचन तंत्र को बेहतर बनाते हैं।

वजन घटाने में सहायक : अमरूद के पत्तों की चाय मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर शरीर में अनावश्यक फैट को जमा होने से रोकती है, जिससे वजन कंट्रोल रहता है।

ब्लड शुगर कंट्रोल करे : इस चाय को नियमित रूप से पीने से इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ाता है और ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करके रखने में मदद करता है, जो डायबिटीज से बचाव करता है।

बालों के लिए फायदेमंद : अमरूद के पत्तों की चाय बालों की जड़ों को मजबूत बनाती है और डैंड्रफ जैसी समस्याओं को कम करती है। इससे बाल टूटते या झड़ते नहीं हैं, बल्कि काले,लंबे और घने होते हैं।

त्वचा की सेहत सुधारती है : अमरूद के पत्तों से बनी चाय में एंटीऑक्सीडेंट्स गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा को डिटॉक्स कर झुर्रियों और फाइन लाइन्स को कम करते हैं। इससे आपकी स्किन लंबे समय तक जवां बनी रह सकती है।

इम्युनिटी बढ़ाती है : अमरूद के पत्तों से बनी चाय शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर संक्रमण से बचाती है। जिसकी वजह से हर मौसम में, मौसमी बीमारियों के इन्फेक्शन से बचाव होता है।

दिल को स्वस्थ रखती है : अमरूद की पत्तियों से बनी चाय कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करती है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

इस तरह से अमरूद के पत्तों की चाय महिलाओं के लिए स्वास्थ्यवर्धक होती है। इसलिए इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करके पाचन, हार्मोनल संतुलन, त्वचा और दिल की सेहत को बेहतर बनाया जा सकता है।

रोज इस समय करेंगे डिनर, तो मिलेंगे 7 कमाल के फायदे; दूर हो जाएंगी शरीर की कई परेशानियां

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर अपने खान-पान के समय को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन स्वस्थ रहने के लिए न केवल हेल्दी डाइट लेना ही काफी नहीं है, बल्कि उसे सही समय पर खाना भी उतना ही जरूरी है। रोज शाम 7 बजे डिनर करने के कई फायदे हैं, जो हमारी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। आइए जानें जल्दी डिनर करने के क्या-क्या फायदे-

पाचन तंत्र को मजबूत बनानाः रात का जल्दी डिनर करने से हमारे पाचन तंत्र को खाने को पचाने के लिए काफी समय मिलता है। जब हम शाम 7 बजे डिनर करते हैं, तो सोने से पहले लगभग 3-4 घंटे का गैप होता है। इससे खाना अच्छी तरह पच जाता है और पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे एसिडिटी, गैस और अपच का खतरा कम हो जाता है।

वजन कंट्रोल करने में मदद (Weight Control)

जल्दी डिनर करने से वजन कंट्रोल करने में मदद मिलती है। देर रात खाना खाने से शरीर को डिनर को पचाने का भरपूर समय नहीं मिलता, जिससे कैलोरी बर्न नहीं हो पाती और वजन बढ़ने का खतरा रहता है। शाम 7 बजे डिनर करने से शरीर को एनर्जी मिलती है और एक्स्ट्रा कैलोरी जमा नहीं होती।

नींद की क्वालिटी में सुधार : रात का खाना जल्दी खाने से नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है। देर रात खाना खाने से पेट भारी रहता है, जिससे नींद में खलल पड़ सकता है। शाम 7 बजे डिनर करने से शरीर को आराम मिलता है और नींद अच्छी आती है।

मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा : सही समय पर डिनर करने से मेटाबॉलिज्म ठीक रहता है। जब हम समय पर खाना खाते हैं, तो शरीर का मेटाबॉलिक रेट स्थिर रहता है, जो एनर्जी लेवल को बनाए रखने में मदद करता है। इससे शरीर की काम करने की क्षमता बढ़ती है और थकान कम महसूस होती है।

मेंटल हेल्थ के लिए लाभदायक : खाने का सही समय न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। जल्दी डिनर करने से तनाव कम होता है और मन शांत रहता है। इससे अच्छी नींद आती है और मूड भी बेहतर रहता है।

इम्युनिटी मजबूत बनाना : सही समय पर खाना खाने से शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता मजबूत होती है। पाचन तंत्र के सही तरीके से काम करने से शरीर को पोषक तत्व अच्छी तरह मिलते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं।

एनर्जी का सही इस्तेमाल : जल्दी डिनर करने से शरीर को एनर्जी का सही इस्तेमाल करने का मौका मिलता है। इससे शरीर की काम करने क्षमता बढ़ती है और दिनभर एक्टिव रहने में मदद मिलती है।

अपने ही देश के लोगों का ऐसा व्यवहार मन में जिंदगीभर का दुख पैदा करने जैसा

यूपी में टोल प्लाजा पर जवान से मारपीट करने पर छलका दर्द

नई दिल्ली,(ईएमएस)। राजपूत रेजिमेंट के एक जवान छुट्टियां खत्म होने के बाद श्रीनगर वापस जाने के लिए दिल्ली जा रहा था उसको पिछले रविवार रात मेरठ में टोल प्लाजा के कर्मचारियों ने खंभे से बांध कर बेरहमी से पीटा था, क्योंकि उसका वाहन एक लंबी कतार में फंस गया था और उसने उसे गुजरने देने के लिए कर्मचारियों को अपनी सेवा आईडी दिखाई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूपी के मेरठ जिले में भूनी टोल प्लाजा पर विवाद के दौरान बुरी तरह पीटे जाने से घायल हुए जवान कपिल पंवार ने कहा है कि उन्हें सीमा पर दुश्मनों से मुकाबला करने में कोई हिचक नहीं होती, लेकिन अपने ही देश में अपने ही लोगों का इस तरह का बर्ताव से मन दुखी करता है। पंवार ने कहा कि शरीर पर लगी चोटें समय के साथ ठीक हो जाती हैं, लेकिन मन पर लगा घाव जीवनभर रहता है। जब एक जवान के साथ ऐसा हो सकता है और आम जनता का क्या होता होगा। बता दें मेरठ-करनाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित भूनी टोल प्लाजा पर सेना के जवान से मारपीट की घटना के बाद एनएचएआई ने टोल संचालक कंपनी मैसर्स धर्म सिंह की 3.70 करोड़ रुपए की 'सिक्योरिटी' राशि जब्त करते हुए उसे एक साल के लिए टोल संचालन से प्रतिबंधित कर दिया है। गोटका गांव के निवासी कपिल पंवार इस समय सैनिक अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने कहा कि 17 अगस्त की रात वह ड्यूटी पर जाने के लिए घर से निकले थे और भूनी टोल प्लाजा पर उनकी कार आगे बढ़ रही थी तभी वहां टोल कर्मचारियों और वाहन चालकों के बीच कहासुनी हो रही थी। कपिल के मुताबिक उन्होंने ट्रेन पकड़ने की जल्दी का हवाला देते हुए और पहचान पत्र दिखाकर टोलकर्मियों से रास्ता देने का अनुरोध किया जिसके बाद टोल कर्मियों ने उनसे न सिर्फ बदसलूकी की बल्कि विरोध करने पर जमकर मारपीट भी की। पुलिस के मुताबिक 17 अगस्त को टोल कर्मचारियों ने कपिल और उनके साथियों शिवम एवं सुधीर के साथ लाठी-डंडों और लोहे की छड़ से जमकर मारपीट की थी। इस मामले में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। घटना के समय कार में कपिल के पिता, ताऊ और चचेरे भाई भी मौजूद थे, लेकिन वाहन का 'लॉक' खुलने में दिक्कत के कारण वे मदद के लिए बाहर नहीं आ पाए। जवान के माता-पिता ने मामले पर चिंता जताते हुए दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की है।

ब्रिटेन में भारतीय मूल के उद्योगपति पॉल के निधन पर पीएम ने किया शोक व्यक्त

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय मूल के उद्योगपति स्वराज पॉल के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए पीएम नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच घनिष्ठ संबंधों को प्रोत्साहन देने में उनका योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। बता दें लॉर्ड स्वराज पॉल का गुरुवार को लंदन में निधन हो गया था। वह 94 साल के थे। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि स्वराज पॉल के निधन से गहरा दुख हुआ। ब्रिटेन में उद्योग, परमार्थ कार्यों और जनसेवा में उनके योगदान और भारत के साथ घनिष्ठ संबंधों के लिए हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि मुझे हमारी कई मुलाकातें याद आती हैं। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना। ओम शांति। बता दें लॉर्ड पॉल हाल में बीमार हो गए थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका जन्म जालंधर में हुआ था और वह 1960 के दशक में अपनी बेटी अंबिका के इलाज के लिए ब्रिटेन में बस गए थे। तब से वह वहीं रह रहे थे।

भोपाल-लखनऊ के बीच दौड़ेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन, सफर होगा 6 से 8 घंटे में पूरा

भोपाल,(ईएमएस)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल और उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बीच जल्द ही यात्रियों को वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सौगात मिलने जा रही है। अब तक चल रही अधिकांश वंदे भारत ट्रेनें केवल सिटिंग कोच वाली हैं, लेकिन इस बार यात्री सफर के दौरान सोकर भी यात्रा का आनंद ले सकेंगे। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, भोपाल-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस को अक्टूबर माह में हरी झंडी दिखाई जा सकती है। पहले इसे 16 कोच के साथ चलाने की योजना थी, लेकिन यात्रियों की सुविधा और बढ़ती संख्या को देखते हुए इसे 20 कोच के साथ चलाने का निर्णय लिया गया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस ट्रेन को लेकर अधिसूचना इसी माह के अंत तक जारी हो सकती है। अधिसूचना जारी होने के बाद ट्रेन का रूट, ठहराव, किराया और समय-सारणी भी घोषित कर दी जाएगी। अभी भोपाल से लखनऊ तक का सफर 10 से 12 घंटे में पूरा होता है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन यह दूरी सिर्फ 6 से 8 घंटे में तय करेगी। इसमें 20 कोच होने से अधिक यात्री सफर कर पाएंगे। आधुनिक सुविधाओं से लैस यह ट्रेन यात्रियों को आरामदायक और तेज यात्रा उपलब्ध कराएगी।

विधायक आरिफ मसूद को सुप्रीम कोर्ट ने दी बड़ी राहत, एसआईटी जांच पर रोक

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भोपाल मध्य विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर ने इंदिरा प्रियदर्शिनी कॉलेज मामले में एफआईआर दर्ज कर एसआईटी जांच के आदेश दिए थे, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक कर दिया है। जानकारी अनुसार शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेके माहेश्वरी की बेंच में विधायक आरिफ मसूद की याचिका पर सुनवाई हुई। विधायक आरिफ मसूद की ओर से सुप्रीम कोर्ट में सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल, विवेक तन्खा और वरुण तन्खा ने पक्ष रखा। आरिफ मसूद के वकील विवेक तन्खा ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। सोमवार को एमपी हाईकोर्ट ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए कॉलेज की मान्यता दिलाने के मामले में गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा था कि बिना राजनीतिक संरक्षण इतने सालों तक कॉलेज नहीं चल सकता था। हाईकोर्ट ने तीन दिन के भीतर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। भोपाल के कोहेफिजा थाने में आरिफ मसूद पर कूटरचित दस्तावेजों से धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ है।

पांडित्य परंपरा के प्रणेता रेवा प्रसाद द्विवेदी, काशी के कालिदास की मिली उपाधि

वाराणसी,(ईएमएस)। भारत के महान संस्कृत विद्वान, महामहोपाध्याय पंडित रेवा प्रसाद द्विवेदी, जिन्हें काशी के कालिदास की उपाधि मिली थी, ने अपनी विद्वत्ता से काशी की पांडित्य परंपरा को विश्वभर में पहचान दिलाई। 22 अगस्त 1935 को मध्य प्रदेश में जन्मे द्विवेदी जी ने संस्कृत साहित्य, काव्यशास्त्र और शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष के रूप में उन्होंने कई छात्रों का मार्गदर्शन किया। उनके नेतृत्व में 90 से अधिक शोधार्थियों ने अपना शोध कार्य पूरा किया। द्विवेदी जी की सबसे प्रसिद्ध कृति स्वातंत्र्यसंभवम् नामक महाकाव्य है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित इस रचना के लिए उन्हें 1991 में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला।

संसद की सुरक्षा में चूक,दीवार फांदकर कैम्पस में पहुंचा व्यक्ति:एक दिन पहले ही मानसून सत्र खत्म हुआ, 2023 में भी हुई थी ऐसी घटना

नई दिल्लीः संसद भवन की सुरक्षा में गुरुवार को सेंध का मामला सामने आया। एक व्यक्ति दीवार कूदकर संसद भवन में घुस गया और गरुड़ द्वारा तक पहुंच गया। सुरक्षा कर्मियों ने उसे तुरंत दबोच लिया। अब उससे पूछताछ की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी सुबह 6.30 बजे रेलभवन के पास पेड़ की मदद से दीवार पर चढ़ा और कूदकर अंदर घुसा। हालांकि, घटना के समय संसद में कोई सांसद मौजूद नहीं था। संसद का मानसून सत्र गुरुवार को खत्म हो गया था और राज्यसभा और लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। एक साल पहले 16 अगस्त 2024 को भी एक युवक दोपहर में दीवार फांदकर संसद परिसर में घुस गया था। वहां तैनात सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स के जवानों ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया था।

16 अगस्त 2024- एक मानसिक बीमार युवक संसद में घुसा था

संसद भवन की सुरक्षा में 16 अगस्त 2024 को बड़ी चूक सामने आई थी। दोपहर करीब 2:45 बजे एक युवक इम्तियाज खान मार्ग की तरफ से दीवार फांदकर संसद एनेक्सी भवन के कैंपस में कूद गया था। वहां मौजूद सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स के जवानों ने तुरंत उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी युवक शॉर्ट्स और टी-शर्ट पहने हुए था। उसकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी सामने आईं, जिनमें सीआईएसएफ के जवान उसे पकड़कर ले जाते दिख रहे थे। घटना के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और युवक को थाने ले जाकर पूछताछ की। पुलिस ने बताया कि युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ लगता है और वह अपना नाम भी सही से नहीं बता पा रहा था। बाद में उसकी पहचान उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ निवासी मनीष के रूप में हुई। उसके पास से कोई आपत्तिजनक सामान नहीं मिला।

13 दिसंबर 2023 को संसद पर आतंकी हमले की 22वीं बरसी पर नए संसद भवन की विजिटर्स गैलरी से बैठे 2 युवकों ने अपने जूतों से छिपा पीला स्प्रे भवन में फैला दिया था। पूरे सदन में भगदड़ मच गई थी। ये लोग 5 लेयर की सुरक्षा तोड़कर लोकसभा में घुसे थे और हंगामा किया था। वहीं, इनके दो अन्य साथियों को संसद के बाहर प्रदर्शन करते हुए सिक्योरिटी ने पकड़ा था।

13 दिसंबर 2001 को संसद पर हमला हुआ था

13 दिसंबर 2001 को संसद में विंटर सेशन चल रहा था। महिला आरक्षण बिल पर हंगामे के बाद 11:02 पर सदन को स्थगित कर दिया गया। इसके बाद उस समय के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और विपक्ष की नेता सोनिया गांधी संसद से जा चुके थे। करीब साढ़े 11 बजे उपराष्ट्रपति के सिक्योरिटी गार्ड उनके बाहर आने का इंतजार कर रहे थे और तभी सफेद एंबेसडर में सवार 5 आतंकी गेट नंबर-12 से संसद के अंदर घुस गए। उस समय सिक्योरिटी गार्ड निहत्थे हुआ करते थे। ये सब देखकर सिक्योरिटी गार्ड ने उस ऐंबैस्डर कार के पीछे दौड़ लगा दी। तभी आतंकियों की कार उपराष्ट्रपति की कार से टकरा गई। घबराकर आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। आतंकियों के पास AK-47 और हैंडग्रेनेड थे, जबकि सिक्योरिटी गार्ड निहत्थे थे।

कर्नाटक सीएम ने केरल में आपदा प्रभावितों के लिए मंजूर किए 10 करोड़, बीजेपी ने सिद्धरमैया को केरल का मुख्यमंत्री बताते हुए साधा निशाना

बेंगलुरु,(ईएमएस)। कर्नाटक के सीएम सिद्धरमैया ने केरल के वायनाड के लिए 10 करोड़ रुपए आवंटित करने का समर्थन करते हुए उदारता और मानवता के मूल्य की तारीफ की। यह धन वायनाड के बाढ़ प्रभावितों के लिए आवंटित किया गया है। बता दें वायानड में 30 जुलाई 2024 को बड़े पैमाने पर भूस्खलन की घटनाओं के कारण कई लोगों की जान चली गई थी और सैकड़ों परिवार बेघर हो गए थे। सीएम सिद्धरमैया की यह प्रतिक्रिया कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि राज्य सरकार कर्नाटक बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए घरों के पुनर्निर्माण के मकसद से केवल 95 हजार रुपए और वायनाड भूस्खलन प्रभावित परिवारों के लिए 10-10 लाख रुपए आवंटित करके गलत परंपरा स्थापित कर रही है।

विधानसभा में विपक्ष को जवाब देते हुए सीएम सिद्धरमैया ने कहा कि वायनाड में भारी बाढ़ आई। उन्होंने कहा कि संकट के समय राज्यों का एक-दूसरे की मदद के लिए आगे आना स्वाभाविक है। इस संघीय व्यवस्था में हमें उदार और मानवीय होना चाहिए। सीएम ने कहा कि उन्होंने पिछले साल जून में ही वायनाड में आपदा के समय 10 करोड़ रुपए देने की घोषणा की थी। वायनाड लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी करती हैं।

बीजेपी विधायक सीएन अश्वथ नारायण ने जानना चाहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और कश्मीर के लिए क्या करेगी, जो बादल फटने और बड़े पैमाने पर भूस्खलन से प्रभावित हुए हैं। इसके जवाब में सीएम सिद्धरमैया ने कहा कि राज्य सरकार ने कर्नाटक का पड़ोसी राज्य होने के नाते केरल की मदद की है। इस मुद्दे को लेकर राज्य में कांग्रेस और बीजेपी के बीच जुबानी जंग छिड़ गई। बीजेपी ने वायनाड के प्रति उदारता दिखाने के लिए सीएम सिद्धरमैया को केरल का मुख्यमंत्री कहते हुए निशाना साधा।

डिप्टी सीएम शिवकुमार ने 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' गाया, विपक्ष ने थपथपाईं मेजें

बेंगलुरु,(ईएमएस)। आईपीएल में आरसीबी की जीत के बाद आयोजित जश्न कार्यक्रम में मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। शिवकुमार को उस समय आरएसएस की शाखाओं में की जाने वाली प्रार्थना 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' की शुरुआती कुछ पंक्तियां गाते देखा गया, जब बीजेपी विधायक उन पर 'भगदड़ के दौरान उकसाने' का आरोप लगा रहे थे। विधायकों ने आरोप लगाया कि शिवकुमार बेंगलुरु हवाई अड्डे पर आरसीबी टीम के आगमन पर खिलाड़ियों को लेने गए थे और हवाई अड्डे से चिन्नास्वामी स्टेडियम तक कन्नड़ झंडा लहराते रहे। आरोपों का जवाब देते हुए शिवकुमार ने कहा कि वह कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) का सदस्य हैं और केएससीए सचिव समेत संस्था के लोग उनके दोस्त हैं। वह बेंगलुरु के प्रभारी मंत्री हैं। वह 4 जून को हवाई अड्डे और स्टेडियम गए थे। उन्होंने कर्नाटक का झंडा भी थामा। आरसीबी को शुभकामनाएं दीं और कप को भी चूमा। उन्होंने अपना काम किया।

उन्होंने आगे कहा कि दुर्घटना हुई ऐसी घटनाएं दूसरे राज्यों में भी हुई हैं। जरूरत पड़ने पर वह उन घटनाओं की सूची भी पढ़कर सुनाऊंगा जो अन्य जगहों पर भी हुई हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास भी आपके बारे में कहने के लिए बहुत कुछ है। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह गृह मंत्री परमेश्वर के साथ पले-बढ़े हैं। इस पर विपक्ष के नेता, बीजेपी के आर अशोक ने शिवकुमार को याद दिलाया कि उन्होंने एक बार कहा था कि वह आरएसएस की चड्डी पहनते हैं। इसी दौरान शिवकुमार ने मुस्कराते हुए नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे...' गाना शुरू कर दिया था। विपक्ष ने इस पर मेजें थपथपाईं, लेकिन कांग्रेस खेमे में सन्नाटा छा गया। बीजेपी एमएलए वी. सुनील कुमार ने चुटकी लेते हुए कहा कि उम्मीद है कि ये पंक्तियां सदन के रिकॉर्ड से नहीं हटाई जाएंगी।

पूर्व सेना प्रमुख बोले-भारत और चीन के रिश्ते सुधर रहे

कहा- हमें उम्मीद जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगे, चीन भी हमारी सद्भावना का जवाब देगा

नई दिल्लीः पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने कहा कि भारत-चीन संबंधों में सुधार होना संयोग की बात है। उम्मीद है कि चीन भी हमारी सद्भावना का जवाब देगा। इसलिए संबंधों को बेहतर बनाने के लिए राजनीतिक, कूटनीतिक और सैन्य स्तरों पर कई पहलों की घोषणा की गई है। पूर्व आर्मी चीफ गुरुवार शाम को दिल्ली में एक इवेंट में मौजूद थे। उन्होंने खुशी जताई कि भारत और चीन सीमा विवाद पर चर्चा को आगे बढ़ा रहे हैं। नरवणे ने कहा, 'यह एक सीमा है, सरहद नहीं, जो बातचीत के लिए खुली होती है और इसमें समझौता संभव है।' दरअसल, भारत और चीन ने मंगलवार को स्थिर, सहयोगात्मक और दूरदर्शी संबंधों के लिए कई घोषणाएं की थीं। इनमें सीमा पर संयुक्त रूप से शांति बनाए रखना, बॉर्डर ट्रेड दोबारा शुरू करना, इन्वेस्टमेंट को बढ़ाना और जल्दी डायरेक्ट फ्लाइट शुरू करना शामिल है।

चीनी विदेश मंत्री ने भारत की यात्रा की

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने इस सप्ताह की शुरुआत में विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ व्यापक बातचीत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार और शुल्क नीतियों को लेकर भारत-अमेरिका के बिगड़ते रिश्तों के बीच ये मुलाकात अहम मानी जा रही है।

नरवणे बोले- भारत-चीन की सभ्यता सदियों पुरानी

जनरल नरवणे ने याद दिलाया कि भारत और चीन की सभ्यता सदियों पुरानी हैं। हाल के 60-70 साल मात्र एक छोटा सा हिस्सा हैं। 1962 के युद्ध ने रिश्तों को प्रभावित किया, लेकिन यह उतार-चढ़ाव सामान्य हैं और जल्द निपटारा होना चाहिए। नरवणे ने भारत-चीन सीमा विवाद के लिए 2005 में हुए राजनीतिक और मार्गदर्शक सिद्धांतों के समझौते का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसमें ज्यादा प्रगति नहीं हुई, लेकिन बातचीत फिर से शुरू होना आशा की किरण है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-आवारा कुत्तों की नसबंदी-टीकाकरण कर छोड़ें :सिर्फ खूंखार-रेबीज संक्रमित कैद में रहें

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले में शुक्रवार को कहा कि जिन कुत्तों को पकड़ा जाता है, उनकी नसबंदी और टीकाकरण कर जहां से उठाया है, वहीं वापिस छोड़ दिया जाए। हालांकि, रेबीज से संक्रमित और आक्रामक व्यवहार वाले कुत्तों को शेल्टर होम में ही रखा जाए। कोर्ट ने आदेश दिया कि कुत्तों को पब्लिक प्लेस में खाना न दिया जाए और नगर निगम इसके लिए अलग जगह बनाए। कोर्ट ने कहा कि ये आदेश दिल्ली समेत पूरे देश में लागू होगा। साथ ही याचिका में शामिल व्यक्ति 25 हजार और एनजीओ 2 लाख रुपए कोर्ट में जमा कराएं। कोर्ट ने 11 अगस्त के 2 जजों की बेंच के उस आदेश को बेहद कठोर बताया, जिसमें सभी आवारा कुत्तों को 8 हफ्तों में दिल्ली-एनसीआर के आवासीय क्षेत्रों से हटाकर हमेशा के लिए शेल्टर होम में भेजने का आदेश दिया था।

जस्टिस विक्रम नाथ,जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की स्पेशल बेंच ने 14 अगस्त को डॉग लवर्स की याचिका पर सुनवाई करते हुए सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था।

सुप्रीम कोर्ट बोला- नेशनल लेवल पर पॉलिसी जरूरी, अब अक्टूबर में सुनवाई

जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा- इसके लिए नेशनल लेवल पर पॉलिसी बननी चाहिए। हमने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाया है। देश के बाकी हाईकोर्ट में जहां भी मामले लंबित हैं, उन्हें सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर किया जाए। अगली सुनवाई आठ हफ्ते बाद अक्टूबर के लिए लिस्ट कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर रिएक्शन

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, मैं सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करता हूं। यह पशु कल्याण और जन सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की दिशा में एक कदम है। शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, पिछला आदेश न केवल अमानवीय था, बल्कि उस मानवीय उद्देश्य के भी खिलाफ था जिस पर सभी विश्वास करते हैं। मुझे यकीन है कि हर सभी इससे सहमत होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने पहले दिए गए गलत फैसले को ठीक कर दिया है। भाजपा नेता मेनका गांधी ने कहा, मैं इस फैसले से बहुत खुश हूं। जहां तक बात खूंखार कुत्तों की है। अदालत ने इसकी पहचान नहीं बताई है। इसे परिभाषित करने की जरूरत है।

फर्जी सीबीआई अफसर बन व्यापारी के दोस्त से लूटे 2.3 करोड़

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बॉलीवुड हो या हॉलीवुड फिल्में कोई भी हो लोगों को अच्छी शिक्षा भी देती हैं वहीं आजकल बन रही वेब सीरीजें और फिल्मों से कई लोग अपराध का रास्ता भी अपना रहे हैं। इसको देखकर लोग अपराध करते हैं वहीं एक फिल्म में फर्जी ऑफिसर बनकर करोड़ों का चूना लगाने वाले ठगों का दिखाया गया। अब वैसी ही एक घटना दिल्ली में भी घटी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में विगत दिवस कुछ लोगों ने, जिनमें एक महिला भी शामिल थी, खुद को सीबीआई का अफसर बताकर एक व्यापारी के दोस्त और कर्मचारी से 2.3 करोड़ रुपए लूट लिए। उन्होंने दोनों व्यक्तियों का अपहरण भी कर लिया और उन्हें अलग-अलग जगहों पर छोड़ दिया। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 1.08 करोड़ रुपए बरामद किए हैं। दिल्ली के विवेक विहार में एक महिला समेत लुटेरों के एक गिरोह ने सीबीआई के अफसर बनकर एक व्यापारी के कार्यालय से करीब 2.3 करोड़ रुपए लूट लिए। पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता मनप्रीत गाजियाबाद के इंदिरापुरम निवासी हैं और वित्त, प्रॉपर्टी डीलिंग और निर्माण कार्य से जुड़े हैं। पुलिस ने कहा कि मनप्रीत का कहना है कि विवेक विहार स्थित इमारत में कीरब 2.5 करोड़ रुपए की व्यावसायिक कमाई रखी थी।

गुजरात- अब 8वीं के छात्र ने क्लासमेट को चाकू मारा

खेलकूद में झगड़ा हुआ; 3 दिन पहले 10वीं के स्टूडेंट ने सहपाठी का मर्डर किया था

महीसागरः गुजरात में अहमदाबाद के बाद अब महिसागर जिले में 8वीं के स्टूडेंट पर चाकू से हमला करने की घटना सामने आई है। घटना बालासिनोर कस्बे के सरकारी स्कूल की है। गुरुवार की शाम स्टूडेंट्स छुट्टी के बाद स्कूल से निकल रहे थे। इसी दौरान क्लासमेट ने साथी छात्र पर चाकू से हमला कर दिया।

चाकू के हमले में स्टूडेंट के कंधे, कमर और पेट में जख्म हो गए हैं। हालांकि, अस्पताल में भर्ती स्टूडेंट खतरे से बाहर है। पुलिस ने आरोपी स्टूडेंट के खिलाफ बीएनएस की धारा 115 (1), 118 (1) (2), 352 के तहत शिकायत दर्ज की है।

पूछताछ में क्लास के अन्य स्टूडेंट्स ने बताया कि घटना के एक दिन पहले (20 अगस्त) को दोनों के बीच खेलकूद को लेकर विवाद हुआ था। इसी रंजिश में आरोपी ने इस वारदात को अंजाम दिया। बच्चों ने बताया कि आरोपी स्टूडेंट बैग में चाकू रखकर लाया था। कुछ बच्चों ने उसे बैग से चाकू निकालते हुए भी देखा था।

अहमदाबाद में 10वीं के छात्र की हत्या इससे पहले बीते 19 अगस्त को 10वीं के एक छात्र ने क्लासमेट की पेपर कटर मारकर हत्या कर दी थी। इन स्टूडेंट्स के बीच भी कुछ दिनों पहले मामूली सी बात पर कहासुनी हो गई थी। इसी रंजिश का बदला लेने के लिए आरोपी छात्र ने मंगलवार को स्कूल की छुट्टी होते ही छात्र नयन सिंधी पर बॉक्स कटर से हमला कर दिया। ज्यादा खून बह जाने के चलते नयन की इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

राजस्थान के सवाईमाधोपुर में बाढ़, 250 घर डूबेः गुजरात में टैंकर बहा, इस पर सवार 13 लोगों का रेस्क्यू; जम्मू में स्कूल बिल्डिंग पर लैंडस्लाइड

नई दिल्लीः राजस्थान में मानसून फिर से एक्टिव हो गया है। शुक्रवार को 4 जिलों (उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़) में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सवाई माधोपुर में बाढ़ जैसे हालात हैं। पल्ली पार इलाके में करीब 250 घर पानी में डूब गए। उधर गुजरात के पोरबंदर जिले में बारिश के बाद माधवपुर घेड इलाके में जलभराव हो गया। दूध का टैंकर बह गया। उसमें फंसे 13 लोगों को एनडीआरएफ की टीम ने बचाया। वहीं जम्मू-कश्मीर में पुंछ के मंडी सेक्टर में लैंडस्लाइड के चलते एक स्कूल का हिस्सा टूट गया। मौसम विभाग ने हिमाचल में 23 से 26 अगस्त तक भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। लैंडस्लाइड की वजह से नेशनल हाईवे समेत कुल 347 सड़कें अभी भी बंद हैं। इसके अलावा 281 ट्रांसफॉर्मर और 145 जलापूर्ति योजनाएं भी बाधित हुई हैं। राज्य में अब-तक 2282 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इसके अलावा 149 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 38 लापता हैं। राज्य में सामान्य से 17% ज्यादा बारिश हो चुकी है।

दिल्ली के मयूर विहार में बाढ़

राहत शिविर बनाया गया

राजधानी दिल्ली में यमुना खतरे के निशान के करीब है। नदी के किनारे बसे कई निचले इलाकों में पानी पहुंच चुका है। बाढ़ प्रभावित इलाकों के निवासियों के लिए मयूर विहार में राहत शिविर बनाया गया है।

झील का पानी निकालने के लिए सभी एजेंसियां तैनात

उत्तरकाशी के स्यानाचट्टी में बनी आर्टिफिशियल झील का पानी जल्द से जल्द कम करने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्वास्थ्य,पुलिस और लोक निर्माण विभाग की टीमों समेत तमाम एजेंसियां मौके पर मौजूद हैं। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि घबराने की जरूरत नहीं है। लोगों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। झील का पानी कम करने के लिए सभी संबंधित एजेंसियां भी मौके पर मौजूद हैं। हालात ठीक होते ही झील का पूरा पानी निकालने की कोशिश की जाएगी। उत्तरकाशी के स्यानीचट्टी में यमुना नदी पर एक आर्टिफिशियल लेक बनने से नदी का पानी रिहायशी इलाके में पहुंच गया है। जिला प्रशासन झील पर ड्रोन के जरिए नजर रख रहा है।

उत्तरकाशी में आर्टिफिशियल लेक का पानी कल से 1 मीटर कम हुआ

गढ़वाल मंडल के आयुक्त विनय शंकर पांडे ने बताया कि कल शाम 4.30 बजे सूचना मिली कि स्यानाचट्टी के पास यमुना नदी घाटी में मलबे के कारण एक आर्टिफियल लेक झील बन गई है। अभी तक किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। पानी निकालने के प्रयास जारी हैं। कल से जलस्तर में एक मीटर की कमी आई है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में यमुना नदी घाटी में मलबे के कारण बनी आर्टिफिशल लेक से पानी निकालने के प्रयास जारी हैं। लोक निर्माण विभाग, एसडीआरएफ, सिंचाई विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियां झील के एक हिस्सा काटने में लगी हुई हैं। पिछले एक घंटे में झील का जलस्तर करीब 2 फीट कम हुआ है।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे गिरफ्तार: सरकारी पैसे के दुरुपयोग का आरोप, पत्नी के दीक्षांत समारोह में लंदन गए थे

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को पुलिस ने सरकारी धन का दुरुपयोग करने के मामले में गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि 2023 में राष्ट्रपति रहते हुए वे अपनी पत्नी प्रोफेसर मैत्री विक्रमसिंघे के दीक्षांत समारोह शामिल होने लंदन गए थे। पुलिस का कहना है कि लंदन में उनकी कोई आधिकारिक यात्रा नहीं थी, फिर भी इसे सरकारी खर्चे पर किया गया। इस यात्रा में 10 लोगों का ग्रुप शामिल था और करीब 1.69 करोड़ रुपए खर्च किया गया।
उस समय विक्रमसिंघे क्यूबा और अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर थे, जिसके बाद वे निजी यात्रा के लिए ब्रिटेन चले गए थे। इसके अलावा उन पर अपने पर्सनल बॉडीगार्ड को भी सरकारी खजाने से सैलरी देने का आरोप है। एक पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि विक्रमसिंघे आज सुबह वित्तीय अपराध जांच विभाग (FCID) में इस मामले से जुड़ी पूछताछ के लिए पहुंचे थे। यहां 4 घंटे तक चली पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वे श्रीलंकाई इतिहास में गिरफ्तार होने वाले पहले पूर्व राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्हें कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया।

विक्रमसिंघे बोले- पत्नी ने अपनी यात्रा का खर्च खुद उठाया

विक्रमसिंघे ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि उनकी पत्नी ने अपना खर्च खुद उठाया और किसी भी सरकारी पैसे का दुरुपयोग नहीं किया गया। उनके ऑफिस ने इन खबरों को झूठा और भ्रामक बताया है। आपराधिक जांच विभाग ने विक्रमसिंघे के खिलाफ पहले फोर्ट मजिस्ट्रेट कोर्ट में सबूत पेश किए थे। इसमें उनकी पूर्व निजी सचिव सैंड्रा परेरा और पूर्व राष्ट्रपति सचिव समन एकनायके के बयान शामिल हैं।

विक्रमसिंघे ने छह बार प्रधानमंत्री का पद संभाला

विक्रमसिंघे ने 1990 के दशक से लेकर अब तक छह बार अलग-अलग कार्यकाल में प्रधानमंत्री का पद संभाला है। इस दौरान उन्होंने 23 विदेश यात्राएं की हैं, जिसके लिए सरकारी खजाने से 2 मिलियन डॉलर (17.5 करोड़) रूपए खर्च हुए है। विक्रमसिंघे ने 2023 का क्यूबा का दौरा किया था। यहां से लौटते हुए वे लंदन रुके थे, जहां उन्होंने जी-77 शिखर सम्मेलन में भाग लिया था। इसी दौरान वे और उनकी पत्नी मैत्री वॉल्वर हैम्प्टन यूनिवर्सिटी के एक समारोह में शामिल हुए थे।

तख्तापलट के बाद राष्ट्रपति बने थे

जुलाई 2022 में श्रीलंका के तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के खिलाफ महीनों तक चले विरोध प्रदर्शनों के बाद इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद बचे कार्यकाल के लिए विक्रमसिंघे राष्ट्रपति बने थे। विक्रमसिंघे को 2022 में देश की अब तक की सबसे खराब वित्तीय मंदी के बाद अर्थव्यवस्था को स्थिर करने का श्रेय दिया जाता है। विक्रमसिंघे पिछले वर्ष सितम्बर में वामपंथी ए.के. दिसानायके से दूसरे दौर तक चले कड़े मुकाबले में चुनाव हार गए थे।

वाशिंगटन में नेशनल गार्ड के दस्ते लगाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक कार्यक्रम में पुलिस और सैनिकों के मुलाकात के दौरान पिजा के डब्बों की ओर इशारा करते हुए।

फ्लोरिडा में भारतीय ट्रक ड्राइवर की लापरवाही...ट्रंप प्रशासन ने नए वर्किंग वीजा जारी करने पर रोक

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के फ्लोरिडा में एक भारतीय ट्रक ड्राइवर की लापरवाही से हुए भीषण हादसे के बाद, ट्रंप प्रशासन ने कमर्शियल ट्रक ड्राइवरों के लिए नए वर्किंग वीजा जारी करने पर रोक लगा दी है। इस फैसले के पीछे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का तर्क है कि विदेशी ड्राइवरों की बढ़ती संख्या अमेरिकी सड़कों के लिए खतरा है और लोकल ड्राइवरों की आजीविका को नुकसान पहुंचा रही है।
यह घटना तब हुई जब पंजाब के हरजिंदर सिंह नामक एक भारतीय ट्रक ड्राइवर ने फ्लोरिडा के एक हाईवे पर गैरकानूनी यू-टर्न लिया। इस यू-टर्न से एक मिनीवैन टकरा गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई।
जांच में पता चला किः भारत के पंजाब का रहने वाला हरजिंदर सिंह 2018 में मैक्सिको के रास्ते अवैध रूप से अमेरिका में दाखिल हुआ था। हरजिंदर सिंह ने कैलिफोर्निया और वाशिंगटन से कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त कर लिया था। परिवहन विभाग द्वारा ली गई परीक्षा में वह अंग्रेजी भाषा और सड़क संकेतों के टेस्ट में पूरी तरह से फेल हो गया था। जबकि 12 में से केवल 2 सवालों के सही जवाब दिए और 4 में से केवल एक संकेत को पहचाना। इस लापरवाही के बाद, हरजिंदर को कैलिफोर्निया में गिरफ्तार किया गया है और अब हरजिंदर को वाहन हत्या के तीन आरोपों में निर्वासन का सामना करना पड़ रहा है।
ट्रंप प्रशासन का यह फैसला अमेरिका के लिए कई मुश्किलें खड़ी कर सकता है। बात दें कि अमेरिका में पहले से ही ट्रक ड्राइवरों की भारी कमी है, और इस फैसले से यह समस्या और भी बढ़ सकती है। ड्राइवरों की कमी के कारण माल ढुलाई में देरी हो सकती है। ट्रांसपोर्टेशन लागत बढ़ने से सीधे तौर पर महंगाई पर असर पड़ सकता है। इस वीजा रोक से अमेरिका में काम करने वाले मौजूदा विदेशी ड्राइवरों की स्थिति पर तुरंत असर नहीं पड़ेगा, लेकिन नए ड्राइवरों के आने या मौजूदा ड्राइवरों के वीजा नवीनीकरण पर रोक लग सकती है। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं है कि यह रोक कितने समय तक लागू रहेगी। यह घटना एक व्यक्ति की गलती का एक बड़ा उदाहरण है, जिसकी वजह से पूरे समुदाय को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। परिवहन सचिव सीन डफी ने गंभीर लापरवाही बताकर कहा, 'ढीली प्रवास नीतियों और नियमों की अनदेखी ने ट्रकिंग उद्योग को जोखिम भरा बना दिया है। उन्होंने हादसे को रोका जा सकने वाली त्रासदी करार दिया। एक ट्रक ड्राइवर की गलती ने बड़े पैमाने पर भारतीय ट्रक ड्राइवरों के लिए मुसीबत बढ़ा दी है।

12 हजार फीट की ऊंचाई पर विमान की विंग फ्लैप टूटी, यात्रियों में मचा हड़कंप

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के ऑरलैंडो से ऑस्टिन जा रही डेल्टा एयरलाइंस की फ्लाइट 1893 में उस समय हड़कंप मच गया, जब वह 12 हजार फीट की ऊंचाई पर प्लेन के बाएं विंग का विंड फ्लैप टूटकर लटक गया। बता दें बोइंग 737 के इस प्लेन लैंडिंग के लिए ऑस्टिन-बर्गस्ट्रॉम इंटरनेशनल एयरपोर्ट की तरफ बढ़ रहा था। तभी विंडो सीट पर बैठी एक लेडी पैसेंजर की नजर विंग के विंड फ्लैप पर पड़ी। यह विंड फ्लैप तकरीबन टूट चुका था और हवा में उड़ सकता था।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला यात्री शनीला अरीफ ने तुरंत इस बारे में फ्लाइट क्रू मेंबर को बताया और फिर अपनी विंडो सीट से इस डरावने मंजर को कैमरे में कैद कर लिया। वहीं, जब इस बारे में प्लेन के दूसरे यात्रियों को पता चला तो पूरी फ्लाइट में अफरा तफरी मच गई। गनीमत रही कि पायलट ने विमान को ऑस्टिन-बर्गस्ट्रॉम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड करा दिया, जिसके बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली। लैंडिंग के बाद जब विमान की जांच हुई तो पाया गया कि बाएं विंग का विंड फ्लैप पूरी तरह से अलग हो चुकी थी। डेल्टा एयरलाइंस ने इस प्लेन को सर्विस से हटा लिया है और मेंटेनेंस के लिए भेज दिया है।
एक निजी एयरलाइंस के सीनियर कमांडर के मुताबिक विंग्स के पीछे के हिस्से पर लगे विंड फ्लैप्स टेकऑफ के दौरान लिफ्ट और लैंडिंग में ड्रैग को कंट्रोल करने का काम करते हैं। जब फ्लैप्स नीचे की ओर झुके होते हैं, तो वे विंग्स की लिफ्ट को बढ़ाते हैं और प्लेन कम गति में भी आसानी से उड़ान भर जाता है। लैंडिंग में ये विंड फ्लैप प्लेन के ड्रैग को बढ़ाते हैं, जिससे विमान की स्पीड को आसानी से कंट्रोल किया जाता है। टेकऑफ और लैंडिंग के दौरान इन फ्लैप्स को अलग-अलग एंगल पर अरजेस्ट किया जाता है। हर एंगल पर यह फ्लैप अगल-अलग भूमिका अदा करते हैं।
उन्होंने बताया कि जब विमान टेकऑफ के लिए रनवे पर दौड़ता है, तब विंग फ्लैप्स को थोड़ा नीचे की ओर झुका दिया जाता है। इससे प्लेन के विंग्स की लिफ्ट बढ़ती है और कम दूरी में ही हवा में लिफ्ट करने की पॉवर भी मिलती है। ये विंड फ्लैप खासकर छोटे रनवे वाले एयरपोर्ट पर बेहद मददगार साबित होते हैं। बोइंग 737 जैसे यात्री विमान में फ्लैप्स को टेकऑफ के लिए 5 से 15 डिग्री के कोण पर सेट किया जाता है। इससे विमान बेहद तेजी से हवा में उठता है। बिना फ्लैप्स के विमान को उड़ान भरने के लिए बहुत ज्यादा स्पीड और लंबे रनवे की जरूरत पड़ती है।
अब बड़ा सवाल यह है कि अगर विंड टूट जाएं, तो क्या होगा? इस सवाल पर सीनियर कमांडर का कहना है कि विंग फ्लैप्स का टूटना या काम न करना फ्लाइट सेफ्टी के लिहाज से गंभीर स्थिति हो सकती है. लेकिन इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि खराबी कितनी गंभीर है और विमान किस स्थिति में है। हालांकि, पायलटों को ऐसी स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग दी जाती है और वे बिना फ्लैप्स के भी टेकऑफ को मैनेज कर सकते हैं, लेकिन यह प्रॉसेस सामान्य से ज्यादा मुश्किल और जोखिम भरा होता है। लैंडिंग के दौरान फ्लैप्स का खराब होना ज्यादा गंभीर हो सकता है. चूंकि, लैंडिंग के दौरान, प्लेन की स्पीड काफी अधिक होती है और इन विंड फ्लैप्स की मदद से स्पीड को कंट्रोल किया जाता है, लिहाजा फ्लैप के बिना लैंडिंग करने पर विमान को रोकने के लिए बड़े रनवे की जरूरत होगी। अगर रनवे छोटा हो या गीला हो, तो यह हादसे की वजह बन सकता है।
बता दें बोइंग का 737 मैक्स प्लेन पहले भी विवादों में रह चुका है। 2018 में इंडोनेशिया और 2019 में इथियोपिया में हुए दो हादसों में 346 लोगों की जान चली गई थी। जांच में पाया गया कि इन हादसों की वजह एक सेंसर की खराबी थी, जिसके कारण प्लेन का नोज नीचे की ओर झुक गई और पायलट नियंत्रण नहीं कर पाए। इन हादसों के बाद बोइंग 737 मैक्स को दुनिया भर में उड़ान भरने के लिए तब तक के लिए रोक दिया गया था, जब तक कि कंपनी ने सिस्टम में सुधार नहीं किया था।

गर्भवती सुनाली बीबी को दिल्ली पुलिस ने अवैध प्रवासी बता बांग्लादेश भेजा

ढाका,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले की रहने वाली गर्भवती सुनाली बीबी को दिल्ली पुलिस ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासी होने के शक में हिरासत में लिया था। इसके बाद उन्हें 26 जून को बांग्लादेश भेज दिया गया था। उनके साथ उनके पति दानिश शेख और 8 साल के बेटे को भी भेजा था। अब उनकी मुसीबत और बढ़ गई है। सीमा पार जाने के कुछ सप्ताह बाद, उन्हें गुरुवार को बांग्लादेश पुलिस ने अवैध घुसपैठिया बताकर गिरफ्तार कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चपाइनवाबगंज जिले में पुलिस ने सुनाली बीबी, उनके पति और बेटे को हिरासत में लिया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि उनके पास से भारतीय दस्तावेज मिले हैं। उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा। अदालत ही आगे का फैसला करेगी। इसमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, इसलिए पूरे सम्मान और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जा रही है। इसी जिले से पश्चिम बंगाल की एक और महिला, स्वीटी बीबी (32) और उनके दो बेटे (6 व 16 साल) को भी गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक दोनों परिवारों के सदस्य लंबे समय से दिल्ली में रहकर घरेलू काम करके जीविका चला रहे थे। कुछ सप्ताह पहले दिल्ली के केएन कटजू मार्ग थाना क्षेत्र से सुनाली और स्वीटी के परिवारों को हिरासत में लेकर असम से लगे कुरिग्राम बॉर्डर के रास्ते बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया था। इसके बाद वे कुछ दिन ढाका में सड़कों पर भटकते रहे और पिछले एक महीने से चपाइनवाबगंज जिले में रह रहे थे। उनकी मदद की अपील वाला एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस घटना पर पश्चिम बंगाल प्रवासी मजदूर कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष और टीएमसी राज्यसभा सांसद समीरुल इस्लाम ने कहा कि यह बेहद चिंताजनक है। सुनाली गर्भवती हैं और छोटे-छोटे बच्चे उसके साथ हैं। वे सभी पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। राज्य सरकार उन्हें वापस लाने के लिए हर संभव कानूनी प्रयास करेगी। मामला अदालत में भी विचाराधीन है। कोलकाता हाईकोर्ट में दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई थी। केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने दलील दी थी कि मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए हाईकोर्ट सुनवाई नहीं कर सकता, लेकिन न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति रीतोब्रतो कुमार मित्रा की खंडपीठ ने इसे "बेहद गंभीर मुद्दा" मानते हुए 10 सितंबर को सुनवाई तय की है।

हमास बंधकों को रिहा और युद्धविराम पर भले सहमत हो फिर भी गाजा पर करेंगे कब्जा

येरुशेलम,(ईएमएस)। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि अगर हमास बंधकों को रिहा करने वाली शर्तों के साथ युद्धविराम समझौते पर सहमत होता है, तब भी उनकी सेना पूरे गाजा पट्टी पर कब्जा करेगी। नेतन्याहू की यह टिप्पणी तब आई जब गाजा पर कब्जा करने के लिए इजराइली सुरक्षा बल आगे बढ़ रहे हैं और उनके इस कदम की अंतरराष्ट्रीय जगत में कड़ी आलोचना हो रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने कहा कि हमास को खदेड़ने का उनका लक्ष्य अपरिवर्तित है। उन्होंने कहा कि हम ऐसा वैसे भी करेंगे। ऐसा कभी नहीं था कि हम हमास को वहां छोड़ देंगे। नेतन्याहू ने कहा कि हम हर हाल में गाजा पर कब्जा करेंगे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस समर्थन का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि हमास गाजा में नहीं रह सकता। नेतन्याहू ने कहा कि मुझे लगता है कि ट्रंप ने सही कहा है, उनका कहना है कि हमास को गाजा से जाना ही होगा। यह शुट्ज़स्टाफ़ेल को जर्मनी में ही छोड़ देने जैसा है। बता दें 1925 में हिटलर ने शुट्ज़स्टाफ़ेल की स्थापना की थी, जिसे एसएस के नाम से भी जाना जाता है। एसएस को शुरू में हिटलर के निजी अंगरक्षकों के रूप में बनाया गया था, बाद में इसने बड़ा रूप ले लिया और नाजियों पर कब्जा कर लिया था। नेतन्याहू ने तर्क दिया कि अगर हमास शेष बंधकों को रिहा करने, निरस्त्रीकरण करने और गाज़ा का विसैन्यीकरण करने पर सहमत हो जाए, तो युद्ध आज ही खत्म हो सकता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय आलोचना को यहूदी-विरोधी सुनामी कहकर खारिज कर दिया। बता दें इजरायली रक्षा बलों ने घनी आबादी वाले फ़िलिस्तीनी क्षेत्र के उत्तरी भाग में स्थित गाज़ा शहर पर कब्ज़ा करने की अपनी रणनीति के तहत युद्ध का अगला चरण शुरू कर दिया है। नेतन्याहू ने इसे हमास का गढ़ बताया है। इसके साथ ही इजराइली सेना के जवान गाजा पट्टी में अंदर घुस गए। दूसरी तरफ संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने नेतन्याहू से तुरंत अपने सैनिकों को गाजा से बुलाने और युद्धविराम का आह्वान किया है। उन्होंने कहा है कि इजराइली सेना के आक्रमण से गाजा पट्टी में भूख से तड़प रहे लोगों का बड़े पैमाने पर विनाश हो जाएगा। अक्टूबर 2023 से अब तक गाजा में फ़िलिस्तीनियों की आधिकारिक मौत के आंकड़े इस सप्ताह बढ़कर 62,000 को पार कर गए हैं।

पूर्व राजदूत निक्की हेली ने कहा- भारत से रिश्ते बिगाडऩा बड़ी गलती, ट्रम्प को चेताया

वॉशिंगटन(ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने भारत से संबंधों को लेकर ट्रम्प प्रशासन को चेतावनी दी है। न्यूजवीक मैगजीन में लिखे अपने आर्टिकल में निक्की कहा कि अगर भारत के साथ 25 साल में बना भरोसा टूटता है, तो यह एक रणनीतिक गलती होगी। निक्की ने यह आर्टिकल ट्रम्प के भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ और उसके दोनों देशों के संबंध पर असर के बारे में लिखा है। उन्होंने ट्रम्प प्रशासन को सलाह दी है कि वह भारत को एक और लोकतांत्रिक साझेदार माने।
निक्की ने आर्टिकल की शुरुआत रीगन और इंदिरा गांधी के बीच 43 साल पहले हुए एक मुलाकात से की है। उन्होंने लिखा- जुलाई 1982 में अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने व्हाइट हाउस में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के लिए डिनर रखा था। उस समय उन्होंने कहा था कि भारत और अमेरिका दो आजाद देश हैं। कभी-कभी हमारे रास्ते अलग हो सकते हैं, लेकिन मंजिल एक ही है। लेकिन चार दशक बाद आज अमेरिका-भारत संबंध मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। निक्की ने अपने आर्टिकल में लिखा कि चीन पर रूस से तेल खरीदने के बावजूद कोई प्रतिबंध नहीं है, जबकि भारत पर अमेरिकी टैरिफ लगाए जा रहे हैं। हेली के मुताबिक यह दिखाता है कि अमेरिका- भारत रिश्तों पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। हेली ने कहा कि भारत ही वह देश है जो एशिया में चीन की बढ़ती ताकत को बैलेंस कर सकता है। पूर्व राजदूत ने यह भी कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही जापान को पीछे छोड़ देगा। भारत का यह उभार चीन की महत्वाकांक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक विवाद को अगर लंबे समय के लिए बढ़ाया गया, तो चीन इसका फायदा उठा लेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सीधे पीएम मोदी से बात करें और रिश्तों को फिर से पटरी पर लाएं। वहीं अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन, ने भारत पर अमेरिका के टैरिफ (आयात शुल्क) की आलोचना की है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन की नीतियों को असामान्य और भ्रमित बताया। बोल्टन ने कहा कि इस समय भारत और अमेरिका के संबंध बहुत खराब स्थिति में हैं। उन्होंने भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ पर सवाल उठाया। उन्होंने चेतावनी दी कि इन नीतियों के कारण भारत, रूस और चीन के करीब जा सकता है, जिससे अमेरिका को नुकसान होगा। बोल्टन ने कहा कि व्हाइट हाउस ने व्यापार और ऊर्जा प्रतिबंधों पर एक जैसा रुख नहीं अपनाया है। बोल्टन ने ट्रंप के टैरिफ वाले फैसले को उनके असामान्य राष्ट्रपतित्व का हिस्सा बताया।

भारत और अमेरिकी टैरिफ तनाव के बीच पूर्व एनएसए जॉन बोल्टन ने कहा....ट्रंप राष्ट्रपति पद के लिए ठीक नहीं

वाशिंगटन,(ईएमएस)। भारत और अमेरिका पिछले दो दशकों के बेहतर रिश्तों के बाद एक बार फिर से आमने-सामने हैं। दोनों की साझेदारी सामान्य है, लेकिन वैश्विक मुद्दों और टैरिफ को लेकर तनाव बना हुआ है। इसको लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 50 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया है। अब ट्रंप के इस टैरिफ को लेकर उनके पूर्व एनएसए जॉन बोल्टन ने कहा है कि ट्रंप की नीतियां किसी भी पार्टी की सोच के हिसाब से नहीं है। इसलिए इन नीतियों का असर ट्रंप के साथ ही चला जाएगा।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बोल्टन ने कहा कि ट्रंप ऐसे अजीबोगरीब फैसले लेते रहते हैं। एक इंटरव्यू में बोल्टन ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की नीति बहुत ही असमंजस वाली है। वह नई दिल्ली पर रूसी तेल खरीदने के लिए प्रतिबंध लगाते हैं लेकिन बीजिंग को खुला छोड़ देते हैं। ट्रंप को राष्ट्रपति पद के लिए अनफिट बताते हुए बोल्टन ने कहा कि हमें यह स्वीकार करना होगा कि इस समय पर वाशिंगटन और नई दिल्ली के संबंध सबसे निचले स्तर पर हैं लेकिन ट्रंप की नीतियों का असर ठीक उस समय खत्म हो जाएगा, जब उनका कार्यकाल खत्म हो जाएगा।

बोल्टन ने कहा कि सबसे बड़ी चिंता की बात तब सामने आई, जब भारतीय और अमेरिका के प्रतिनिधि एक व्यापार डील करने के लिए बात कर रहे थे, लेकिन ट्रंप अचानक से उठे और ऐलान कर दिया कि 25 फीसदी टैरिफ लगेगा। इसके अलावा रूसी तेल को लेकर भी जो टैरिफ लगाया, वह भी कुछ ऐसा ही था। रूस पर कोई नया प्रतिबंध नहीं लगा है, चीन पर नहीं लगा लेकिन भारत पर लगा दिया। यह ट्रंप की असमंजस वाली नीति का ही परिणाम है। हालांकि हमें यह मानना होगा कि ट्रंप की नीतियों की वजह से रिश्ते आज बहुत खराब स्थिति में हैं।
अमेरिकी प्रशासन द्वारा लाई गई नीतियों के फलस्वरूप दुनिया के कई देशों में अमेरिका के प्रति एक अविश्वास की भावना पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से टैरिफ के मामले में ट्रंप ने जो किया है वह कई देशों के साथ हमारे दशकों की मेहनत के बाद बनाए गए संबंधों को खराब कर रहा है। इसे सुधारने में अब फिर समय लगेगा, लेकिन इस मुद्दे की सबसे अहम बात यह है कि ट्रंप एक अलग ही सोच रखते हैं। उनकी इस सोच का प्रतिनिधित्व न तो डेमोक्रोटिक पार्टी करती है और न ही रिपब्लिकन, कम से कम मैं तो ऐसे किसी को नहीं जानता, जो इस तरह का व्यवहार करे। बोल्टन ने कहा कि इस मुद्दे पर ट्रंप की कोई फिलॉसफी नहीं है। इसलिए उनके उत्तराधिकारियों के लिए इसमें कुछ भी विरासत नहीं है। ट्रंप जो कर रहे हैं, वह ज्यादातर अमेरिका की सोच नहीं है। ऐसे में ट्रंप के कार्यकाल के खत्म होने के साथ ही उनकी इन नीतियों का असर भी खत्म होना शुरू हो जाएगा। बोल्टन या कोई कुछ भी कहे लेकिन एक बात साफ है कि ट्रंप राष्ट्रपति पद पर हैं। वह एक बार नहीं दो बार चुनाव जीतकर वहां पहुंचे हैं। ऐसे में अगर वह कोई फैसला लेते हैं, तो वह उनकी एक बड़ी फॉलोइंग के साथ होता है। ट्रंप की इन नीतियों ने नई दिल्ली के साथ वाशिंगटन के संबंधों में खटास तो पैदा की है।

पुतिन की वायुसेना में शामिल हुआ हवा का "शेर" एसयू-35एस मल्टीरोल फाइटर जेट

मॉस्को,(ईएमएस)। दुनिया के ताकतवर देशों की नजरें हमेशा इस पर होती हैं कि किसके पास आसमान पर राज करने वाला सबसे घातक हथियार है। रूस ने दौड़ में फिर अपनी बढ़त हासिल कर ली है। हाल ही में रूस को मिला है एसयू-35एस मल्टीरोल फाइटर जेट, जिसे रूसी वायुसेना में शामिल किया गया है। ये वहीं जेट है, जिसे पायलट हवा का "शेर" मानते हैं और जिसकी दहाड़ सुनकर दुश्मन पसीने-पसीने हो जाता है। इसे सुनें यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएससी) ने यह बैच आधिकारिक तौर पर रूसी रक्षा मंत्रालय को सौंप दिया है। खास बात यह है कि यह डिलीवरी तब हुई है, जब रूस पर कड़े पश्चिमी प्रतिबंध लगे हुए हैं। इसके बावजूद मैन्युफैक्चरिंग लाइन बिना रुके चल रही है और लगातार नए जेट वायुसेना को दिए जा रहे है। इससे साफ है कि रूस किसी भी हालत में अपनी हवाई ताकत को कमजोर नहीं होने देना चाहता। एसयू-35एस को 4प्लस प्लस पीढ़ी का मल्टीरोल फाइटर कहा जाता है। यह विमान मैक 2.25 यानी करीब 2400 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से उड़ान भर सकता है। 18000 मीटर की ऊंचाई तक पहुंचने की क्षमता और 3600 किलोमीटर की रेंज एसयू-35एस को बेहद खतरनाक बनाती है। खास बात यह है कि यह सुपरक्रूज टेक्नोलॉजी से लैस है, यानी आफ्टरबर्नर का इस्तेमाल किए बिना भी सुपरसोनिक स्पीड से उड़ सकता है। यह विमान केवल गति में ही नहीं बल्कि हथियारों के मामले में भी किसी से कम नहीं। इसमें 12 हार्डप्वाइंट्स हैं, जिन पर एक साथ मिसाइलों और बमों का जखीरा लाद सकते है।

मलेशिया में लड़ाकू जेट क्रैश, दो पायलट घायल अस्पताल में भर्ती

कुलालंपुर,(ईएमएस)। मलेशिया की रॉयल एयर फोर्स का एक एफ/ए-18डी हॉर्नेट फाइटर जेट गुरुवार रात हादसे का शिकार हो गया। यह घटना सुल्तान हाजी अहमद शाह एयरपोर्ट (कुआंटन) के रनवे पर रात 9:05 बजे हुई। मीडिया रिपोर्ट में रॉयल मलेशियन एयर फोर्स के पब्लिक रिलेशन डिवीजन ने बयान जारी कर बताया कि हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए गए। दुर्घटना की वजह पता नहीं चल सकी है और वायुसेना ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाह या अपुष्ट जानकारी न फैलाएं। इस घटना का वीडियो सामने आया है, जिसमें देख जा सकता है कि रात के अंधेरे में फाइटर जेट उड़ान भर रहा था। इसके थ्रस्ट के कारण एक तेज प्रकाश दिख रहा है। जैसे ही यह टेक-ऑफ करने वाला था, वैसे ही इसके इंजन में आग दिख रही है। रिपोर्ट के मुताबिक पायलटों का नियंत्रण जैसे ही इससे छूटा उन्होंने तुरंत खुद को इजेक्ट कर लिया। हादसे में शामिल दोनों पायलट को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पायलटों की हालत कैसी है, इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन वायुसेना और सेना के अधिकारी अस्पताल में मौजूद हैं। घटना के बाद से एयरबेस और शहर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। हादसे की जांच वायुसेना के उच्च अधिकारी कर रहे हैं। एफ/ए-18डी असल में अमेरिका के मशहूर एफ/ए-18 हॉर्नेट लड़ाकू विमान का ही वेरिएंट है। इसे मैकडोनल डगलस कंपनी ने बनाया, जिसे अब बोइंग के नाम से जाना जाता है। यह दो सीट वाला मॉडल है, जिसमें आगे वाला पायलट उड़ान संभालता है और पीछे वाला हथियार व मिशन कंट्रोल से जुड़ी चीजें देखता है। यही वजह है कि यह रात में हमला करने, लंबी दूरी के स्ट्राइक ऑपरेशन और हर मौसम में उड़ान के लिए बेहद कारगर माना जाता है। यह जेट माक-1.8 तक की रफ्तार से उड़ सकता है और 50,000 फुट तक की ऊंचाई पर ऑपरेशन करने में सक्षम है। इसमें उन्नत रडार और एयर-टू-एयर और एयर-टू-ग्राउंड मिसाइल सिस्टम लगा है। बता दें मलेशिया ने अपने वायुसेना बेड़े को मजबूत करने के लिए 1997-1999 के बीच अमेरिका से 8 एफ/ए-18डी हॉर्नेट जेट खरीदे थे। ये विमान आज भी उसकी वायुसेना का अहम हिस्सा हैं।

चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने की पाक विदेश मंत्री डार के साथ बैठकें

-सीपीईसी 2.0, व्यापार और आर्थिक संबंधों जैस पहलों पर की चर्चा

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। रूस की राजधानी मॉस्को में भारत और रूस के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी। इसी समय पाकिस्तान और चीन के विदेश मंत्रियों ने भी इस्लामाबाद में मुलाकात की। चीनी विदेश मंत्री वांग यी 20 अगस्त को पाकिस्तान पहुंचे थे। उन्होंने हाल ही में भारत के विदेश मंत्री, डोभाल और पीएम मोदी के साथ उच्च-स्तरीय बैठकें की थीं। इसके बाद वह अफगानिस्तान भी गए थे। वहां से पाकिस्तान पहुंचे।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद में वांग यी ने पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री

व विदेश मंत्री इशाक डार के साथ बैठकें कीं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक दोनों पक्षों ने पाकिस्तान-चीन संबंधों की पूरी समीक्षा की और महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) 2.0, व्यापार और आर्थिक संबंधों, बहुपक्षीय सहयोग और द्विपक्षीय सहयोग के कई पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श किया। पाकिस्तान और चीन के नेताओं ने सहमति जताई कि दोनों देशों के बीच दोस्ती क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए अहम है।
यह बैठक भारत के लिए अहम है, खासकर इसलिए क्योंकि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा पीओके से होकर गुजरता है। भारत इसे अपना क्षेत्र मानता है। भारत लगातार इस परियोजना का विरोध कर रहा है और इसे अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सीपीईसी के ढांचे के तहत पाकिस्तान और चीन के बीच बढ़ती नजदीकी भारत के लिए एक नई सुरक्षा चुनौती पेश करती है। यह खासकर ऐसे समय में हो रहा है जब भारत-चीन सीमा पर तनाव बना हुआ है और भारत और पाकिस्तान के संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल के प्रोफेसर ने सीपीईसी के भारत के लिए सामरिक निहितार्थों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सीपीईसी सिर्फ एक आर्थिक पहल नहीं है, यह भारत के लिए एक रणनीतिक चुनौती है। उन्होंने बताया कि यह गलियारा करीब 3,000 किलोमीटर तक फैला हुआ है, जो चीन के शिनजियांग प्रांत में काशगर को पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ग्वादर से जोड़ता है। इसमें सड़कें, रेलवे, पाइपलाइन, ऊर्जा बुनियादी ढांचा और ग्वादर बंदरगाह का विकास शामिल है। सबसे अहम बात यह है कि यह गलियारा मुख्य पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले पीओके और कश्मीर से होकर गुजरता है, जिस क्षेत्र को भारत अपना अभिन्न अंग मानता है। उन्होंने कहा कि कानूनी तौर पर यह भारत की संप्रभुता का उल्लंघन है।
उन्होंने आगे कहा कि भारत वैकल्पिक कनेक्टिविटी परियोजनाओं को बढ़ावा दे रहा है, कूटनीतिक जुड़ाव को तेज कर रहा है, मजबूत क्षेत्रीय साझेदारी बना रहा है और वैश्विक मंचों पर संप्रभुता के उल्लंघन को उजागर करना जारी रखे हुए है। इसीलिए पाकिस्तान और चीन के बीच यह सामरिक संवाद केवल दो देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका भारत की सुरक्षा और रणनीतिक हितों पर भी सीधा प्रभाव पड़ सकता है।

पाकिस्तान से एशिया कप खेलने के लिए तैयार होने से हैरान हैं मनोज तिवारी

कोलकाता (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर कड़ी आपत्ति जताती है। तिवारी ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान से किस प्रकार मैच खेलने के लिए खेल मंत्रालय तैयार है समझ नहीं आता। एशिया कप में भारत-पाक मुकाबला 14 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा। इस मैच को लेकर कई लोगों ने विरोध जताया है पर खेल मंत्रालय का कहना है कि बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट होने के कारण वह इसमें भारतीय टीम को भाग लेने से रोक नहीं सकता है। वहीं प्रशंसकों का मानना है कि जिस प्रकार से रिटायर्ड भारतीय खिलाड़ियों ने हाल ही में विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में पाकिस्तान के खिलाफ अपने मैच खेलने से इंकार कर दिया था वैसा ही कुछ इस बार टीम को करना चाहिये।

मनोज तिवारी ने कहा, मुझे थोड़ा आश्चर्य हो रहा है कि यह मैच होने जा रहा है... पहलगाम हमले के बाद जिसमें कई निर्दोष नागरिक मारे गए थे, और उसके बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद बहुत सी बातें चल रही थीं कि इस बार हम करारा जवाब देंगे। इसके बावजूद कुछ महीनों बाद सब कुछ भुला दिया गया मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि यह मैच हो रहा है, मानव जीवन का मूल्य कैसे शून्य हो सकता है। वे पाकिस्तान के साथ खेलकर क्या हासिल करना चाहते हैं? मानव जीवन का मूल्य खेल से बढ़कर होना चाहिए मेरे मैच देखने का तो सवाल ही नहीं उठता। एशिया कप 2025 के लिए मंगलवार को भारतीय टीम की घोषणा की गई जिसमें कप्तान सूर्यकुमार टीम की कमान संभालेंगे और शुभमन गिल उप-कप्तान होंगे।

भारतीय टीम एशिया कप में नहीं खेले तो भी हमें परेशानी नहीं : अकरम

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने कहा है कि भले ही एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला न हो पाये पर खेल चलते रहने चाहिये। अकरम ने कहा कि एशिया कप का कार्यक्रम घोषित हो गया है और इस पर भारतीय प्रशंसकों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हो रही है पर हम शांत हैं। हम खेलें या न खेलें, हमें कोई दिक्कत नहीं होगी। खेल जारी रहना चाहिए। इस बार एशिया कप में भारत और पाकिस्तान को ग्रुप ए में यूएई और ओमान के साथ रखा गया है। दोनों टीमों के बीच 14 सितंब को दुबई में मैच खेला जाएगा। वहीं इस मैच का काफी विरोध भी हो रहा है और प्रशंसक इसे रद्द करने की मांग कर रहे हैं। पाक के साथ मैच खेलने को लेकर टीम इंडिया को भारी विरोध का सामना करना पड़ा रहा है क्योंकि क्रिकेट प्रशंसकों का कहना है कि पहलगाम हमले को देखते हुए पाक के साथ सभी सभी प्रकार के खेल संबंध तोड़ देने चाहिये। उनका कहना है कि जिस प्रकार इंडिया चैंपियंस टीम ने लंदन में हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान चैंपियंस के साथ खेलने से इनकार कर दिया था। वैसा ही कुछ एशिया कप में भी होना चाहिये। एशिया कप में हालांकि भारतीय टीम के खेलने पर फैसला क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार करेगा। बीसीसीआई ने एशिया कप के लिए पहले ही सहमति दे दी है इसलिए वह अब मैच के बहिष्कार की बात कहेगा इसकी संभावना काफी कम है। अकरम ने कहा कि भारत में प्रशंसकों के बहिष्कार की अपील से पाकिस्तान परेशान नहीं है और चाहे भारतीय टीम उनके साथ एशिया कप में खेले या नहीं, उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अकरम ने कहा कि एशिया कप का कार्यक्रम घोषित हो गया है और इस पर भारतीय प्रशंसकों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हो रही है पर हम शांत हैं। हम खेलें या न खेलें, हमें कोई दिक्कत नहीं होगी। खेल जारी रहना चाहिए। अकरम ने हालांकि कहा कि, वह भारत और पाकिस्तान के बीच एक टेस्ट सीरीज देखना चाहते हैं। गौरतब है कि दोनों टीमों ने एक दशक से ज्यादा समय से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है। दोनों टीमों के बीच अंतिम बार टेस्ट सीरीज 2007-08 में हुई थी। उसके बाद मुम्बई आतंकी हमले को देखते हुए बीसीसीआई ने पाक से खेलने से इंकार कर दिया था।

भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाली सीरीज खेलना चाहते हैं रोहित

संन्यास की अटकलें लगा रहे लोगों को झटका

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले दोनो ही की ए टीमों के बीच होने वाले मुकाबले खेलना चाहते हैं। वहीं इस बात की चर्चाएं हैं कि इस सीरीज के बाद रोहित और विराट कोहली को संन्यास लेना पड़ेगा पर अब जिस प्रकार से रोहित ने भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाली सीरीज खेलकर अभ्यास करने का फैसला किया है। उससे लगता नहीं है कि अभी उनका खेल को अलविदा कहने का इरादा है। ऐसे में उनके संन्यास की अटकले लगा रहे लोगों को करारा झटका जरुर लगा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एकदिवसीय प्रारुप के भारतीय टीम के कप्तान रोहित

भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाले तीन अनौपचारिक एकदिवसीय मैचों में खेलने के इच्छुक हैं। ये तीन मैच 30 सितंबर से 5 अक्टूबर के बीच कानपुर में खेले जाएँगे। ये मुकाबले भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे से ठीक पहले होंगे। भारतीय टीम को इस दौरे में 3 एकदिवसीय और 5 टी20 मैच

खेलने हैं। रोहित ने अंतिम बार इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। उसके बाद से ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

रोहित ने अभ्यास भी शुरु कर दिया है। वह मैच फिटनेस के लिए ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेलना चाहते हैं जिससे सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर सकें और ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए कमज़ोर न पड़ें। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार चयनकर्ता 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए रोहित से आगे देख रहे हैं। वहीं इसमें आगे कहा गया था कि रोहित को एकदिवसीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए दिसंबर 2025 में शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए कहा जाएगा।

शुभमन की वापसी से सैमसन को नहीं मिलेगा पारी की शुरुआत का अवसर : रहाणे

मुम्बई (ईएमएस)। बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने कहा हे कि शुभमन गिल के एशिया कप के लिए चयन से साफ हो गया है कि अब संजू सैमसन को पारी की शुरुआत का अवसर नहीं मिलेगा। रहाणे के अनुसार शुभमन पिछली बार टीम में नहीं थे इसलिए अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने पारी की शुरुआत की थी प इस बार वह उपकप्तान के तौर पर वापसी कर रहे हैं। जिससे तय है कि सैमसन पारी की शुरुआत के लिए पहली पसंद नहीं रहेंगे। शुभमन के टीम में होने से वह अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करते दिख सकते हैं। ऐसे में सैमसन को किसी और नंबर पर उतरना पड़ेगा। रहाणे ने कहा, "शुभमन टीम में वापस आ गए हैं, मुझे लगता है कि वह अभिषेक के साथ शुरुआत करेंगे। मैं हालांकि सैमसन को टीम में देखना चाहूंगा क्योंकि उन्होंने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह बहुत आत्मविश्वासी व्यक्ति, बहुत अच्छे टीम मैन हैं. मुझे लगता है कि यह बहुत अहम बात है। उन्होंने आगे कहा, "सैमसन एक महान टीम मैन हैं पर यह टीम प्रबंधन के लिए एक बहुत अच्छी समस्या है। मेरी राय में सैमसन बाहर बैठेंगे, हालांकि जैसा मैंने कहा, मैं उन्हें खेलते हुए और अंतिम ग्यारह में देखना चाहूंगा पर वर्तमान हालातों को देखते हुए शुभमन और अभिषेक को ही अवसर मिलेगा।" रहाणे ने कहा है कि वह तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह को एक साथ खेलते देखने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंनें कहा कि "मैं वास्तव में इस एशिया कप में जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह को एक साथ गेंदबाजी करते देखने के लिए उत्साहित हूं। हम बुमराह के बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहते। हम सभी जानते हैं कि वह कितने खतरनाक हैं। वहीं बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप बहुत आत्मविश्वासी खिलाड़ी हैं, वह गेंद को दोनों तरफ स्विंग कर सकते हैं। वह सीधे और वाइड यॉर्कर भी डाल सकते हैं।" रहाणे ने कहा, "11वां खिलाड़ी विकेट पर निर्भर करेगा क्योंकि हम दुबई में खेल रहे हैं और वहां के हालातों के अनुसार तय होगा कि स्पिर वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा में से किसे अवसर मिलेगा।,"

रहाणे की पसंदीदा अंतिम ग्यारह : शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पांड्या, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती/ हर्षित राणा।

मुम्बई की कप्तानी छोड़ रहे रहाणे

अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने मुंबई क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ने की घोषणा की है। रहाणे ने सोशल मीडिया में एक लंबा पोस्ट साझा करते हुए ये बात कही है। रहाणे के अनुसार वह नई पीढ़ी के लिए कप्तानी छोड़ रहे हैं। साथ ही कहा कि अब किसी नये नेतृत्व को विकसित किये जाने की जरुरत है। 37 साल के रहाणे के अनुसार अब कप्तानी में बदलाव का समय आ गया है। इसलिए किसी और को अब कप्तानी की जिम्मेदारी दी जाए। रहाणे ने अपनी कप्तानी में मुश्ताक अली ट्रॉफी के आखिरी सत्र में मुंबई टीम को खिताब जिताया था। इस बल्लेबाज ने कहा कि मुंबई टीम की कप्तानी करना और उसके साथ चैंपियनशिप जीतना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात रही है। नए घरेलू सत्र से पहले मुझे लगता है कि अब किसी नए खिलाड़ी को तैयार करने का सही समय है, इसलिए मैंने कप्तानी की भूमिका में आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। रहाणे ने लिखा, मैं अब एक खिलाड़ी के तौर पर उतरते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करुंगा। मेरा लक्ष्य मुंबई के साथ अपनी जर्नी को जारी रखना और टीम को और ज्यादा ट्रॉफी जिताने में सहायता करना है। रहाण की कप्तानी में मुंबई ने घरेलू क्रिकेट में काफी उपलब्धियां हासिल की, जिसमें मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतना भी शामिल रहा है। उस टूर्नामेंट में उन्होंने सबसे ज्यादा रन बनाये थे। थे। उनकी कप्तानी में टीम को रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंची थी पर विदर्भ के हाथों हार कर बाहर हो गयी थी।

अब भारतीय क्रिकेटरों के लिए ब्रोंको टेस्ट लाये कंडीशनिंग कोच रूक्स

मुम्बई (ईएमएस)। पिछले कुछ समय में अन्य खेलों की तरह ही क्रिकेट में भी फिटनेस को काफी महत्व दिया जा रहा है। फिटनेस का शीर्ष स्तर का बनाये रखने के लिए खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जाता है और उसकी जांच के लिए यो-यो सहित कई प्रकार के टेस्ट होते हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब तक यो यो टेस्ट को ही फिटनेस मानक के रूप में इस्तेमाल करती थी पर अब टीम इंडिया के हेल्थ और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रूक्स एक नया ब्रोंको टेस्ट लेकर आए हैं। उनका कहना है कि ब्रोंको टेस्ट भारतीय क्रिकेटरों को और भी मजबूत और फिट बनायेगा। ब्रोंको टेस्ट मुख्य रुप से रग्बी खेल से जुड़ा हुआ है। इससे खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर और सहनशक्ति को बढ़ाया जाता है। ब्रोंको टेस्ट में खिलाड़ी को लगातार दौड़ना होता है। पहले 20 मीटर, फिर 40 मीटर और फिर 60 मीटर की दौड़ लगानी होती है। तीनों दौड़ को मिलाकर एक सेट बनाया गया है। टेस्ट के दौरान

खिलाड़ियों को ऐसे पांच सेट पूरे करने होते हैं और कुल 1200 मीटर की दौड़ लगानी होती है। सभी पांच सेट 6 मिनट के अंदर पूरे करने होते हैं। कम समय में लगातार दौड़ ही इस टेस्ट को बेहद कठिन बनाता है। यह टेस्ट विशेष रुप से पर तेज गेंदबाजों के लिए लाया गया है। कोचिंग स्टाफ का मानना है कि खिलाड़ी मैदान से ज्यादा समय जिम में बिता रहे हैं जबकि मैदान पर दौड़ना ज्यादा जरुरी है। इस टेस्ट से यह तय होगा कि तेज गेंदबाज लंबे स्पेल तक बिना थकान के कर पायेंगे। गौरतब है कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दौरे पर भारतीय तेज गेंदबाजों, खासकर जसप्रीत बुमराह, को लंबे स्पेल करने में परेशानी हुई थी। इंग्लैंड दौरे पर केवल मोहम्मद सिराज ही सभी पांच टेस्ट खेल पाये थे। ऐसे में टेस्ट मैचों में गेंदबाजों की निरंतरता और उनकी ऊर्जा बनाए रखने के लिए ब्रोंको टेस्ट लाया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार कुछ भारतीय खिलाड़ियों ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ब्रोंको टेस्ट दिया भी है। बीसीसीआई पहले से ही यो-यो टेस्ट और 2 किलोमीटर टाइम ट्रायल जैसी फिटनेस परीक्षाएं लेती रही है।

रियो डि जिनेरो में जिम्नास्टिक मुकाबले में भाग लेती हुई ब्राजील की बारबार डोमिंगोज।

रिंकू ने तेजी से शतक लगाकर मेरठ माविरक्स को जीत दिलायी

लखनऊ (ईएमएस)। बल्लेबाज रिंकू सिंह ने यहां जारी यूपी टी20 लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में तेजी से अर्धशतक लगाकर अपना पुराना फार्म हासिल कर लिया है। इस टूर्नामेंट में मेरठ माविरक्स की कप्तानी कर रहे रिंकू ने गोरखपुर लायंस के खिलाफ मुकाबले में शतक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। रिंकू ने अपनी इस पारी में जमकर चौके और छक्के लगाये। उन्होंने 48 गेंदों पर 8 छक्के और 7 चौके के साथ ही नाबाद 108 रन बनाए। रिंकू जब बल्लेबाजी के लिए उतरे थे जब उनकी टीम ने 38 रनों पर ही 4 विकेट खो दिये थे। इसके बाद रिंकू ने आक्रामक रुख अपनाते हुए आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। रिंकू ने इसी के साथ ही एशिया कप के लिए भी अपने चयन को भी सही साबित किया है। इस मैच में मेरठ मावरिक्स की टीम को जीत किए 168 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए रिंकू की टीम ने 8 ओवर में 38 रनों पर ही चार विकेट खो दिये। उसके शीर्ष क्रम के चार बल्लेबाज 15 रन भी नहीं बना पाये। इसके बाद रिंकू ने युवराज सिंह के साथ मिलकर पांचवे विकेट के लिए 65 गेंदों पर ही 130 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। युवराज सिंह ने भी 22 गेंदों पर नाबाद 22 रन बनाकर रिंकू का अच्छा साथ निभाया।

श्रेयस को एकदिवसीय कप्तान बनाने की कोई बात नहीं हुई : सैकिया

तीनों ही प्रारुपों में एक ही कप्तान बनेगा

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि उसका इरादा भविष्य में एक ही खिलाड़ी को टीम की कप्तानी देना है। ऐसे में इस प्रकार की रिपोर्ट गलत है जिसमें कहा गया है कि आने वाले समय में एकदिवसीय प्रारुप की कप्तानी श्रेयस अय्यर को सौंपी जाएगी। शुभमन अभी टेस्ट कप्तान और टी20 में उप्तान बनाये गये हैं और भविष्य में उनके ही तीनों प्रारुपों की कमान संभालने की उम्मीद है। वहीं इससे पहले कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि बोर्ड अय्यर को एकदिवसीय कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा की जगह पर रखना चाहता है। इसमें कहा गया था कि शुभमन को भविष्य में सूर्यकुमार यादव के बाद टी20 की भी कप्तानी सौंपी जाएगी और अय्यर एकदिवसीय की जिम्मेदारी संभालेंगे पर बीसीसीआई ने उन रिपोर्ट्स को गलत बताया है। बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं हुई है। साथ ही कहा कि आगे चलकर तीनों ही प्रारुपों की कमान एक ही खिलाड़ी को मिल सकती है। रोहित अभी 38 साल के हैं और उनका कैरियर समाप्त होने की ओर है। उन्होंने टी20 और टेस्ट क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया है। ऐसे में उनकी नजर 2027 के एकदिवसीय विश्वकप पर है। इस प्रारुप में वह अभी भी विश्व के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में हैं। हालांकि, बढ़ती उम्र की वजह से वह अगले विश्व कप तक खेल पाएंगे इसकी संभावना बेहद कम है। ऐसे में श्रेयस एकदिवसीय में रोहित के उत्तराधिकारी के लिए दावेदार तो हैं प वह बोर्ड की पहली पसंद नहीं हैं। उनकी जगह पर वर्तमान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल एकदिवसीय कप्तानी के लिए पहली पसंद हैं। शुभमन का एकदिवसीय में 59 का औसत है और पहले से ही टीम के उपकप्तान हैं। उनकी उम्र भी अभी 25 साल ही है और उनके सामने लंबा समय है। ऐसे में उनके

भविष्य में एकदिवसीय कप्तान बनने की सबसे ज्यादा उम्मीद हैं।

श्रेयस की अनदेखी पर भड़के पूर्व सहायक कोच , उसे रिजर्व खिलाड़ी के लायक भी नहीं समझा गया

बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किये जाने का मामला बढ़ता जा रहा है। श्रेयस को टीम में शामिल नहीं किये जाने पर पूर्व कप्तान के श्रीकांत से कई पूर्व क्रिकेटरों ने नाराजगी जतायी है। वहीं अब भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने भी श्रेयस का मामला उठाया है। नायर ने कहा कि श्रेयस को रिजर्व खिलाड़ी के लायक भी नहीं माना गया है जबकि उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए थे और टूर्नामेंट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने थे। उन्होंने पांच मैचों में 48.60 की औसत से 243 रन बनाए थे। इसमें दो अर्धशतक शामिल थे। वहीं आईपीएल 2025 में भी उन्होंने 17 मैचों में 50.33 की औसत और 175.07 की स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए थे, जिसमें छह अर्धशतक शामिल था। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 97 रन था। इस प्रदर्शन के बाद भी एशिया कप के लिए उनको टीम में जगह नहीं मिली। श्रेयस को 15 सदस्यीय मुख्य टीम ही नहीं पांच रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में भी शामिल नहीं किया गया। नायर ने अय्यर के साथ हुए इस व्यवहार पर नाराजगी जतायी है। नायर ने कहा, "मुझे सही में नहीं पता, मैं यह सवाल पूछना चाहता था, अगर वह इतना मजबूत दावेदार है तो आपके रिजर्व खिलाड़ियों में वह कैसे नहीं है। कभी-कभी चयन बैठक काफी दिलचस्प हो सकती हैं, इसमें कई अन्य बातें भी उठती हैं।" उन्होंने साथ ही कहा, "मुझे नहीं समझ में आ रहा है कि कौन सा कारण श्रेयस को 20 सदस्यीय टीम का हिस्सा नहीं बनाने के लिए दिया जा सकता हे। मैं 15 की बात नहीं कर रहा हूं, मैं 20 सदस्यीय टीम की बात कर रहा हूं, जो श्रेयस को यह संदेश देते हैं कि वह टीम की योजना में नहीं है। भले ही चीजें काम न करें, वह फिर भी टीम में नहीं आ रहे हैं। उनक जगह या तो रियान पराग टीम में जगह बनाएंगे या कोई और पर उन्हें अवसर नहीं दिया जाएगा।" चयनकर्ता शायद उन्हें टी20 टीम में ही नहीं देख रहे हैं। – या शायद किसी और तरह से सोच रहे हैं। मैं हमेशा कहता हूं कि कोई भी चयनइस पर भी निर्भर करता है कि किसे आप थोड़ा अधिक पसंद करते हैं। इस मामले में शायद श्रेयस पीछे रह गये।

अब चयनकर्ता की भूमिका में नजर आ सकते हैं प्रज्ञान

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व स्पिनर प्रज्ञान ओझा अब चयनकर्ता की भूमिका में नजर आ सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने प्रज्ञान से आवेदन मांगा है जिसके बाद से ही उन्हें अहम जिम्मेदारी दिये जाने की अटकलें लगायी जाने लगी हैं। माना जा रहा है कि प्रज्ञान अजीत अगरकर और उनकी टीम के साथ सीनियर चयन समिति में शामिल हो सकते हैं। एक रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि आने वाले महीनों में समिति में बदलाव भी हो सकता है। अभी चयन समिति में मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर, एसएस दास, सुब्रतो बनर्जी, अजय रात्रा और एस शरथ शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार प्रज्ञान के दक्षिण क्षेत्र से राष्ट्रीय चयनकर्ता बनने की संभावना है। माना जा रहा है कि वह पूर्व भारतीय क्रिकेटर एस शरथ की जगह लेंगे। शरथ ने चयनकर्ता के रूप में अपने चार साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है। वहीं शरथ एक बार फिर जूनियर चयन समिति के मुख्य चयनकर्ता बन सकते हैं, यह पद 2023 से उनके पास नहीं था। बीसीसीआई राष्ट्रीय चयनकर्ता के लिए कम से कम 7 टेस्ट मैच; या 30 प्रथम श्रेणी मैच; या 10 वनडे और 20 प्रथम श्रेणी मैचों का अनुभव होना चाहिये। साथ ही खेल से संन्यास लिए हुए पांच साल हो गये थे। वहीं इससे पहले एक रिपोर्ट में कहा गया था कि मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का कार्यकाल जून 2026 तक बढ़ा दिया गया है। बीसीसीआई निकट भविष्य में चयनकर्ता के लिए नए आवेदन आमंत्रित करेगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि बोर्ड मौजूदा चयनकर्ताओं से खुश है और केवल एक बदलाव कर सकता है जिसमें एस शरथ की जगह एक नए चेहरे को लाना है। रिपोर्ट में कहा गया है, बीसीसीआई आगे नए आवेदन आमंत्रित करेगा। हालांकि, यह तय नहीं है कि बोर्ड दास और बनर्जी को बरकरार रखेगा या नहीं।

दक्षिण अफ्रीक के ब्रीट्जके ने लगातार चार अर्धशतक लगाकर सिद्धू का रिकार्ड तोड़ा

सिडनी (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ब्रीट्जके ने ऑस्ट्रेलिया खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में 78 गेंदो में 88 रनों की पारी खेलने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। अब ब्रीट्जके एकदिवसीय में लगातार चार बार पचास से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए है। इसी के साथ ही उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू का 48 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ब्रीट्जके ने इससे पहले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने पहले एकदिवसीय मैच में भी 150 रन बनाए थे। ब्रीट्जके एक बहुमुखी बल्लेबाज है। उन्होंने अपने पहले एकदिवसीय मैच में सलामी बल्लेबाज के रूप में खेला। फिर अगले मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की और अब चौथे नंबर पर भी सफलता हासिल की है। अपनी पहली चार एकदिवसीय पारियो में ब्रीट्जके ने 150, 83, 57 और 88 रनों की पारी खेली है। शुरुआत में ही विपरीत हालातों में भी विरोधियो पर हावी होने की उनकी क्षमता ने उन्हें एक बेहतर बल्लेबाज के रुप में पहचान दी है। गौरतलब है कि सिद्धू ने 1987 में अपने एकदिवसीय करियर की शुरुआत में लगातार सबसे ज्यादा 50 से अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। हालांकि उनके चार अर्धशतक पांच मैचो में ही बने थे। वहीं ब्रीट्जके ने चार पारियो में यह उपलब्धि हासिल करके उन्हें पीछे छोड़ दिया है।

आईसीसी ने महिला विश्वकप के लिए मैच स्थल में किया एक बदलाव, बेंगलुरु के मैच मुम्बई में होंगे

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले महीने होने वाले महिला एकदिवसीय विश्व कप के लिए एक बदलाव किया है। आईसीसी ने कहा है कि अब बेंगलुरु में होने वाले मैच मुम्बई में होंगे। आईसीसी ने पांच स्थानों में से एक के रूप में बेंगलुरु को सूची से हटा दिया है। विश्वकप टूर्नामेंट 30 सितंबर से शुरू होगा जिसमें अब नवी मुंबई स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम में तीन लीग मैच, एक सेमीफाइनल खेला जाएगा। पाकिस्तान के बाहर होने पर फाइनल सहित पांच मैच यहां आयोजित किए जाएंगे। आईसीसी के अनुसार बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के उपलब्धि नहीं होने के कारण मैच स्थल को मुम्बई कर दिया गया है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा, 'अप्रत्याशित हालातों के कारण हमें कार्यक्रम में से हल्का बदलाव करना पड़ा है। हमें खुशी है कि हमारे पास 5 विश्वस्तरीय स्थान हैं, जहां महिला क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ मैच देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा, 'मंच तैयार है और मुझे विश्वास है कि यह टूर्नामेंट कल्पनाओं को साकार करते हुए प्रशंसकों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए अन्य मैच स्थलों में गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और कोलंबो शामिल हैं। आईसीसी ने हालांकि बेंगलुरु को हटाने के स्पष्ट कारणों के बारे में नहीं बताया है पर पूरी संभावना है कि यह परिवर्तन कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ द्वारा मेजबानी के लिए आवश्यक मंजूरी हासिल करने में असफल होने के कारण किया गया। गौरतब है कि इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल जीत की खुशी में हुए जश्न के दौरान मची भगदड़ की जांच के बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम को बड़ी प्रतियोगिताओं की मेज़बानी के लिए अयोग्य करार दिया गया था।

कांबली का भाई बोला, सचिन फोन कर उनके हाल-चाल पूछते रहते हैं

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली की तबियत खराब है और वह ठीक से बोल तक नहीं पा रहे हैं। ब्रेन में क्लॉट के बाद से ही उनकी हालत लगातार खराब होती गयी है। उनका इलाज अब घर पर ही चल रहा है। उनके छोटे भाई वीरेंद्र कांबली ने कहा कि वह अभी ठीक से बोल नहीं पा रहे और उन्हें ठीक होने में समय लगेगा। वीरेंद्र ने बताया है कि उनके पुराने साथी और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी फोन कर उनके स्वास्थ के बारे में जानकारी लेते रहते हैं। उन्होंने साथ में यह भी कहा कि उनके भाई ने कभी ये नहीं कहा था किव सचिन से ज्यादा प्रतिभाशाली थी। सचिन और कांबली बचपन के दोस्त हैं। साल 1980 के दशक के अंत और 90 के दशक की शुरुआत में भारतीय क्रिकेट में दोनो आये थे पर दोनों के करियर में जमीन आसमान का फर्क रहा। जहां सचिन क्रिकेट इतिहास के महानतम खिलाड़ी बन गए वहीं कांबली केवल 17 टेस्ट और 104 एकदिवसीय ही खेल पाये। कांबली ने एक साक्षात्कार में कहा, 'दोनों में एक जैसी प्रतिभा थी। आप यह नहीं कह सकते कि मेरा भाई सचिन से बेहतर था या सचिन उससे बेहतर थे। दोनों एक जैसे थे। मैंने कभी नहीं सुना कि मेरे भाई ने कहा हो कि वह सचिन से बेहतर था।' उन्होंने बताया कि उनके भाई और सचिन की दोस्ती अब भी बहुत मजबूत है। उन्होंने बताया, सचिन दादा ने हमेशा विनोद का समर्थ किया है। उनकी दोस्ती अब भी बहुत ही गहरी है। सचिन फोन पर उनकी सेहत की जानकारी लेते रहते हैं। वह अभी वह घर पर ही हैं। उनकी हालत स्थिर हो रही है पर उन्हें ठीक होने में समय लगेगा।

धनश्री ने सोशल मीडिया में एक तस्वीर जारी कर लिखा, "अब जागने का समय है"

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की पूर्व पत्नी धनश्री वर्मा ने हाल ही में तलाक को लेकर अपना दर्द जाहिर किया है। इन दोनो के बीच इसी साल मार्च में तलाक हो गया था। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार चहल ने धनश्री को 4.75 करोड़ रुपये का गुजारा भत्ता दिया। धनश्री ने अब सोशल मीडिया में एक तस्वीर जारी कर लिखा, "अब जागने का समय है। एक नया अध्याय शुरू होता है।" धनश्री ने अपनी निजी जिंदगी पर भी बात की। उन्होंने कहा, "हम इसे 'निजी जीवन' क्यों कहते हैं, इसका एक कारण है। इसे निजी रहना चाहिए और देखिए एक सिक्के के दो पहलू होते हैं। साथ ही कहा कि मैं नहीं बोल रही हूं इसका मतलब यह नहीं है कि कोई इसका लाभ उठा सकता है। यह सही नहीं है। मुझे लगता है कि यह किसी के साथ नहीं होना चाहिए।" धनश्री ने यह भी कहा कि उनके पास अपनी कहानी है और वह भविष्य में इसे साझा कर सकती हैं। अभी वह अपने करियर पर ध्यान दे रही हैं। साथ ही कहा कि अगर आप बड़ी चीजें हासिल करना चाहते हैं, तो आपको इसे बार-बार बताने की जरूरत नहीं है। मेरे पास इसके बारे में बहुत कुछ कहने के लिए है मेरी अपनी कहानी है, क्या मैं इसमें गहराई से जाना चाहती हूं? शायद, भविष्य में।" इन दोनो के मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट ने मार्च में पारिवारिक अदालत से तलाक की याचिका पर फैसला लेने का अनुरोध किया। हाई कोर्ट ने हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक की याचिका दायर करने के बाद हर जोड़े के लिए निर्धारित छह महीने की कूलिंग पीरियड को ना मानने को कहा था क्योंकि चहल और धनश्री ने हाई कोर्ट में एक संयुक्त याचिका दायर की थी जिसमें उनके मामले में कूलिंग-ऑफ पीरियड को माफ करने की मांग की गई थी क्योंकि उन्होंने आपसी सहमति से तलाक के लिए आवेदन किया था।

दावा- एशिया कप में बिना स्पॉन्सर के खेलेगी टीम इंडियाः ड्रीम-11 कंपनी रियल मनी कारोबार समेट रही

नई दिल्लीः भारत की सबसे बड़ी फैंटेसी गेमिंग कंपनी ड्रीम11 अपना रियल मनी गेमिंग (RMG) कारोबार बंद करने जा रही है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है। यह फैसला भारत सरकार द्वारा हाल ही में पास किए गए ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 के बाद लिया गया है। इस बिल के तहत ऑनलाइन रियल मनी गेम्स पर पूरी तरह से पाबंदी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ड्रीम11 की पेरेंट कंपनी ड्रीम स्पोर्ट्स ने यह जानकारी अपने कर्मचारियों को 20 अगस्त को एक इंटरनल टाउनहॉल मीटिंग में दी। ड्रीम11 भारतीय क्रिकेट टीम और IPL जैसे बड़े टूर्नामेंट्स का प्रमुख स्पॉन्सर रहा है। ऐसे में ये भी खबरें है कि टीम इंडिया एशिया कप में बिना स्पॉन्सर के खेलेगी।

लोकसभा और राज्यसभा से बिल को मंजूरी मिली

21 अगस्त 2025 को राज्यसभा ने और उससे एक दिन पहले लोकसभा ने प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 को मंजूरी दी।

इस बिल को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पेश किया था। अब ये बिल राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए जाएगा और फिर ये कानून बन जाएगा।

ड्रीम 11 की 67% कमाई रियल मनी सेगमेंट से

ड्रीम11 का रियल मनी गेमिंग सेगमेंट कंपनी की कुल कमाई का 67% हिस्सा है। यानी, कंपनी की ज्यादातर कमाई फैंटेसी क्रिकेट जैसे गेम्स से आती थी। यहां यूजर्स पैसे लगाकर अपनी टीमें बनाते थे और जीतने पर कैश प्राइज पाते थे। नए बिल के तहत ये गेम्स अब गैरकानूनी हो गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के CEO हर्ष जैन ने कर्मचारियों को बताया कि नए कानून के तहत रियल मनी गेमिंग को जारी रखने का कोई कानूनी रास्ता नहीं है। इस वजह से ड्रीम11 ने अपने इस कोर बिजनेस को बंद करने का फैसला किया। सूत्रों के मुताबिक, कंपनी अब अपने नॉन-रियल मनी गेमिंग वेंचर्स पर फोकस करेगी।

इसमें स्पोर्ट्स ड्रिप और फैनकोड शामिल है। इसके अलावा, कंपनी अपनी दूसरी इनवेस्टमेंट्स जैसे विलो टीवी और क्रिकबज को बढ़ाने और विदेशी बाजारों में विस्तार पर ध्यान देगी।

ऑनलाइन गेमिंग बिल में 4 सख्त नियम

इस बिल में कहा गया है कि चाहे ये गेम्स स्किल बेस्ड हों या चांस बेस्ड दोनों पर रोक लगेगी।

- रियल-मनी गेम्स पर रोकः कोई भी मनी बेस्ड गेम ऑफर करना, चलाना, प्रचार करना गैरकानूनी होगा। ऑनलाइन गेम खेलने वालों को कोई सजा नहीं होगी।
- सजा और जुर्मानाः अगर कोई रियल-मनी गेम ऑफर करता है या उसका प्रचार करता है, तो उसे 3 साल तक की जेल और 1 करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। विज्ञापन चलाने वालों को 2 साल की जेल और 50 लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है।
- रेगुलेटरी अथॉरिटीः एक खास अथॉरिटी बनाई जाएगी, जो गेमिंग इंडस्ट्री को रेगुलेट करेगी, गेम्स को रजिस्टर करेगी और ये तय करेगी कि कौन सा गेम रियल-मनी गेम है।
- ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावाः पबजी और फ्री फायर जैसे ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेम्स को सपोर्ट किया जाएगा। ये गेम्स बिना पैसे वाले होते हैं इसलिए इन्हें बढ़ावा मिलेगा।

आंध्र प्रदेश को लॉजिस्टिक्स हब बनाएगी सरकार, 9,000 करोड़ का होगा निवेश

अमरावती (ईएमएस)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बताया कि आंध्र प्रदेश की 1,053 किलोमीटर लंबी तटरेखा को देखते हुए सरकार ने हर 50 किलोमीटर पर एक बंदरगाह या हार्बर विकसित करने की रणनीति बनाई है। उन्होंने हाल ही में यह बात आंध्र प्रदेश मैरीटाइम बोर्ड और एक वैश्विक शिपिंग एवं पोर्ट मैनेजमेंट कंपनी की सहायक इकाई के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर समारोह में कही। इस समझौते के तहत लगभग 9,000 करोड़ रुपये के निवेश से रामयपट्टनम, मछलीपट्टनम और मुलपेटा बंदरगाहों का विकास और आधुनिकीकरण किया जाएगा। कंपनी इन बंदरगाहों पर आधुनिक टर्मिनल और कार्गो हैंडलिंग सिस्टम स्थापित करेगी। इस पहल से लगभग 10,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है। राज्य सरकार का कहना है कि आंध्र प्रदेश को ईस्ट कोस्ट गेटवे के रूप में विकसित करने का लक्ष्य अब हकीकत बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री नायडू ने जोर देकर कहा कि कंपनी की सेवाओं से न केवल अंतरराष्ट्रीय बल्कि घरेलू कार्गो परिवहन को भी लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि बंदरगाहों के आसपास आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य का लक्ष्य विश्वस्तरीय बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स के

माध्यम से आंध्र प्रदेश को भविष्य के लिए तैयार अर्थव्यवस्था बनाना है। नायडू ने कंपनी से रेल, सड़क, अंतर्देशीय जलमार्ग और हवाई मार्गों के जरिए एकीकृत कार्गो परिवहन योजना तैयार करने में सहयोग देने का भी अनुरोध किया। इस अवसर पर मंत्री बी.सी. जनार्दन रेड्डी, मैरीटाइम बोर्ड के चेयरमैन दमचारला सत्य, उद्योग विभाग के सचिव युवराज, वरिष्ठ अधिकारी और कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

देश में दूध का उत्पादन पांच फीसदी बढ़ने की संभावना,दूध उत्पादन 3.78 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में डेयरी उद्योग तेजी से बढ़ रहा है और आने वाले कुछ वर्षों में दूध उत्पादन सालाना 5 फीसदी की दर से बढ़ने की संभावना है, जो वैश्विक औसत से कहीं अधिक है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025 में भी दूध उत्पादन में 5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 24 में भारत का कुल दूध उत्पादन 3.78 फीसदी बढ़कर 239.3 मिलियन टन तक पहुंच गया। डेयरी उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। खासकर छोटे और सीमांत किसान तथा महिलाएं इस क्षेत्र की मजबूत आधारशिला हैं। ये किसान डेयरी के माध्यम से अपनी आय बढ़ा रहे हैं, जिससे ग्रामीण आर्थिक विकास को भी मजबूती मिली है। वित्त वर्ष 24 में दूध उत्पादन कुल कृषि उत्पादन का लगभग 19.8 फीसदी हिस्सा था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता और खपत में वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 20 से 24 के बीच

प्रति व्यक्ति दूध की खपत में 3.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि 24 में औसतन हर व्यक्ति के लिए 471 ग्राम दूध प्रतिदिन खपत हुई, जो 20 में 406 ग्राम थी। घरेलू खपत दूध और डेयरी उत्पादों की मांग का मुख्य कारण है।

विशेषज्ञों के अनुसार वित्त वर्ष 27 तक डेयरी उत्पादों का उत्पादन 10.8 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 4,200.6 बिलियन तक पहुंच सकता है। सहकारी समितियां और संगठित क्षेत्र दूध की खरीद में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारत में कुल दूध उत्पादन का लगभग 63 फीसदी बिक्री के लिए होता है, जिसमें से 32 फीसदी हिस्सा संगठित क्षेत्र के पास है। वित्त वर्ष 24 में सहकारी समितियों ने अकेले 24 मिलियन टन दूध का प्रबंधन किया और किसानों को उनकी दूध की कीमत का 80-82 फीसदी सीधे भुगतान किया, जिससे उन्हें नियमित और समय पर आय प्राप्त होती है। यह रिपोर्ट भारतीय डेयरी उद्योग की मजबूती और ग्रामीण विकास में इसके योगदान को उजागर करती है।

जेआईसीए ने ग्लोबल सप्लाई चेन फंड में 4 करोड़ डॉलर का निवेश किया

मुंबई (ईएमएस)। जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) ने शुक्रवार को आविष्कार कैपिटल के ग्लोबल सप्लाई चेन सपोर्ट फंड में 4 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की। यह निवेश भारत, अफ्रीका और एशिया के उभरते बाजारों में आपूर्ति श्रृंखला को सशक्त करने और स्थानीय उद्यमों को सहयोग देने के उद्देश्य से किया गया है। आविष्कार कैपिटल के अनुसार इस निवेश से जेआईसीए को भारत के साथ-साथ अफ्रीका और एशिया में भी विस्तार करने में मदद मिलेगी, जिससे व्यापक हिंद महासागर क्षेत्र और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी। इस निर्णय की घोषणा जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने जापान के योकोहामा में आयोजित टीआईसीएडी-9 (अफ्रीकी विकास पर टोक्यो अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन) के दौरान की। इस अवसर पर हिंद महासागर में आर्थिक भागीदारी – अफ्रीका फोरम का आयोजन भी किया गया। जेआईसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह निवेश भारत-जापान की मजबूत साझेदारी को और आगे बढ़ाएगा और अफ्रीका व एशिया में सतत विकास को प्रोत्साहित करेगा।

फॉक्सकॉन ने भारत से 300 चीनी इंजीनियर्स वापस बुलाएः फैक्ट्री सेटअप करने में मदद कर रहे थे

नई दिल्ली; फॉक्सकॉन की सब्सिडियरी युझान टेक्नोलॉजी ने भारत के तमिलनाडु में फैक्ट्री सेटअप कर रहे 300 चीनी इंजीनियर्स को वापस बुला लिया है। 2 महीने के अंदर दूसरी बार ऐसी घटना हुई है। ये इंजीनियर्स भारत में डिस्प्ले मॉड्यूल फैसिलिटी और प्रोडक्शन लाइन तैयार करने में मदद कर रहे थे। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी सरकार ने फॉक्सकॉन के चेयरमैन से भारत में इन्वेस्टमेंट्स पर रिपोर्ट मांगी है, जिसके बाद कंपनी को यह कदम उठाना पड़ा। वहीं फॉक्सकॉन ने भारत सरकार को बताया है कि उन्हें उन सभी चीनी प्रवासी कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से वापस चीन भेजने के लिए कहा गया है।

यह घटना ऐसे वक्त पर हुई है जब भारत और चीन के बीच रिश्ते बेहतर होने की बात सामने आ रही है। फॉक्सकॉन अपनी प्रोडक्शन लाइन चीन के बाहर सेटअप करने पर फोकस कर रही है। इसके लिए कंपनी तमिलनाडु में 13,180 करोड़ के निवेश से नई यूनिट शुरू कर रही है। यहीं 300 चीनी इंजीनियर्स काम कर रहे थे। इससे पहले 2 जुलाई को चीन ने भारत

में आईफोन बनाने वाले 300 से ज्यादा इंजीनियर्स और टेक्नीशियंस को अचानक वापस बुला लिया था। इसके चलते आईफोन 17 के प्रोडक्शन में रुकावट आई थी। हालांकि एपल ने अन्य देशों से विशेषज्ञ बुलाकर भारत में आईफोन 17 का प्रोडक्शन छोटे स्केल पर शुरू किया है। चीनी इंजीनियर फॉक्सकॉन की हाई-टेक असेंबली लाइन, फैक्ट्री डिजाइन और भारतीय कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने का काम कर रहे थे। इसके लिए भारत सरकार ने चीनी इंजीनियरों के लिए वीजा सुविधा भी प्रदान की थी, ताकि उत्पादन में कोई बाधा न आए।

अमेरिका को आईफोन भेजने में भारत चीन से आगे निकला

भारत चीन को पीछे छोड़कर अमेरिका को स्मार्टफोन का सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। यह इस बात का संकेत है कि टैरिफ वॉर के बीच मैन्युफैक्चरिंग सप्लाई चेन चीन से दूर जा रही है। रिसर्च फर्म कैनालिस के मुताबिक, इस साल अप्रैल-जून में अमेरिका में इम्पोर्टेड स्मार्टफोन में मेड इन इंडिया का हिस्सा 44% रहा। पिछले साल अप्रैल-जून में भारत का हिस्सा मात्र 13% था।

दैनिक पंचांग

23 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

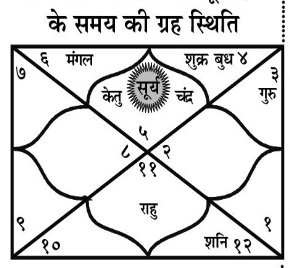

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.28 बजे से
चंद्र	सिंह में	तुला	09.39 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.54 ब.से
बुध	कर्क में	धनु	14.10 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	16.15 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	18.01 बजे से
शनि	मीन में	मीन	19.34 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	21.05 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.45 बजे से
		मिथुन	00.43 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		कर्क	02.56 बजे से
		सिंह	05.13 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 235 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण
तिथि अमावस्या 11.37 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 00.55 बजे को रात्र समाप्त।
योग परिघ 13.20 बजे को समाप्त।
करण नाग 11.37 बजे तदनन्तर किंस्तुघ्न 23.39 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 11° 25'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872445
जूलियन दिन 2460910.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446 **महीना** सफर
तारीख 28 **विशेष** भाद्रपद अमावस्या।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7385

बाएँ से दाएँ
1. रुद्र, शिव, भैरव-4
4. आर्युवेद के जनक-3
6. भीगा हुआ-2
7. ताला(अंग्रेजी-2)
9. शेविंग करना -4
11. योग्य, अनुरूप-3
12. अल्सर-3
13. ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14. नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15. नाप जोख करना-3
17. अनुमान लगाना-3
19. उदारता, बड़प्पन-4
21. गाथा, कहानी -2
23. जनकपुत्री-2
24. जिज्ञासा, उत्साह-3
25. राजा, सम्राट- 4

ऊपर से नीचे
1. इच्छुक, अलमस्त-4
2. मात, पराजय-2
3. बोलने का तरीका-3
4. अचंभित-3
5. आर्ट, हुनर-2
8. गुनाह, अपराध-3
9. अटक-अटक कर बोलना-4
10. सरुर, खुमार, नशा, घमंड-2
12. नजाकत-4
15. अभिनेता, कप्तान-3
16. आनंद बोधक शब्द-2
18. सम्राट, राजा-4
19. व्यंग, परिहास-3
20. मुलायम-3
22. परात, बड़ी थाली-2
23. हलवा, एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -7384 का हल

	स	ला	म	त		ल	ल	क
दा	दा		न	म	न			ल
म	चा	न		स	र	फ	रो	श
	र	का	बी		क			या
आ		रा	ज		म	न		त्रा
ल			डा		य	म	ज	
म	नो	मि	ल	न		न	ल	का
गी			ना	र	द		च	र
र	वा	ना		क	र	ता	र	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6926

	12	13	35	30		12	16	22	
24		6		9		7		5	14
20	5		9				8		20
25		3		2				7	11
			5		8		2		34
35		5		7		6			
7	2				4		8		30
19		8				6		7	25
14	3		6		7		2		19
	18	23	12		33	31	18	22	

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 6925 का हल

	13	6	30	13	19		28	33	
21	5	2	5	6	3		7	8	15
30	8	4	9	2	7		5	8	13
			7	5	3	8	2	7	32
9	3	4	2		6	7	9	3	25
21	7	2	5	7		2	5	7	14
35	8	9	2	3	8	5			
13	6	7		6	4	5	5	8	28
10	6	4		6	8	7	3	5	29
	30	26		22	20	34	8	13	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 5870

1	6	7			2	
6	31		28	3	30	1
5		3	4			7
	27	4	26		39	
2			1	6		4
	34	6	35		40	
3	7			5	6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5869 का हल

1	2	3	4	5	6	7
2	23	1	26	6	40	6
5	7	2	4	1	6	3
4	38	4	24	4	29	4
3	7	6	1	2	4	5
6	47	7	35	7	26	2
7	6	5	4	3	2	1

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1975 कम्युनिस्टों ने लाओस पर पूरी तरह अधिकार कर लिया.

1987 इराकी विमानों ने ईरानी पेट्रो रसायन परिसर पर जबरदस्त बमबारी की.

1991 सोवियत संघ में कम्युनिस्ट पार्टी को के.जी.बी. से प्रतिबंधित कर दिया गया.

1993 डेनमार्क में गोताखोरों ने 48 वर्ष पहले डूबोए गए जर्मन यू बोट को ऊपर निकालने में सफलता हासिल की.

2002 सचिन तेंदुलकर ने सर डॉन ब्रेडमेन का रिकार्ड तोड़ा.

2004 उमा भारती ने मध्यप्रदेश के राज्यपाल बलराम जाखड़ को अपना इस्तीफा सौंपा. बाबूलाल गौर मध्यप्रदेश के नये मुख्यमंत्री बने.

2005 मुंबई में इमारत गिरने से 11 मरे व 14 अन्य घायल हुए.

2007 हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री बनारसीदास गुप्त का निधन.

गणित पहेली - 5230

55		5		2		2	=	60
39		56		2		35	=	58
24		2		68		2	=	40
25		3		70		50	=	55
=		=		=		=		=
15		56		2		18	=	25 / 51

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5229

50	÷	5	+	75	-	65	=	20
-		+		-		+		+
10	+	25	-	5	+	4	=	34
-		x		-		-		+
25	-	2	+	55	-	14	=	64
+		÷		x		-		-
20	x	5	x	3	÷	25	=	12
=		=		=		=		=
35	+	12	-	45	x	30	=	106 / 60

शब्दजाल- 6917

जु	श	मु	म	स्ती	त	हो	प	न	र	द
र्म	क्रि	ल	ना	द	म	जा	अं	दा	ज	क
य	के	दो	हे	नि	इ	ना	न	व	टि	रू
इं	ट	स्ती	न	शा	वा	न्सा	क	ले	ज	की
प	दा	सा	भा	ने	तो	हो	न	गो	खा	त
ब	जि	त	प	ग	स	ए	व	सं	वॉ	व
द	प	न्दा	न	जी	म	ह	अ	गो	प्ला	द
क	र	क	प	क्श	प	भा	र	चो	आ	ख
र	व	त	म	रा	भी	त	ग	अ	न	अ
क	र	ल	प	र	ज	ता	रे	र	ह	द
मुं	ब	ई	से	आ	या	मे	रा	दो	स्त	न

शब्दजाल में लारा दत्ता की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

भागमभाग, जुर्म, मस्ती, अंदाज, दोस्ती, आन, इन्सान, खाकी, मुंबई से आया मेरा दोस्त, जिन्दा.

शब्दजाल - 6916 का हल

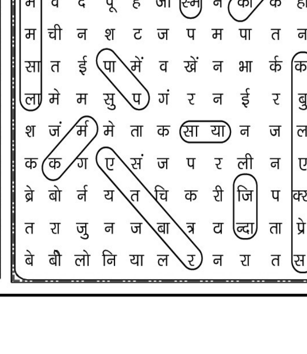

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त खबरें

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम पर राजधानी में बनेगा स्मृति स्थल, जमीन चिन्हित करने में जुटी राज्य सरकार

रांचीः दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम पर राज्य सरकार भव्य स्मृति पार्क बनाने का निर्णय लिया है. विधानसभा परिसर में इसकी औपचारिक घोषणा नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने की है. उन्होंने कहा कि राजधानी रांची में दिशोम गुरु के जीवन से संबंधित स्मृति पार्क बनाया जाएगा इसके लिए जमीन चिन्हित किया जा रहा है. जल्द ही स्थान का चयन करके इसे मूर्तरूप देने का काम किया जाएगा ताकि यहां आनेवाले बाहर के लोग भी दिशोम गुरु के जीवन और उनके संघर्ष को जान सके. विधानसभा परिसर में पूरक मानसून सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले विधानसभा परिसर में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए तैयारी शुरू हो गई है. स्मृति पार्क में गुरुजी की आदमकद प्रतिमा, उनके संघर्ष और आंदोलन से जुड़ी तस्वीर के साथ पार्क और हॉल का निर्माण होगा. जिससे यहां आनेवाले पर्यटकों को आसानी से गुरुजी शिबू सोरेन के बारे में जानकारी मिल सके. दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम पर स्मृति पार्क राजधानी रांची के हरमू रोड स्थित बाईपास में बनाए जाने की संभावना है. प्रस्तावित निर्माण स्थल के लिए नगर विकास विभाग ने झारखंड राज्य आवास बोर्ड से जमीन मांगी है. आवास बोर्ड ने जमीन चिह्नित करने का काम शुरू कर दिया है. आवास बोर्ड जल्द ही नगर विकास विभाग को जमीन मुहैया कराएगा. संभावना है कि रांची के बाईपास रोड में डीपीएस स्कूल के पास स्थित भुसूर मौजा में गुरुजी का स्मृति स्थल बनाए जाने पर मुहर लग जाए. इस मुख्य मार्ग पर स्थित भुसूर मौजा में कई एकड़ जमीन खाली पड़ी है. हालांकि इसके लिए अंतिम मुहर कैबिनेट के निर्णय के बाद होगा जिसमें इसके निर्माण पर होनेवाले खर्च एवं अन्य राशि निर्धारित होगी.

रांचीः पुलिस ने रिम्स कैंटीन को किया सील

संवाददाता रांचीः रिम्स की प्रथम वर्ष की पीजी छात्रा, जो प्रसूति एवं स्त्री रोग (Obs & Gynae) विभाग में ड्यूटी पर कार्यरत थीं, बीती रात अचानक अस्वस्थ होने के कारण गंभीर अवस्था में आपातकालीन विभाग में भर्ती कराई गईं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार छात्रा ने ऑर्थो विभाग के समीप स्थित कैंटीन से मंगाई गई चाय का सेवन किया था, जिसका स्वाद एवं गंध असामान्य था। सेवन के कुछ समय बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। वर्तमान में छात्रा वेंटिलेटर पर हैं और चिकित्सकों ने अगले 48 घंटे को उनके स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया है। चिकित्सकीय दृष्टिकोण से यह मामला पोइसनिंग से संबंधित प्रतीत हो रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए रिम्स प्रबंधन द्वारा कारणों की जांच हेतु विभागाध्यक्ष औषधि विभाग की अध्यक्षता में एक जाँच समिति का गठन किया गया है, जिसमें प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष एवं FMT विभाग से डॉ भूपेंद्र सिंह (टॉक्सिकोलॉजिस्ट) शामिल हैं। इस प्रकरण की सूचना बरियातू थाना को दे दी गई है। प्रबंधन की ओर से दोनों कैंटीन को बरियातू थाना पुलिस की उपस्थिति में सील किया गया है। साथ ही कैंटीन संचालक अन्नपूर्णा सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड एवं रात में कार्यरत कर्मियों से बरियातू थाना पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है।

भारत और नेपाल में एक ही साथ 24 अगस्त को विशाल रक्तदान अभियान का आयोजनः कोल्हान प्रमुख अंजू

जमशेदपुरः सोनारी मैरीन ड्राइव स्थित ब्रह्माकुमारीज यूनिवर्सल पीस पैलेस में 24 अगस्त को विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इस बात की जानकारी देते हुए कोल्हान प्रमुख अंजू बहन ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था की पूर्व प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी, जिनका 25 अगस्त 2007 को देहावसान हुआ था, उनकी पुण्य स्मृति में संस्था द्वारा भारत और नेपाल भर में एक साथ विशाल रक्तदान अभियान का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 24 अगस्त 2025 को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। यह दिन संस्था द्वारा विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाया जाता है और इस अवसर पर होने वाला यह अभियान एक लाख यूनिट रक्तदान का लक्ष्य लेकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने के लिए समर्पित है। जमशेदपुर में इसका मुख्य आयोजन ब्रह्माकुमारीज़ यूनिवर्सल पीस पैलेस, मरीन ड्राइव, सोनारी में होगा। रक्तदान केवल जीवन बचाने का कार्य ही नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी है। रक्तदान करने से हृदय और रक्त संचार प्रणाली मजबूत होती है, शरीर से अतिरिक्त आयरन का डिटॉक्स होता है और एक यूनिट रक्तदान करने से 650 से अधिक कैलोरी बर्न होती है। इस प्रकार यह स्वयं दाता के स्वास्थ्य के लिए वरदान है और दूसरों के जीवन के लिए अमृत समान। इस ऐतिहासिक अभियान में ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के साथ समाज सेवा प्रभाग एवं भारत सरकार का स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय आधिकारिक सहयोगी हैं।

जमशेदपुर में सोना देवी विश्वविद्यालय के इंडक्शन कम ओरिएंटेशन प्रोग्राम 2025 का हुआ आयोजन

जमशेदपुरः सोना देवी विश्वविद्यालय के इंडक्शन कम ओरिएंटेशन प्रोग्राम 2025 का जमशेदपुर के माइकल जॉन ऑडिटोरियम में भव्य आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि अभिजीत ए ननोटी, प्रबंध निदेशक, जेसीएपीसीपीएल जमशेदपुर, सोना देवी विश्वविद्यालय के संस्थापक सह कुलाधिपति प्रभाकर सिंह, कुलपति डॉ जे पी मिश्रा, कुलसचिव डॉ गुलाब सिंह आजाद तथा सोना देवी मेमोरियल एजुकेशनल फाउंडेशन ट्रस्ट की सदस्य डॉ निर्मला शुक्ला ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलन कर की. इस मौके पर संस्कृत विभाग की सहायक प्राध्यापक कुमारी निकिता ने ''दीप सूर्याग्निरूपस्त्वं तेजसः तेज उत्तमम्'' की प्रस्तुति दी. इससे पहले अंग्रेजी विभाग की सहायक प्राध्यापक अनुसूआ रॉय ने सोना देवी विश्वविद्यालय का परिचय सभी विशिष्टजनों, अभिभावकों और विद्यार्थियों तथा उपस्थित गणमान्य लोगों से कराया. अनुसूआ रॉय का साथ दिया उदय चंद्रवंशी ने. फिर (श्रव्य दृश्य) ऑडियो विजुअल माध्यम से सोना देवी विश्वविद्यालय के बारे में एक प्रस्तुति दी गई. सोना देवी विश्वविद्यालय की विद्यार्थी मेघा दास और उनके साथियों ने नृत्य और स्वर 'महागणपतिं मनसा स्मरामि' के माध्यम से गणेश वंदना की अच्छी प्रस्तुति दी.

रांची में बनेगा झारखंड का सबसे बड़ा मॉल

इंटर स्टेट बस टर्मिनल का भी होगा निर्माण

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संतुलित और समग्र नगरीय विकास के विजन को मूर्त रूप देने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. नगर विकास और आवास विभाग ने रिंग रोड के नजदीक दुबलिया में प्रस्तावित इंटर स्टेट बस टर्मिनल (ISBT) के साथ झारखंड का सबसे बड़ा मॉल बनाने की संकल्पना योजना पर काम शुरू कर दिया है.

नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि रांची समेत अन्य नगरों का विकास पर्यटकीय आधार पर किया जाए. इसी कड़ी में कर्नाटक की सरकारी परामर्शी एजेंसी IDEC ने गुरुवार को विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार के समक्ष मॉल और ISBT का कंसेप्ट प्लान प्रस्तुत किया.

प्रधान सचिव ने एजेंसी को योजना के प्रारूप में कुछ संशोधन करने और एक सप्ताह के भीतर संशोधित ड्राफ्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा मॉल ऐसा होना चाहिए जहां लोग ट्रैफिक जाम और भीड़भाड़ से दूर प्राकृतिक वातावरण में खरीदारी और समय बिता सकें. डिजाइन में हरियाली, सांस्कृतिक परिवेश, आधुनिकता और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए.

फाइल फ़ोटो

विकास की उम्मीदः इस मॉल और ISBT के निर्माण से रिंग रोड और आसपास के क्षेत्रों में समतुल्य नगरीय व पर्यटकीय विकास होगा. इससे न केवल रांची बल्कि पतरातु, रामगढ़, कुडू और लोहरदगा के लोग भी लाभान्वित होंगे. यहां उन्हें ब्रांडेड सामान, आधुनिक परिवहन और मनोरंजन की सभी सुविधाएं एक साथ मिल सकेंगी.

मॉल का स्वरूप

- **कुल क्षेत्रफलः** 5.59 लाख वर्गफुट (बेसमेंट सहित 7.36 लाख वर्गफुट)
- **बेसमेंट :** दो स्तर, पार्किंग व सुविधाएं
- **ग्राउंड फ्लोरः** 28 दुकानें, 7 एट्रियम, ग्लास पैनल डिजाइन
- **प्रथम से तृतीय तल :** प्रत्येक तल पर 29 दुकानें, 7 एट्रियम
- **चौथा तल :** 27 दुकानें, 7 एट्रियम
- पांचवां तल : 18 दुकानें, 7 एट्रियम, एक रेस्टोरेंट
- **छठा तल :** 11 दुकानें, 7 एट्रियम, 4 मल्टीप्लेक्स, - 2 रेस्टोरेंट

इस मॉल में फूड कोर्ट, एक्जीबिशन एरिया, इवेंट जोन, आधुनिक सुरक्षा सिस्टम और हरियाली पर आधारित ओपन स्पेस भी होंगे.

इंटर स्टेट बस टर्मिनल का प्रारूप

- **कुल बस पड़ावः** 211 (इंटरसिटी, इंटरस्टेट और इंट्रास्टेट बसों के लिए अलग-अलग वे)
- **ग्राउंड फ्लोरः** 17 एलाइटिंग बस वे, 21 इंटरसिटी, 18 इंटरस्टेट, 15 इंट्रास्टेट बस वे, टिकट काउंटर, एटीएम, शौचालय और सुरक्षा कक्ष
- **प्रथम तलः** वातानुकूलित प्रतीक्षालय, डॉरमेट्री, रेस्टोरेंट, फूड कियोस्क
- **अन्य सुविधाएंः** बांस की कलाकृतियां, LED स्क्रीन, अस्पताल, वर्कशॉप, सुरक्षा कक्ष, पेट्रोल-डीजल-सीएनजी पंप, कार-बाइक पार्किंग

पलामू सेंट्रल जेल से 200 कैदियों का होगा ट्रांसफर, यहां बंद हैं कई कुख्यात अपराधी

पलामूः जिला जेल चर्चा में है क्योंकि पलामू सेंट्रल जेल में बंद 200 कैदियों का दूसरे जेल में ट्रांसफर किया जाएगा. सभी को हजारीबाग सेंट्रल जेल भेजा जाना है. कैदियों का ट्रांसफर कई चरणों में किया जाना है और इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जानी है.

दरअसल पलामू सेंट्रल जेल में 925 के करीब सजायाप्ता और विचाराधीन कैदी बंद है. फांसी की सजा अपने वाले तीन कैदी भी पलामू सेंट्रल जेल में बंद है. पलामू सेंट्रल जेल में 760 के करीब कैदियों की क्षमता है. क्षमता से 200 के करीब कैदी अधिक है.

फिलहाल पलामू सेंट्रल जेल पूरे झारखंड में हॉट बना हुआ है. नक्सल संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के सुप्रीमो दिनेश गोप पिछले कई महीनों से पलामू सेंट्रल जेल में बंद है. हाल में ही झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा को पलामू सेंट्रल जेल ट्रांसफर किया गया है. वहीं झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर डब्लू सिंह भी आत्मसमर्पण के बाद पलामू सेंट्रल जेल में है.

कोयलांचल और जमशेदपुर के कई हाई प्रोफाइल कैदी अभी पलामू सेंट्रल जेल में हैं. पलामू सेंट्रल जेल अंग्रेजों के शासनकाल में तैयार किया गया जेल है. पलामू सेंट्रल जेल के जेलर आशीष कुमार ने 200 कैदियों के ट्रांसफर करने की जानकारी की पुष्टि की है. उन्होंने बताया कि कई चरणों में कैदियों को ट्रांसफर किया जाना है.

दरअसल पलामू सेंट्रल जेल में 300 से अधिक सजायाप्ता कैदी भी बंद हैं. नक्सल से जुड़े हुए कई बड़े कैदी भी जेल के अंदर हैं. आईजी और डीआईजी स्तर से पलामू सेंट्रल जेल की सुरक्षा को लेकर डीसी एवं एसपी को कई बिंदुओं पर पत्र भी लिखा गया है.

रांची रेल मंडल से गुजरने वाली 6 ट्रेनें रद्द

बिलासपुर मंडल में हो रहा नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य

रांचीः दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किया जा रहा है. इसका सीधा असर रांची रेल मंडल से होकर चलने वाली कई लंबी दूरी की ट्रेनों पर पड़ेगा. रेलवे ने स्पष्ट किया है कि तकनीकी कार्य को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के मद्देनज़र ट्रेनें रद्द की गई हैं. इधर, जोनल रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति (ZRUCC) के सदस्य अरुण जोशी ने गुरुवार को दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा को पत्र लिखकर रांची–गोमती नगर ट्रेन शुरू करने की मांग की है. इसकी जानकारी सलाहकार समिति के सदस्य अरुण जोशी ने खुद दी है. उन्होंने कहा कि फिलहाल रांची–बनारस एक्सप्रेस सप्ताह में केवल पांच दिन चलती है. शेष दो दिन बुधवार और रविवार को इसकी रेक हटिया स्टेशन पर खड़ी रहती है. इस उपलब्ध रेक का प्रभावी उपयोग करते हुए रांची–लोहरदगा–टोरी–डालटनगंज–सासाराम–वाराणसी–अयोध्या होकर गोमती नगर तक द्वि-साप्ताहिक ट्रेन सेवा प्रारंभ की जा सकती है. उन्होंने कहा कि सोननगर–रिचुघुटा खंड पर तीसरी लाइन शुरू हो जाने से ट्रैफिक लोड कम हुआ है और समयपालन में सुधार आया है. ऐसे में नई ट्रेन सेवा न केवल व्यावहारिक होगी, बल्कि यात्रियों को भी बड़ी राहत देगी और रेलवे को अतिरिक्त राजस्व मिलेगा.

रद्द ट्रेनों की सूची

- ट्रेन संख्या 17005 हैदराबाद-रक्सौल एक्सप्रेस : 21 अगस्त को रद्द
- ट्रेन संख्या 17006 रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस : 24 अगस्त को रद्द
- ट्रेन संख्या 17321 वास्को डी गामा-जसीडीह एक्सप्रेस : 22 अगस्त को रद्द
- ट्रेन संख्या 17322 जसीडीह-वास्को डी गामा एक्सप्रेस : 25 अगस्त को रद्द
- ट्रेन संख्या 22358 गया-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस : 27 अगस्त को रद्द
- ट्रेन संख्या 22357 लोकमान्य तिलक-गया एक्सप्रेस : 29 अगस्त को रद्द
- रांची-गोमती नगर द्वि-साप्ताहिक ट्रेन की मांग

यात्री बस ने मारी मोटरसाइकिल सवार को टक्कर, दो लोगों की मौत

लातेहारः जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत देवबार मोड़ के पास एनएच 39 पर एक यात्री बस और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर हो गई. इस घटना में मोटरसाइकिल सवार दो लोगों की मौत हो गई. हालांकि, मृतकों की स्पष्ट पहचान नहीं हो पाई है. लेकिन मृतकों में से एक के पास ड्राइविंग लाइसेंस मिला है, जो अब्दुल हसीम सरवर के नाम पर है. ड्राइविंग लाइसेंस धारक उत्तर प्रदेश के नोएडा का रहने वाला बताया जा रहा है. घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी शशि कुमार मौके पर पहुंचे और दोनों मृतकों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं.

दरअसल, बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार दो लोग कहीं जा रहे थे. इसी दौरान देवबार मोड़ के पास मोटरसाइकिल की सामने से आ रही एक यात्री बस से आमने-सामने की टक्कर हो गई. टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल बस के साथ कई फीट तक घसीटती चली गई. इस घटना में मोटरसाइकिल सवार दोनों लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई.

इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद वहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी. सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी शशि कुमार के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची. हालांकि, मोटरसाइकिल सवार दोनों लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. थाना प्रभारी शशि कुमार ने बताया कि पुलिस मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज रही है. मृतकों की पहचान की पुष्टि के भी प्रयास किए जा रहे हैं.

डीपीएस रांची और 'प्रयास – द एफर्ट' की पहल

रांची में इंटर-स्कूल पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांचीः दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची ने 'प्रयास – द एफर्ट' के सहयोग से इंटर-स्कूल पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसका उद्देश्य झारखंड में उच्च शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के उपायों की खोज करना था। प्रतियोगिता का विषय था – "झारखंड में उच्च शिक्षा प्रणाली को कैसे सुधारें"। इस अवसर पर डॉ. सुम्बुल आलम विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस प्रतियोगिता में 11 विद्यालयों से कुल 34 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिन्होंने अपनी रचनात्मकता, शोध क्षमता और बेहतर शैक्षिक परिदृश्य के प्रति अपनी दृष्टि को प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता में कई सशक्त और शोधपरक प्रस्तुतियां देखने को मिलीं। प्रतिभागियों ने झारखंड की उच्च शिक्षा प्रणाली से जुड़ी प्रमुख चुनौतियों—जैसे आधारभूत संरचना की कमी, शिक्षकों की कमी और अनुसंधान सुविधाओं की सीमाएं—को उजागर किया और इसके समाधानस्वरूप तकनीकी समावेशन, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, कौशल-आधारित कार्यक्रम और नीतिगत सुधार जैसे व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत किए। छात्रों ने अपने वक्तव्य, तकनीकी कौशल और विश्लेषणात्मक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रथम पुरस्कार बिशप वेस्कॉट गर्ल्स स्कूल, डोरंडा की टीम सनुबर फैयाज़ी और स्वागता मुखर्जी ने जीता, जिन्हें लेट अजीत कुमार कौर देओल ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। द्वितीय पुरस्कार दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची (वंशिका पोद्दार और दिव्या) और आइडियल इंटरनेशनल स्कूल (सारा परवीन और वान्या कृष्णा) ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया, जिन्हें आर.आर. तिवारी मेमोरियल ट्रॉफी प्रदान की गई। तृतीय पुरस्कार सरला बिरला पब्लिक स्कूल (विनय कुमार मिश्रा और श्रेया राज) और सुरेन्द्रनाथ सेंटनरी स्कूल (प्रत्यूष पाठक और कनिष्क अग्रवाल) को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। चतुर्थ पुरस्कार फिरायलाल पब्लिक स्कूल की टीम (दक्ष सेठ और अक्षिता प्रसाद) को मिला।

डीपीएस रांची की प्राचार्या, डॉ. जया चौहान ने कहा, "डीपीएस रांची में हम मानते हैं कि शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से हम छात्रों में समालोचनात्मक चिंतन और नागरिक जागरूकता का विकास करना चाहते हैं। मैं हर उस प्रतिभागी पर गर्व करती हूं, जिन्होंने इस अवसर का उपयोग कर झारखंड की शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाने वाले विचार प्रस्तुत किए। उनकी उत्सुकता और प्रयास वाकई सराहनीय हैं।"

स्वर्णिम भारत एक्सपो 2025

दूसरे दिन नवाचार, उद्यमिता और संवाद का संगम

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांचीः परिचित फ़ाउंडेशन द्वारा आयोजित स्वर्णिम भारत एक्सपो 2025 का दूसरा दिन राष्ट्रीय स्तर के नेताओं और विशेषज्ञों की गरिमामयी उपस्थिति से ऐतिहासिक बन गया। रांची स्थित आयोजन स्थल पर दूसरा दिन नवाचार, आत्मनिर्भरता और समावेशी विकास की दिशा में प्रेरणादायी साबित हुआ।

मुख्य आकर्षण माननीय सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा की उपस्थिति रही। उन्होंने प्रतिभागियों और आगंतुकों से संवाद किया और आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित भारत@2047 के संकल्प को साकार करने पर बल दिया।

छात्रों की भागीदारीः दूसरे दिन का विशेष आकर्षण यह रहा कि हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएँ एक्सपो का हिस्सा बने। उन्होंने वैज्ञानिक संस्थानों, उद्योगों और स्टार्टअप्स द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया और भारत की प्रगति की दिशा में हो रहे नवाचारों से प्रेरणा ली।

दिन की प्रमुख गतिविधियाँः ज्ञानवर्धक सत्र एवं पैनल चर्चा, स्टार्टअप्स ने अपने तकनीकी समाधानों का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक संध्या पर भारत की लोक-संस्कृति और विविधता को दर्शाने वाले कार्यक्रम प्रस्तुत हुए। दूसरे दिन भी विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों और विभागों ने अपने स्टॉल और गतिविधियों से आगंतुकों को आकर्षित किया।

परिचित फ़ाउंडेशन द्वारा आयोजित स्वर्णिम भारत एक्सपो 2025 का दूसरा दिन भारत के नवाचार, परंपरा और भविष्य-दृष्टि का जीवंत प्रमाण बना। हजारों छात्रों की भागीदारी ने इसे और अधिक जन-उन्मुख और प्रेरणादायी बनाया। यह आयोजन 23 अगस्त 2025 तक जारी रहेगा, जिसमें अंतिम दिन फेलिसिटेशन सेरेमनी और क्लोज़िंग सेशन का आयोजन होगा।

दूसरे दिन के समारोह में अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय मंत्री, दीपक प्रकाश, सांसद, डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा, सांसद, डॉ. रविन्द्र राय। इन अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया, प्रतिभागियों से संवाद किया और भारत की प्रगति की दिशा में योगदान की सराहना की।

केंद्रीय मंत्री का दृष्टिकोण

अन्नपूर्णा देवी

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने इस अवसर पर कहा कि "स्वर्णिम भारत एक्सपो जैसे आयोजन हमारी भावी पीढ़ी को नए विचारों, तकनीकी नवाचार और उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करते हैं। यह देखकर संतोष होता है कि देश के विभिन्न संस्थान, उद्योग और स्टार्टअप्स एक मंच पर आकर विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करने के लिए कार्य कर रहे हैं। युवाओं की सक्रिय भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि आने वाला भारत आत्मनिर्भर, सक्षम और नवाचार-प्रधान होगा।"

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।